THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 63 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ शु.3 2080 सोमवार, 22 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

चीन पर निशाना साध गए पीएम मोदी

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने बयान में कहा कि यूक्रेन की मौजूदा स्थिति कोई राजनीति या आर्थिक मुद्दा नहीं है बल्कि यह एक मानवीय मुद्दा मानवीय मूल्यों का मुद्दा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में परोक्ष रूप से चीन पर भी निशाना साधा और कहा कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव की किसी भी कोशिश का विरोध होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कही ये बातें

जी-7 के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोई भी विवाद और तनाव की स्थिति को शांतिपूर्वक तरीके से बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने भगवान बुद्ध का जिक्र करते हुए बताया कि दुनिया में ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसका भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से सुलझाया ना जा सके। भगवान बुद्ध ने शत्रुता को बातचीत से खत्म करने की बात कही थी और हमें भी इसी भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

यूक्रेन की हरसंभव मदद करेंगे

जी-7 की बैठक से इतर प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी बात की। यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यूक्रेन की मदद के लिए भारत जो संभव होगा, वो सब करेगा।

जी-7 के सम्मेलन में यूक्रेन युद्ध पर काफी फोकस रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम शुरूआत से ही कहते रहे हैं कि बातचीत और कूटनीति के जरिए आज किसी भी समस्या को सुलझाया जा सकता है। यूक्रेन संकट में भी भारत मदद करने की कोशिश करेगा।

चीन पर साधा निशाना

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में किसी का नाम लिए बगैर कहा कि सभी देश यथास्थिति बदलने के खिलाफ एकसुर में आवाज उठाएं। भारत का सीमा पर चीन के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा है और दोनों देश सीमा विवाद में उलझे हुए हैं। ऐसे में पीएम मोदी के उक्त बयान को चीन पर परोक्ष रूप से निशाना माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी विवाद का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकाला जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति का विकासशील देशों पर बुरा असर पड़ रहा है। मौजूदा संकट के चलते खाने, तेल और फर्टिलाइजर का संकट बढ़ा है, खासकर विकासशील देश इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर में जैश का आतंकी गिरफ्तार

सेना की खुफिया जानकारी पाक पहुंचा रहा था, विदेशी मेहमानों का गुलमर्ग दौरा रद्द

श्रीनगर, 21 मई (एजेंसियां)। श्रीनगर में सोमवार से जी-20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की मीटिंग होने वाली है। उससे पहले एनआईए ने रविवार को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के ओवर ग्राउंड वर्कर मोहम्मद उबैद मलिक को गिरफ्तार किया है। इसके बाद विदेशी मेहमानों को गुलमर्ग ले जाने का प्रोग्राम कैंसल कर दिया गया है।

एनआईए के मुताबिक, उबैद कुपवाड़ा का रहने वाला है। वह पाकिस्तान में बैठे जैश कमांडर से लगातार संपर्क में था। जांच में सामने आया है कि वह पाकिस्तानी कमांडर को सीक्रेट इन्फॉर्मेशन के अलावा सुरक्षाबलों के मूवमेंट की जानकारी भेज रहा था।

जी-20 की बैठक शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 22 मई से 24 मई तक होनी है। जी-20 की तैयारियों के बीच कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। श्रीनगर में कन्वेंशन सेंटर और आस पास के क्षेत्र में एनएसजी और मरीन कमांडो 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। सुरक्षा में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भी मदद ली जा रही है।

आतंकी हमले का इनपुट

सूत्रों से इनपुट मिले हैं कि आतंकवादी श्रीनगर में जी-20 कार्यक्रम खलल डालने के लिए कुछ बड़े हमलों को अंजाम देने की कोशिश कर सकते हैं। राजौरी और पुंछ में हाल के हमलों जैसी घटना को रोकने के लिए सेना अपनी रणनीति में बदलाव कर रही है। इस क्षेत्र में बीते दिनों दो अलग-अलग हमलों में विशेष बल के पांच कमांडो सहित सेना के दस जवान शहीद हो गए थे।

दूसरे दिन भी वानखेड़े से 6 घंटे पूछताछ

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल चीफ समीर वानखेड़े से सीबीआई ऑफिस में लगातार दूसरे दिन 6 घंटे पूछताछ की। समीर वानखेड़े सुबह 10.30 बजे सीबीआई ऑफिस में गए थे, वे शाम 5 बजे बाहर आए।

वानखेड़े पर ड्रग्स-ऑन-क्रूज केस में पकड़े गए अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन को छोड़ने के बदले 25 करोड़ रुपये मांगने का आरोप है। इससे पहले शनिवार को भी उनसे करीब 5 घंटे पूछताछ की थी।

सीबीआई ने 18 मई को समीर को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। उन्होंने सीबीआई की समन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में रिट पिटीशन फाइल की थी, लेकिन वहां से उन्हें ज्यादा राहत नहीं मिली। दिल्ली हाईकोर्ट ने समीर को बॉम्बे हाईकोर्ट जाने की सलाह दी।

KADEL INSURANCE BROKERS (P) LTD.

Regd. Office : 402, Mogul Apartment, IRDA C.No. 127 (2/3/24)
Deccan Towers,Basheerbagh, Hyderabad - 500 001 (TS)
040-23237563, 23296634, 23230664, 66627751

कडेल इंश्योरेंस ब्रोकर केवल हैदराबाद में ही नहीं अपितु पूरे भारत में एक जाना-पहचाना नाम है। इसके संस्थापक पिछले 47 वर्षों से बीमा संबंधी विभिन्न सेवाएं प्रदान करते आ रहे हैं। पिछले 20 वर्षों से कंपनी बीमा ब्रोकिंग में सक्रिय है। ब्रोकिंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कई मापदंड हैं, और आईआरडीए सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के पश्चात ही लाइसेंस प्रदान करता है, जिसके लिए कम से कम 75 लाख रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है। ब्रोकिंग लाइसेंस के सभी नियमों और शर्तों का अपवाद के बिना पालन किया जाना आवश्यक है। समय-समय पर IRDA की निरीक्षण टीम ब्रोकर के अनुपालन का निरीक्षण करती है। बीमा ब्रोकर को भारत में मौजूद सभी बीमा कंपनियों के साथ कारोबार करने का अधिकार है। वर्तमान में कडेल इंश्योरेंस ब्रोकर के पास 27 अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं जैसे मार्केटिंग, पॉलिसी मॉनिटरिंग और क्लेम विभाग इन विभागों में वरिष्ठ अधिकारी पूरी योग्यता के साथ अपना उत्तरदायित्व निभा रहे हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पॉलिसी में कोई त्रुटि न हो ताकि हमारे ग्राहकों को Claim के दौरान किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। हम लगभग 200 कंपनियों को अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं, जिनमें कपड़ा, इस्पात, रसायन, दवा, तेल रिफाइनरी, प्लास्टिक, पैकेजिंग, रबर टायर, धातु और खाद्य क्षेत्र शामिल हैं। हम सैकड़ों दुकानों और लगभग 8,000 नागरिकों को चिकित्सा बीमा (Mediclaim) तथा हज़ारों वाहनों की बीमा सेवाएँ भी प्रदान कर रहे हैं। परमात्मा की कृपा से हमने विश्व विख्यात संस्थान जैसे तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) और मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में भी अपनी सेवाएँ प्रदान की है।

मुझे इन्श्योरेन्स ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं IRDA के परामर्श मण्डल का सदस्य होने का भी गौरव प्राप्त हुआ है।

हमारा यह स्पष्ट मानना है कि हमारी योग्यता परखने के पश्चात ही हमें आप सेवा का अवसर प्रदान करें।

इश्योरेंस संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु आपका स्वागत है :
सोहनलाल कड़ेल (चेयरमेन) 93922 33200
www.kadelinsurance.com kadelinsurance@gmail.com

पापुआ न्यू गिनी के पीएम ने मोदी के पैर छुए

परंपरा तोड़कर सूर्यास्त के बाद राजकीय सम्मान दिया

पोर्ट मोरेस्बी, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार शाम को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे। राजधानी पोर्ट मोरेस्बी में वहां के पीएम जेम्स मारेप ने उनकी अगवानी की। मारेप ने मोदी के पैर छूकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को एयरपोर्ट पर ही गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस इंडो पैसिफिक रिजन में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का ये पहला दौरा है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पापुआ न्यू गिनी की सरकार ने अपनी परंपरा को तोड़ते हुए पीएम मोदी का वेलकम किया है। दरअसल, इस देश में सूर्यास्त होने के बाद किसी भी विदेशी मेहमान का राजकीय सम्मान के साथ स्वागत नहीं किया जाता है।

लेकिन भारत की अहमियत को देखते हुए वहां की सरकार ने ये फैसला लिया।

पीएम मोदी 22 मई को पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारेप और नए गवर्नर सर बॉब डाडे से बातचीत करेंगे। इसके बाद पैसिफिक आईलैंड कंट्रीज के लीडर्स के साथ होने वाली फोरम फॉर इंडिया पेसेफिक आईलैंड कॉ-ऑपरेशन समिट (एफआईपीआईसी) में शामिल होंगे।

इस बैठक के लिए सभी 14 द्वीप देशों के प्रमुख पापुआ न्यू गिनी पहुंचे हैं। एफआईपीआईसी को 2014 में मोदी की फिजी यात्रा के दौरान लॉन्च किया गया था। पीएम मोदी के साथ इन देशों की ये तीसरी बैठक होगी।

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership. | Maruti Suzuki vehicles are now available under CSD & CPC* | For bulk order, mail at: nishant.vijayvergia@maruti.co.in.

AUTHORISED DEALERS: TELANGANA STATE: VARUN: (NIZAMBAD) CALL: 8462236236, (KARIMNAGAR) CALL: 0878- 2950555. **HYDERABAD: ADARSHA:** (ATTAPUR) CALL: 8897973366, (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. **KALYANI MOTORS:** (NACHARAM) CALL: 9100102157, (LB NAGAR) CALL: 9100102157. **GEM MOTORS:** (KONDAPUR) CALL: 9272506060. **ACER:** (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. **AUTOFIN:** (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. **JAYABHERI:** (GACHIBOWLI) CALL: 8100823456. **PAVAN:** (SECUNDERABAD) CALL: 7093711199. **VARUN:** (BEGUMPET) CALL: 040-44607676, (BANJARA HILLS) CALL: 040-44887676, (KUKATPALLY) CALL: 040-44587676, (VANASTHALIPURAM) CALL: 040-24029979, (GACHIBOWLI) CALL: 040-49497676. **RKS:** (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488, (MALAKPET) CALL: 9848898488, (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488, (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488. **MITHRA:** (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444, (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. **SAI SERVICE:** (ERRAGADDA) CALL: 7331168888, (MIYAPUR) CALL: 7331168888. **E-OUTLETS: SAI SERVICE:** (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **VARUN:** (MEDAK) CALL: 9703656111. **AUTOFIN:** (MEDCHAL) CALL: 8885040034. **PAVAN:** (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

*Offer includes Consumer offer, Retail support, exchange bonus and ISL/ Corporate offer (wherever applicable) on Celerio (Petrol- all variants except AGS). *Terms and conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. Creative visualization. Accessories and features shown in the pictures may not be part of the standard equipment and may vary according to the variant. Images used are for illustration purposes only. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. ##As certified by Test Agency Under Rule 115 (G) of CMVR 1989. ^Claim supported by independent research agency-JATO Dynamics Limited and is applicable in the petrol category. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Offer may vary from variant to variant. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offer is valid till 31st May 2023.

कर्नाटक के कलबुर्गी में हेड कांस्टेबल ने की खुदकुशी

कलबुर्गी, 21 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के कलबुर्गी में ब्रम्हपुरा पुलिस स्टेशन से जुड़े एक हेड कांस्टेबल ने रविवार को सशस्त्र रिजर्व मुख्यालय में अपने आवास पर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने ये जानकारी दी है। मृतक की पहचान 47 वर्षीय पांडुरंगा के रूप में हुई है, जो चिक्कोडी तालुक के चिम्मानचौड़ गांव के मूल निवासी थे। पुलिस के मुताबिक, पांडुरंगा शनिवार रात 10 बजे घर वापस आए और पत्नी के साथ अपने कमरे में सो गए, जबकि उसके बच्चे छत पर सोए थे। घटना के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। इससे पहले 5 मई को कलबुर्गी जिले के चित्तपुरा में पुलिस कांस्टेबल मल्लिकार्जुन (34) ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी।

त्र्यंबकेश्वर मंदिर विवाद पर भड़के राज ठाकरे

कहा- इतना कमजोर नहीं है हिंदू धर्म कि भ्रष्ट हो जाए

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में स्थित त्र्यंबकेश्वर मंदिर में अन्य धर्म के लोगों के प्रवेश के बाद शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब राज ठाकरे ने इस पूरे विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन करने वाले हिंदू संगठनों पर जमकर निशाना साधा है। नासिक में पत्रकारों से बात करते हुए राज ठाकरे ने कहा, त्र्यंबकेश्वर मंदिर के परिसर में कई सदियों से चली आ रही परंपरा को रोकने का कोई अर्थ नहीं है। महाराष्ट्र में कई ऐसे मंदिर और मस्जिद है जहां पर कई सालों से हिंदू-मुसलमान की एकता दिखाई देती है। मुंबई की बात करें तो यहां माहिम के दरगाह पर चादर चढ़ाने का पहला सम्मान माहिम पुलिस स्टेशन के एक कॉन्स्टेबल को मिलता है।

हिंदू धर्म कमजोर नहीं है

गैरहिंदू लोगों के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में प्रवेश करने के बाद कुछ हिंदू संगठनों ने मंदिर परिसर का शुद्धीकरण किया था। इन हिंदू संगठनों का आरोप था कि गैर हिंदूओं के जबरन प्रवेश से धर्म भ्रष्ट हो गया है और इसीलिए शुद्धीकरण किया गया। धर्म भ्रष्ट होने का दावा करने वालों को राज ठाकरे ने आड़े हाथों लिया। ठाकरे ने कहा कि अन्य मजहब का कोई व्यक्ति अगर हमारे धर्म या फिर धर्म कार्य में शामिल होता है तो तुरंत हमारा धर्म भ्रष्ट हो जाए क्या इतना कमजोर है हिंदू धर्म? मैं भी कई दरगाह और मस्जिदों में गया हूं। सिर्फ हमारे ही धर्म में कुछ ही जाति के लोगों को गर्भगृह में प्रवेश दिया जाता है। आखिर ऐसे विवाद खड़े करने वाले यह लोग किस मानसिकता के हैं? मेरा मानना है कि त्र्यंबकेश्वर के गांव वाले ही इस पूरे विवाद पर बात करें, बाहरी लोगों को इस विवाद में पड़ने की जरूरत नहीं है।

आखिर महाराष्ट्र में कौन दंगे करवाना चाहता है?

राज ठाकरे ने आगे कहा कि जो बातें गलत हैं वह गलत हैं और इसीलिए मस्जिदों पर बजने वाले अवैध लाउडस्पीकर के खिलाफ मैंने बात की। माहिम के समुद्र में बने अवैध मजार पर मैंने आवाज उठाई। कई ऐतिहासिक किले और दुर्ग पर अवैध दरगाह बने है उन्हें हटाना ही चाहिए। जो बातें गलत है उस पर आपको प्रहार करना ही चाहिए लेकिन सिर्फ जानबूझकर दंगे हो इसीलिए कुछ खोदकर निकालना यह ठीक नहीं है। सवाल है कि आखिर किस को महाराष्ट्र में दंगे करवाने हैं?

मराठी मुसलमानों के इलाकों में दंगे नहीं होते

राज ने मराठी मुसलमानों को लेकर दावा किया कि बड़ी बात यह है कि महाराष्ट्र में जहां भी मराठी मुसलमान रहते हैं वहां कभी भी दंगे नहीं होते हैं। क्योंकि यह मराठी मुसलमान कई पीढ़ियों से महाराष्ट्र में रह रहे हैं, मराठी में बात करते हैं और इन जगहों पर जो सामंजस्य हैं उसे बेवजह कोई भी बिगाड़ने की कोशिश ना करें। जिस देश में हिंदू बहुसंख्यक हों वहां पर यह कहना कि हिंदू खतरे में हैं तो कैसे चलेगा? चुनाव करीब आने पर इस तरह के धार्मिक उन्माद बढ़ते जायेंगे।

उद्धव के फॉर्म हाउस पर पैसों का गोदाम

वहीं छिपे हैं 2000 के नोट', नितेश राणे के आरोप से महाराष्ट्र में खलबली

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के विधायक नितेश राणे ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सुप्रीम उद्धव ठाकरे पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे के कर्जत फॉर्म हाउस में अंडरग्राउंड पैसे का गोदाम बनाए गया है जिसकी जांच होनी चाहिए। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने के एलान के बाद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि देश का सिस्टम सरकार के गुलाम की तरह काम कर रहा है। नितेश राणे ने संजय राउत के इस बयान को निशाने पर लेते हुए कहा, भ्रष्टाचार के पैसे से कमाई गई 2000 के नोटों की गड्डियां कर्जत फॉर्म हाउस में ही रखी गई हैं। इसी कारण संजय राउत इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, फार्म हाउस की जांच होनी चाहिए पता लगाना चाहिए वहां कितना पैसा रखा है।

आदित्य ठाकरे अब वही काम कर रहा - नितेश राणे

नितेश ने कहा, उद्धव ठाकरे की युवा सेना के माध्यम से बीएमसी चुनाव में उम्मीदवारों को टिकट देने के लिए दो करोड़ में टिकट कार्ड निकाला गया है। उद्धव ठाकरे बिना पैसा लिए एक भी टिकट नहीं देते थे अब उनका बेटा आदित्य ठाकरे भी वहीं काम करता है।

विपक्ष के निशाने पर बीजेपी और केंद्र सरकार

दरअसल, आरबीआई के इस फैसले से विपक्ष केंद्र सरकार पर हावी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस फैसले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस फैसले को थूक कर चाटने जैसा बताया है। आरोपों में घिरी बीजेपी नेइस फैसले को भ्रष्टाचार के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक बताया है।

भगत सिंह कोश्यारी महाराष्ट्र के गुनहगार

रिजिजू के इस्तीफे पर जल्द करूंगा खुलासा', बोले संजय राउत

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। उद्धव गुट वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने एक बार फिर बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने बता दिया कि पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी महाराष्ट्र के गुनहगार हैं और उन्होंने बहुत बड़ा अपराध किया है। राउत ने कहा कि पूर्व राज्यपाल ने महाराष्ट्र के बालासाहेब की शिवसेना तोड़ने के लिए अधिकारों का गलत इस्तेमाल किया जिसे सुप्रीम कोर्ट ने बता दिया है।

महाविकास अघाड़ी में कोई मनमुटाव नहीं

अजीत पवार को लेकर संजय राउत ने कहा, 'सभी का डीएनए टेस्ट किया जाएगा, महाविकास आघाडी में छोटा भाई, बड़ा भाई इस तरीके का कोई भी मतभेद नहीं है। अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को हिम्मत देने के लिए इस तरीके की भूमिका लेनी

पड़ती है। लोकसभा में हमारा आंकड़ा 19 रहेगा और यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है।' बीएमसी चुनाव को लेकर राउत ने राज्य सरकार को चुनौती देते हुए कहा, 'आप चुनाव से क्यों डर रहे हैं। मुंबई महानगर पालिका के चुनाव करने में आप देर क्यों कर रहे है यह बताइए ?' राउत ने सरकार से सवाल करते हुए कहा, किरण रिजिजू जी का पद क्यों बदल दिया गया यह बताइए ? वरना आने वाले दिनों में इस पर मैं खुलासा करूंगा।

2 हजार के नोट पर क्या कहा

2000 रुपये के नोट को बंद किए जाने के फैसले पर राउत ने कहा, 'देश की अर्थव्यवस्था के साथ इतिहास में इतना बड़ा खिलवाड़ कभी नहीं हुआ था। सामान्य नागरिक के पास 2000 का नोट नहीं है। पहले नोटबंदी के वक्त लगभग 4000 लोग बैंक के लाइन में खड़े थे और उनकी मृत्यु हो गई। यह मामला फंस गया हैं। इसमें लोगों को नौकरी चली गई है और प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि यदि नोटबंदी का फैसला फंस गया तो मुझे फांसी लगा दीजिए। आप अब प्रायश्चित कीजिए।' शिंदे सरकार का नाम लिए बगैर, निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि जिनको 50-50 खोखा दिया गया है इनमें सब 2000 के नोट है और यह उन्हीं का नुकसान है। अब वे लोग मुख्यमंत्री के पास नोट बदलने की मांग कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट का विरोध किया तो कर दी दलित लड़के की पिटाई 12 लोग गिरफ्तार

ठाणे, 21 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण में सोशल मीडिया पर किसी पोस्ट को लेकर आपत्ति जताने के लिए 17 साल के दलित किशोर की पिटाई करने के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। खाना पहुंचाने वाली एक कंपनी में काम करने वाले इस दलित किशोर को दो दिन पहले बुद्ध पूर्णिमा के संबंध में इंस्टाग्राम पर कुछ पोस्ट दिखे जो उसे आपत्तिजनक लगे। खड़कपाडा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि किशोर ने पोस्ट डालने वालों से उन्हें हटाने को कहा तो उसकी उनसे बहस हो गई। पुलिस ने बताया कि अगले दिन कुछ लोग किशोर के काम करने की जगह पर पहुंचे, उसे अपने साथ खींच कर जंगल में ले गए। इसके बाद उन्होंने उसके कपड़े उतार कर पिटाई की और फिर सड़क पर घुमाया। उन्होंने

पीएम मोदी ने भारत के लिए सुरक्षा का सुदर्शन चक्र बनाया: अमित शाह

गांधीनगर, 21 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के द्वारका में नेशनल एकेडमी ऑफ कॉस्टल पुलिसिंग (एनएसीपी) के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया। इस मौके पर गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने भारतीय नौसेना, इंडियन कोस्ट गार्ड, समुद्री पुलिस, कस्टम्स और मछुआरों के साथ मिलकर सुरक्षा का एक सुदर्शन चक्र बनाया है। उन्होंने कहा कि खुले समंदर में भारतीय नौसेना के जहाज और विमानों द्वारा सुरक्षा की जाती है। मध्यस्तरीय समुद्र में भारतीय नौसेना तथा तटरक्षक बल सुरक्षा और टेरिटोरियल वाटर में बीएसएफ की वाटर विंग इसे अंजाम देता है और गांव में देशभक्त मछुआरे सूचना का माध्यम बनकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इन सभी आयामों पर भारत सरकार ने एक सुगठित तटीय सुरक्षा नीति अपनाई है और एक इंटीग्रेटेड विचार के साथ बनाई गई नीति और रणनीति के माध्यम से देश के तटों को सुरक्षित करने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि हमारे देश ने तटीय सुरक्षा में कोताही के कारण कई दुष्परिणाम भुगते हैं। साल 2008 मुंबई हमले को कोई राष्ट्रभक्त नागरिक भुला नहीं सकता जिसमें जरा सी चूक के कारण 166 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की तटीय सुरक्षा की नीति के बाद अगर दुश्मन ऐसी घटनाओं को अंजाम देने का प्रयास करेगा तो उसे करारा जवाब मिलेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कई स्तंभों पर इस तटीय सुरक्षा की नीति को तैयार किया गया है।

उड्डयन में एयर इंडिया व इंडिगो का एकाधिकार

चेन्नई, 21 मई (एजेंसियां)। कई निजी कंपनियों के बंद होने के साथ इस क्षेत्र में दशकों की उथल-पुथल के बाद, भारतीय एयरलाइंस क्षेत्र स्थिरता और एक प्रकार के एकाधिकार की ओर बढ़ रहा है। सरकार के स्वामित्व वाले एयर इंडिया का अधिग्रहण करने वाला टाटा समूह ने अपनी दो अन्य एयरलाइनों - विस्तारा और एयरएशिया का विलय कर दिया है। अब तक तीन एयरलाइनों की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 25।1 प्रतिशत (एयर इंडिया 9 प्रतिशत, विस्तारा 8.8 प्रतिशत और एयर एशिया 7.3 प्रतिशत) है। विलय के बाद और बेड़े के विस्तार और टाटा समूह की वित्तीय सहायता के साथ, अगर सभी चीजें सही रास्ते पर हैं, तो एयर इंडिया की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि होनी चाहिए। जनवरी-मार्च 2023 की अवधि के लिए भारत के नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 55.7 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ इंटरग्लोब एविएशन मार्केट लीडर है और स्पाइसजेट 6.9 प्रतिशत के साथ बचा है। जमीनी स्थिति को देखते हुए, भारतीय एयरलाइंस बाजार में दो प्रमुख खिलाड़ी, इंटरग्लोब और एयर इंडिया का एकाधिकार है। अन्य के पास बहुत छोटा हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर मुस्लिम बहुल राज्य

तब तक चुनाव नहीं लड़ूंगी जब तक 370 बहाल नहीं होगा: महबूबा

जम्मू, 21 मई (एजेंसियां)। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि वो तब तक कोई चुनाव नहीं लड़ेंगी जब तक घाटी में आर्टिकल 370 बहाल नहीं हो जाता है। इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा है कि जम्मू-कश्मीर एक मुस्लिम बहुल राज्य है। वहीं, जी-20 समिट को लेकर उन्होंने बीजेपी सरकार पर हमला किया है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि जी-20 पूरे देश का इवेंट है, लेकिन बीजेपी ने इसे हाईजैक कर लिया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, बेंगलुरू में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "जी-20 के लोगो को उन लोगों ने कमल के फूल से बदल दिया है। ये लोगो देश से जुड़ा होना चाहिए था। ये पूरे देश का इवेंट हैं, लेकिन बीजेपी ने इसे हाईजैक कर लिया है। ये किसी पार्टी का इवेंट नहीं है। ये सार्क देशों का सम्मेलन है।" उन्होंने आगे कहा, "केंद्र सरकार सांप्रदायिक राजनीति कर रहा है। जम्मू-कश्मीर एक मुस्लिम बहुल राज्य है।" केंद्र सरकार के अध्यादेश पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की पावर अध्यादेश के जरिए छीनी जा रही है। वहीं, सीबीआई और ईडी का सरकार बिना वजह इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की और कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस को जिताया। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस सरकार अच्छा काम करेगी।

कर्नाटक की जनता का शुक्रिया अदा करते हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद शनिवार (20 मई) को सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। इस समारोह को भव्य बनाते हुए कांग्रेस ने अन्य राज्यों के बड़े नेताओं को निमंत्रण भेजा। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ भी शामिल हुईं।

सिद्दरमैया के शपथ ग्रहण में दिखी 'विपक्षी एकता' को लेकर कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। पूर्व कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए अभी विपक्ष को बहुत कुछ करने की जरूरत है। सिद्दरमैया के शपथ ग्रहण में विपक्ष की एकता को देखते हुए कपिल सिब्बल ने एक ट्वीट किया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या विपक्षी एकता का केवल यही संकेत है कि बड़ी संख्या में विपक्ष के नेता मौजूद रहे।

कपिल सिब्बल ने किया ट्वीट

पूर्व केंद्रीय मंत्री सिब्बल ने अपना प्वाइंट ऑफ व्यू रखते हुए कहा कि विपक्षी एकता के लिए इस तरह के मेगा शो से ज्यादा कई और चीजों की भी जरूरत है। एक सामान्य एजेंडा को लेकर बात करना और पक्षपातपूर्ण हितों का बलिदान विपक्ष की एकता के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।

सिद्दरमैया के शपथ ग्रहण को लेकर की टिप्पणी

सिद्दरमैया के शपथ ग्रहण समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री येजस्वी यादव, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी, सीपीआई महासचिव डी राजा, अभिनेता-राजनेता कमल हासन शामिल हुए थे। इस दौरान सभी नेताओं ने हाथ पकड़कर कैमरे के सामने पोज देकर यह संदेश दिया कि विपक्ष एकजुट है। इस समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए थे।

शपथ समारोह में नहीं शामिल हुए ये

हालांकि, कांग्रेस ने आप, बसपा, बीआरएस, वाईएसआरकांग्रेस और बीजद को इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया था। तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी को मंत्रित किया गया था लेकिन उन्होंने सांसद काकोली घोष दस्तीदार को कार्यक्रम में भेजा। यह निमंत्रण हाल की घटनाओं और संसद सत्र के दौरान हुई विपक्षी बैठकों पर आधारित थे। पुरी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के उद्घाटन समारोह में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की टिप्पणी ने अटकलों को तेज कर दिया है कि पटनायक चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी 2024 के बाद पीएम बने रहें।

भाजपा से मुकाबले के लिए विपक्षी हुए एकजुट

2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को टक्कर देने के लिए विपक्षी एकजुट होने की कोशिशें कर रहे हैं। इसकी एक झलक कर्नाटक में 20 मई को सिद्दरमैया के शपथ ग्रहम समारोह के दौरान देखने को मिली। कांग्रेस ने शपथ ग्रहण के बाद मंच पर विपक्षी एकता का प्रदर्शन भी किया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में इकट्ठा हुए थे कई संभावित शिकारी, भरमार बंदूक के साथ एक गिरफ्तार

उमरिया, 21 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में गश्ती के दौरान रात एक संभावित शिकारी भरमार बंदूक के साथ पकड़ा गया है। धमोखर रेंजर विजय शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्र संचालक एवं उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के निर्देशन में सूझबूझ के साथ पास वृत्त बरबसपुर तिहार सिंह वनपाल, वनरक्षक उत्तम सिंह, अमय सिंह, चन्द्रभान सिंह व रात्रिगश्ती दल गुलजारी बैगा, सतमान बैगा ने रात को गश्ती के दौरान 10.30 पर बीट बरबसपुर के कक्ष पी126 सेहराहार में संदिग्ध व्यक्तियों की आहट मिलने पर घेराबंदी की थी। इसमें एक व्यक्ति भरमार बंदूक लिए पकड़ा गया। बाकी व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

एनआईए को मिली बड़ी सफलता, कुख्यात नक्सली और पीएलएफआई चीफ दिनेश गोप नेपाल से गिरफ्तार, 15 साल से थी तलाश

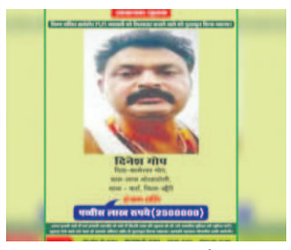

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। देश का कुख्यात नक्सली लीडर और पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का हेड दिनेश गोप अब सुरक्षा एजेंसियों की हिरासत में है। दिनेश गोप के आतंक का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसपर झारखंड सरकार ने 25 लाख और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 5 लाख का इनाम रखा था। पिछले 15 साल से भारत की एजेंसियों, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को नक्सली लीडर की तलाश थी। दिनेश गोप झारखंड में कई सालों से नक्सली गतिविधियों में एक्टिव था। नक्सली लीडर पर 100 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ये तो गिरफ्तार हो गया है, लेकिन अब भी इसके कई साथी फरार हैं। पीएलएफआई के चीफ दिनेश गोप की गिरफ्तारी वास्तव में सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी कामयाबी है। फिलहाल नक्सली से पूछताछ चल रही है। वह काफी लंबे वक्स से नेपाल में भी छुपा था। बताया जा रहा है कि सेंट्रल एजेंसियों के साथ दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया है। सुरक्षा एजेंसियों के हवाले से जानकारी मिली है कि दिनेश गोप नेपाल में हुलिया बदल कर छुपा हुआ था। वह सिख बना हुआ था और पगड़ी भी पहन रखी थी। स्पेशल सेल की काउंटर एजेंसियों को काफी टाइम पहले यह इनपुट्स मिले थे कि दिनेश नेपाल के काठमांडू में छुपा हुआ है, जिसके बाद इस ऑपरेशन को एनआईए के साथ मिलकर अंजाम दिया गया। दिनेश गोप ने एके 47 जैसे हथियारों से कई बड़ी वारदातों को अंजाम दिया है। इसके कई साथी अब तक फरार हैं। झारखंड पुलिस ने इसके पोस्टर भी छपवाए थे, जब इस पर इनाम रखा गया था। जांच में खुलासा हुआ है कि पीएलएफआई दिनेश गोप के लिए पाकिस्तान, चीन, बेल्जियम और स्कॉटलैंड से उम्दा किस्म के हथियार मंगवाता था जिसके जरिये उसका गिरोह और मजबूत होकर ताबड़तोड़ वारदातें को अंजाम दे रहा था।

भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर में संभाला मोर्चा

राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की सुरक्षा की सुनिश्चित

इम्फाल, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना और असम राइफल्स द्वारा इंफाल से और आवश्यक सामान ले जाने वाले वाहनों को सुरक्षा प्रदान कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना और असम राइफल्स यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत तालमेल के साथ काम कर रहे हैं कि इम्फाल से और आवश्यक सामान ले जाने वाले वाहनों की रक्षा की जाए क्योंकि हिंसा प्रभावित मणिपुर में आवश्यक आपूर्ति की स्थिति घट रही है और गंभीर स्तर तक पहुंच गई है।

इसके लिए, सेना और असम राइफल्स राज्य सरकार, मणिपुर पुलिस और सीएपीएफ के साथ मिलकर एनएच 37, मणिपुर की जीवन रेखा के माध्यम से वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय और तालमेल से काम कर रहे हैं। सेना के अधिकारियों ने कहा, सुरक्षा बल पूरी तरह से सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और एनएच 37 पर वाहनों की आवाजाही शुरू करना मणिपुर में सामान्य स्थिति की ओर एक और कदम है। भारतीय सेना के अनुसार, चावल, चीनी, दाल और ईंधन ले जाने वाले ट्रकों, ईंधन टैंकरों और जेसीबी सहित 28 वाहनों का एक काफिला सीआरपीएफ और मणिपुर पुलिस के संरक्षण में नोनी से इंफाल के लिए गया है। मणिपुर में हिंसा में 70 लोगों की मौत और 1,700 घरों के जल जाने के बाद धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है।

वीडी शर्मा का कमलनाथ पर बड़ा आरोप

बोले- 'आपके हाथ खून से सने हैं, जल्द ही कर्मों की सजा मिलेगी'

कटनी, 21 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों में अब कुछ ही महीनों का समय शेष बचा है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं सियासी बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोपों का दौर भी शुरू हो गया है। जहां कमलनाथ प्रदेश के मुखिया सीएम शिवराज सिंह चौहान और भाजपा पर निशाना साधते रहते हैं तो वहीं अब भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने 1984 में हुए सिख दंगों को लेकर उन पर बड़ा हमला बोला है। वीडी शर्मा ने कटनी प्रवास के दौरान

मीडिया से चर्चा में सिख दंगों को लेकर कहा कि 'भारत के अंदर ऐसा घटनाक्रम जो पूरे भारत को झकझोर देता है। 1984 के सिख दंगों में एक नहीं हजारों लोगों की नृशंस हत्याएं, जिस प्रकार से हजारों लोगों पर आक्रमण किए गए थे, कई लोगों की हत्या कर दी गई थी। उसका जो कमीशन बना था उस कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई की इंक्वायरी में एक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जिन्होंने दंगों को भड़काया था वह सज्जन कुमार जेल के अंदर हैं। दूसरे श्रीमान जगदीश टाइटलर जो लोग नेता कम गुंडों की भूमिका में ज्यादा हैं, सीबीआई ने कल उनके खिलाफ चार्जशीट पेश की है जल्द ही जेल के सलाखों के पीछे होंगे।

सीएम शिवराज ने तीर्थयात्रियों को फ्लाइट से किया रवाना विमान से यात्रा कराने वाला पहला प्रदेश बना एमपी

भोपाल, 21 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रविवार को भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का शुभारंभ किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों के करीब 32 बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों को इंडिगो की फ्लाइट से प्रयागराज के लिए रवाना किया गया है। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जो कि बुजुर्गों को मुफ्त में हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान कर रहा है। तीर्थयात्रियों को रवाना करने से पहले सीएम शिवराज ने बुजुर्ग तीर्थयात्रियों को शाल-श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया और उन्हें गले लगाकर उनका आशीर्वाद भी लिया। इस मौके पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इन बुजुर्गों ने कभी हवाई यात्रा नहीं की थी, पहली बार हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा करने जा रहे हैं। पहले हवाई जहाज उड़ते देखते थे,अब कह रहे हैं कि हम उसमें ख़ुद उड़कर जा रहे हैं। मेरा मन भावनाओं से भरा हुआ है। अपने बुजुर्गों को तीर्थयात्रा करवाकर मुझे लग रहा है कि मेरा भी जीवन धन्य हो गया है। हर एक की इच्छा होती है कि मृत्यु के पहले एक बार तीर्थ दर्शन करके आए, जो संपन्न हैं वो अपने पैसों से चले जाते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय परिवार और गरीब भाई बहन दर्शन करने नहीं जा पाते हैं। एक बार बुजुर्ग पंचायत हमने बुलायी थी, हम बात कर रहे थे तो बुजुर्ग ने मुझसे बोला बेटा मरने के पहले तीर्थ दर्शन करवा दे। उसी से ये विचार उत्पन्न हुआ कि बुजुर्गों को तीर्थयात्रा करवानी चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 22 मई, 2023 3

सुविचार

अपने माता-पिता का आदर करिये क्योंकि इनके आलावा इस दुनिया में आपका कोई भी अपना सगा नहीं है।

मिशन भागीरथ के साथ खत्म हुआ ग्वावलगुट्टा का जल संकट

नलगोंडा, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चंदमपेट मंडल के गुव्वलागुट्टा गांव के हर घर को अब मिशन भागीरथ के तहत प्रतिदिन पर्याप्त पेयजल मिल रहा है। अधिकारियों ने बताया गिुव्वलागुट्टा मिशन भागीरथ जल का इंतजार कर रहा था, जो अब पूरा हो गया। रिपोर्ट में अधिकारियों की उदासीनता को उजागर किया गया था, जो मिशन भागीरथ के तहत गांव में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने में सुस्त थे। रिपोर्ट के जवाब में, अधिकारियों ने पाइपलाइन पर रिसाव की मरम्मत की और पानी के दबाव को बढ़ाने के लिए वाल्व को बदल दिया क्योंकि गांव उच्च भूभाग पर स्थित है। बात करते हुए, ग्वावलगुट्टा सरपंच श्रीनू नाइक ने कहा कि अब गांव के हर घर में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि गांव में अब गुर्दे की बीमारियों के नए मामले सामने नहीं आएंगे क्योंकि ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल मिल रहा है। नाइक ने कहा कि हम गांव के लोगों द्वारा सामना किए गए दशक पुराने मुद्दे को हल करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और आईटी मंत्री के टी रामाराव के आभारी हैं।

अचानक बारिश से नगरवासियों को मिली राहत

अगले दो दिन तक हल्की बारिश से सुहावना हो सकता है मौसम

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार का दिन शहर के विभिन्न हिस्सों में बारिश के साथ गर्मी की स्थिति से निवासियों के लिए कुछ राहत मिली। मौसम का पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों में शहर को तेज गर्मी से भी राहत मिल सकती है। हालांकि पिछले कई दिनों से शहर में बने मौसम के अनुरूप आज सुबह और दोपहर गर्म रही, लेकिन बाद में आसमान में बादल छाए रहने से मौसम सुहावना हो गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद (आईएमडी-एच) द्वारा अगले दो दिनों के लिए शहर में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का संकेत देने वाला येलो अलर्ट जारी किया गया है। रविवार के लिए, पूर्वानुमान में चारमीनार, खैरताबाद, कुक्कटपल्ली, एलबी नगर, सिकंदराबाद, और सेरिलिंगमपल्ली ज़ोन में 30-40 किमी प्रति घंटे की तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें होने का उल्लेख किया गया था।

तेलंगाना के अन्य जिलों के लिए भी येलो अलर्ट जारी किया गया है। रंगारेड्डी, आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद, मनचेरियल, निर्मल, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, सहित महबूबाबाद, यदाद्री भुवनगिरी, मेडचल मलकाजीगिरी, महबूबनगर, नागरकुर्नूल, वानापार्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा और गदवाल के लिए पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार और मंगलवार दोनों के लिए जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

रविवार को जीएचएमसी के अंतर्गत सेरिलिंगमपल्ली-42.2, रामचंद्रपुरम-41.3, सिकंदराबाद-41.2, उप्पल-41, कुतुबुल्लापुर-40.9 तापमान रहा। दसी प्रकार राज्य कदम पेद्दूर, निर्मल-44.9, वेल्गातुर, जगतियाल-44.9, बेला, आदिलाबाद-44.8, कोनारोपेटा, राजन्ना सिरिसिला-44.7, वीणावंका, करीमनगर-44.6 डिगी सेल्सियस का तापमान रहा।

2000 के नोट बदलने के लिए आईडी प्रूफ की जरूरत नहीं : एसबीआई

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आज स्पष्ट किया कि 2,000 रुपये के नोटों को बदलने या बैंक खाते में जमा करने के लिए किसी आईडी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। इसमें कहा गया है कि करेंसी नोटों को बदलने के लिए कोई फॉर्म या पर्ची नहीं भरनी है। इसको लेकर एसबीआई ने अपनी सभी शाखाओं को गाइडलाइंस जारी की है।

इसमें कहा गया है कि 2,000 रुपये से 20,000 रुपये तक के नोट बिना किसी पहचान पत्र या फॉर्म के बैंक खाते में जमा या बदले जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर एक गलत सूचना फैलाई जा रही है कि बैंकों में 2,000 रुपये के नोट जमा करने या बदलने के लिए आधार कार्ड जैसे पहचान दस्तावेज जमा करने होंगे और एक फॉर्म भरना होगा। इस संदर्भ में, एसबीआई ने जवाब दिया और स्पष्ट किया कि 2,000 रुपये के नोटों को बदलने या बैंक खाते में जमा करने के लिए किसी आईडी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है।

भारतीय स्टेट बैंक ने अनुबंध-III में संलग्न प्रारूप के अनुसार निर्देशों में आंशिक संशोधन करते हुए कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि एक समय में 20000 रुपये की सीमा तक जनता के सभी सदस्यों को 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों के विनिमय की सुविधा बिना किसी मांग पर्ची के दी जाएगी। इसके अलावा, विनिमय के समय निविदाकर्ता द्वारा कोई पहचान प्रमाण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, अनुबंध-III, जो ई-परिपत्र संख्या आर एंड डीबी/एलीएनवाई बीकेजी-आरबीआई-I/8/2023-24 से जुड़ा है, को तत्काल वापस लिया जाता है। ई-परिपत्र में दिए गए अन्य निर्देशों में कोई बदलाव नहीं है। एसबीआई ने सभी बैंकों को निर्देश दिया कि वे जनता के सदस्यों को सभी सहयोग प्रदान करें ताकि जनता को बिना किसी असुविधा के सुचारू और निर्बाध तरीके से अभ्यास किया जा सके।

जीओ 111 को निरस्त करने पर पर्यावरणविदों के साथ सर्वदलीय बैठक बुलाएं सीएम : कुनमनेनी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने आज मुख्यमंत्री केसीआर से जीओ 111 को निरस्त करने पर विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों के साथ एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री को एक खुला पत्र लिखा।

अपने पत्र में, उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य कैबिनेट ने हाल ही में जीओ संख्या 111 को बिना किसी प्रतिबंध के निरस्त करने का निर्णय लिया था और कहा कि राज्य सरकार के निर्णय के बारे में पर्यावरणविदों और जनता के बीच गंभीर चिंता है। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि जीओ को उठाने से उस्मान सागर और हिमायत सागर झीलों के तहत लाखों एकड़ जलग्रहण क्षेत्रों में भूजल के खतरे में पड़ने की संभावना थी। उन्होंने कहा कि जुड़वां जलाशय रंगा रेड्डी जिले में कई एकड़ कृषि भूमि और हैदराबाद को पीने के पानी की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर दो जलाशयों के आसपास निर्माण गतिविधि की जाती है, तो सीवरेज के पानी से दो जल निकायों के दूषित होने का खतरा ह। राज्य सरकार की घोषणा का उल्लेख करते हुए कि दो जलाशयों को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई के पानी से भर दिया जाएगा, उन्होंने कहा कि पानी के उठाने से जलाशयों की स्वाभाविकता और पारिस्थितिक संतुलन खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह भी संदेह है कि जीओ को खत्म करने के पीछे राजनेताओं और रियल एस्टेट व्यापारियों के हित छिपे हुए हैं।

लॉरी की मोटरसाइकिल से टक्कर में एलआईसी एजेंट की मौत

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह मेडिपल्ली के पीरज़ादिगुड़ामें एक लॉरी ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक एलआईसी एजेंट की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार पीरजादिगुड़ा कामां के पास मोटरसाइकिल पर जा रहा युवक साईं कुमार (25) तभी एक लॉरी ने बाइक को टक्कर मार दी। वह बाइक से गिरकर घायल हो गया। वह मौके पर मर गया। लॉरी के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

गुत्ता ने केंद्र के 2000 रुपये के नोट बंद करने के फैसले को बेतुका करार दिया

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने के फैसले के लिए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा और उसके फैसले को अतार्किक और बेतुका करार दिया।

रविवार को यदाद्री भोंगीर जिले के चौटुप्पल में एक मल्टी-स्पेशियलिटी डेंटल अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात करते हुए, परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार बहुमत के लोगों की इच्छाओं के खिलाफ एकतरफा फैसले ले रही है और कहा कि केंद्र को लोगों को 2000 रुपये के नोटों को अचानक वापस लेने के पीछे का कारण बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब 2016 में 500 रुपये और 1000 रुपये के नोटों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, तो लोगों को बहुत नुकसान हुआ था और कई लोग बैंकों के सामने कतार में खड़े होकर मर गए थे। 2000 रुपये के नोटों को प्रचलन से वापस लेने का ताजा फैसला भी पूरी तरह से बेतुका है और अतार्किक है।

गुत्ता ने कहा कि 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने के केंद्र के फैसले का कोई नतीजा नहीं निकलेगा जैसा कि 2016 में विमुद्रीकरण के पहले के उदाहरणों के दौरान हुआ था और उन्होंने केंद्र सरकार को अपने दोषपूर्ण फैसलों से लोगों को परेशान करना बंद करने की सलाह दी।

हेड कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत

खम्मम, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पेनुबल्ली मंडल में वीएम बंजार पुलिस थाने में कार्यरत एक हेड कांस्टेबल की शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। कहा जाता है कि कल्लूर के जनपति वेंकटेश्वर राव (53) को दिल का दौरा पड़ा और जब वह चाय पीने के लिए बाहर जाने के लिए अपनी सीट से उठे तो गिर पड़े और होश खो बैठे। थाने के कर्मचारी उसे इलाज के लिए पेनुबल्ली सरकारी अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया।

मेदक में कार ने ऑटो को मारी टक्कर, चार की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के नरसिंगी के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार टोयोटा इनोवा ने ऑटो रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गयी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पीड़ित सिद्दीपेट जिले के प्रगनापुर में एक रिश्तेदार के 10वें दिन समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। पीड़ितों में थिप्पा शेखर (45), उनके बेटे यशवंत (10) और बुजुर्ग दंपति बाला नरसैय्याह (71) और मानेम्मा (62) थे। कविता और उसका बेटा अविनाश घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, पीड़ित कुछ वर्षों से निजामाबाद जिले के अलुरु में रह रहे थे।

अवैध शराब पर नकेल कसने के लिए विशेष टीमें

बहु-आयामी रणनीति के तहत काम शुरू

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शराबबंदी और आबकारी विभाग ने पड़ोसी राज्यों से अवैध शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए, अधिकारियों ने राज्य में स्रोतों, अंतर-राज्यीय गिरोहों और स्थानीय तस्करों की पहचान करने सहित एक बहु-आयामी रणनीति बनाई है। ओडिशा, गोवा, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक और महाराष्ट्र पर विशेष ध्यान देने के साथ टीमों को काम पर लगाया जा रहा है। ये तस्कर शहर के उपनगरों में अवैध शराब का स्टॉक करते पाए गए, जहां से इसे शहर में पंप किया जाता है। अवैध शराब तस्करी के मामलों में हाल ही में हुई छापेमारी और जांच से संकेत मिलता है कि अवैध शराब की ज्यादातर तस्करी ओडिशा से की जा रही थी। आबकारी विभाग के सूत्रों ने कहा कि यह पाया गया कि ओडिशा में अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा था, इसके बाद कर्नाटक, हरियाणा और महाराष्ट्र में शराब ब्रांडों की राज्य में मांग थी। शहर के बाहरी इलाके में गुप्त रूप से छोटी इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं जहाँ अवैध शराब बनाई जा रही है और स्थानीय स्तर पर आपूर्ति की जा रही है।

एक सूत्र ने बताया कि तस्कर ओडिशा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी इसी तरह की इकाइयां स्थापित कर रहे हैं, जहां शराब बनाई जाती है और स्थानीय शराब ब्रांडों की आड़ में राज्य में भेजी जाती है। हाल के मामलों में जांच से पता चला है कि मिलावटी शराब इब्राहिमपट्टनम, आदिबतला, शमशाबाद, हयातनगर, मेडचल और शहर के बाहरी इलाकों के साथ-साथ यदाद्री-भोंगिरजिले के आसपास के इलाकों में बेची जा रही थी। शराब बनाने के लिए मिलावटी पदार्थ में रेक्टिफाइड स्पिरिट मिलाई जा रही थी, जो सेवन करने वाले के लिए हानिकारक हो सकती थी। सस्ती किस्म की व्हिस्की बनाने के लिए रेक्टिफाइड स्पिरिट में केमिकल और रंग मिलाए जा रहे थे। कुछ शराब दुकान के मालिक भी रैकेट में शामिल पाए गए और ऐसे तस्कर गिरोहों को यहां अपने पंख फैलाने में मदद की।

ओडिशा के कटक और अन्य जगहों पर बनी शराब की बोतलों पर स्टिकर लगाकर आंध्र प्रदेश के रास्ते तेलंगाना पहुंचाया जा रहा है जैसे कि वे यहां राज्य में बनाई गई हों। हमने हाल के विशेष छापों में कुछ गिरोहों और एकल अपराधियों की पहचान की है। जब तक अवैध शराब का प्रवाह पूरी तरह से बंद नहीं हो जाता तब तक हम कार्रवाई जारी रखेंगे। आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने कहा, हम यह देखने के लिए स्थानीय शराब आपूर्तिकर्ताओं की गतिविधियों पर भी नजर रख रहे हैं कि कहीं उनका तस्करी गिरोहों से संबंध तो नहीं है।

खड़े ट्रैक्टर की चपेट में आने से दो मोटरसाइकिल सवारों की मौत

महबूबाबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बिना किसी खतरे की चेतावनी के सड़कों पर खड़े वाहन राज्य में हादसों का कारण बनते जा रहे हैं। ताजा घटना महबूबाबाद जिले की है, जिसमें शनिवार की रात गांधीपुरम गांव के पास खड़े ट्रैक्टर में मोटरसाइकिल की टक्कर से दो मोटरसाइकिल सवारों की मौत हो गई. पुलिस ने कहा कि दोनों मोटरसाइकिल सवारों की मौत तत्काल थी।

इस दुखद घटना में केसमुद्रम मंडल के वज्या थंका के भूक्य शिवा (19) और बोड़ा साईं (18) दोनों की मौत हो गई। ग्रामीण एसआई बी रामचरण ने कहा कि शिव एक कुशल मोटरसाइकिल मैकेनिक के रूप में जाने जाते थे। दोनों यात्रा कर रहे थे और जाहिर तौर पर उन्होंने खड़े ट्रैक्टर पर ध्यान नहीं दिया और उसमें जा घुसे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। वाहनों पर फ्लैशर चालू करके या अंधेरे में चमकने वाले खतरनाक चेतावनी संकेतों को लगाकर ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है, लेकिन इन अनिवार्य नियमों का वाहन मालिकों द्वारा बेधड़क उल्लंघन किया जाता है।

छात्रों को भारत की आत्मा की खोज में मदद करते हैं युवा संगम कार्यक्रम : राज्यपाल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि युवा संगम पहल के तहत शुरू किए गए छात्र विनिमय कार्यक्रम छात्रों को हमारे देश की सच्ची आत्मा की खोज करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के छात्र युवा संगमों के हिस्से के रूप में अपनी यात्राओं के माध्यम से अन्य राज्यों का व्यापक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं और हमारे देश की सच्ची महिमा और हमारे अद्वितीय सांस्कृतिक जुड़ाव की खोज कर रहे हैं।

राज्यपाल रविवार शाम यहां राजभवन में आईआईटी, रुड़की और एनआईटी, वारंगल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित युवा संगम के हिस्से के रूप में तेलंगाना राज्य का दौरा करने वाले उत्तराखंड के छात्रों के साथ बातचीत कर रही थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित एक भारत श्रेष्ठ भारत की व्यापक पहल का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि ये पहल युवा पीढ़ी को हमारे गौरवशाली अतीत, हमारी प्रगति को समझने और हमारे गौरवशाली देश का भविष्य के लिए काम करने में मदद कर रही हैं।

अपने युवा संगम दौरे के हिस्से के रूप में उत्तराखंड के छात्रों ने मेडराम में ऐतिहासिक रामप्पा मंदिर, हजारों स्तंभों के मंदिरों, समाक्का-सरक्का आदिवासी देवताओं का दौरा किया है और वारंगल और करीमनगर जिलों में सिंचाई परियोजनाओं के पंप हाउसों का भी दौरा किया है। हैदराबाद में, उत्तराखंड दल ने टी-हब, टैंक बंड, गोलकोंडा किला और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भी दौरा किया। राज्यपाल ने इस युवा संगम के समन्वय और दोनों राज्यों के बीच आपसी छात्र विनिमय कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाने के लिए आईआईटी, रुड़की और एनआईटी, वारंगल के पदाधिकारियों की सराहना की।

दान किये गये ब्रेन डेड किसान के अंग

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्री कोत्तागुडेम के तुंगाराम के एक 50 वर्षीय किसान, जिन्हें न्यूरो-चिकित्सकों की टीम ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया, के रिश्तेदारों ने जीवनदान अंगदान पहल के तहत मृतक के अंग दान कर दिए हैं। किसान, जिसके परिवार में पत्नी पी. सुगुनम्मा, एक बेटा और चार बेटियां हैं, 17 मई को भद्राद्री कोत्तागुडेम में आंखों की नियमित जांच के लिए जाते समय एक वाहन की चपेट में आ गए थे। उन्हें यशोदा अस्पताल, सिकंदराबाद में स्थानांतरित कर दिया गया था।

अस्पताल में विशेषज्ञों की टीम ने करीब तीन दिन तक किसान का गहन उपचार किया लेकिन उसकी सेहत में सुधार नहीं हुआ। 20 मई को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। परामर्श के बाद, वेंकन्ना की पत्नी और बच्चों ने अंगों को दान करने के लिए सहमति दी और सर्जनों ने लीवर और दो कॉर्निया (सभी 3 अंगों में) को पुनः प्राप्त किया और उन्हें जीवनदान अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर जरूरतमंद रोगियों को आवंटित कर दिया।

एचयूटी सदस्यों से हैदराबाद में भी चार एयरगन जब्त

स्टोरेज डिवाइसेस के साथ बड़ी मात्रा में जिहादी साहित्य मिला

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। देश विरोधी संगठन हिज्ब-उत- तहरीर (एचयूटी) के सदस्यों के पास चार और एयरगन मिली हैं। मिली जानकारी के आधार पर हैदराबाद से एयरगन जब्त की गई हैं। हैदराबाद से संगठन के कर्ता-धर्ता सलीम उर्फ सौरभ समेत पांच लोगों को नौ मई को मप्र आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने गिरफ्तार किया था। इन्हें भोपाल लाया गया था। इसके बाद एटीएस की टीम फिर इन्हें लेकर हैदराबाद गई थी।

लैपटाप, हार्ड डिस्क, अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण भी जब्त

सदस्यों से जुड़ी जगहों पर एटीएस ने तलाशी ली, जिसमें एयरगन के अलावा कंप्यूटर, लैपटाप, हार्ड डिस्क और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण मिले हैं। इन्हें जब्त कर लिया गया है। जिहादी साहित्य बड़ी मात्रा में जब्त किया है। इसके पहले भोपाल में भी एक सदस्य के पास से एक एयरगन मिली थी। माना जा रहा है कि निशाना लगाने की प्रैक्टिस के लिए यह लोग एयरगन का उपयोग करते थे।

चार दिन से जारी थी तलाशी

एटीएस की टीम ने हैदराबाद में चार दिन में आरोपितों के साथ कई ठिकानों पर तलाशी ली। इनके पास से विभिन्न तरह की स्टोरेज डिवाइस भी मिली हैं। दरअसल, नौ मई को एटीएस ने छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

इस कारण आरोपी कोई भी सामग्री छिपा नहीं पाए थे। गिरफ्तारी के बाद भोपाल लाए जाने पर पूछताछ में उन्होंने संगठन के प्रचार-प्रसार और प्रशिक्षण के लिए उपयोग होने वाली सामग्री के बारे में बताया था। इसके बाद साक्ष्य जुटाने के लिए एटीएस उन्हें लेकर हैदराबाद गई थी।

जंगलों में करते थे प्रैक्टिस

एटीएस सूत्रों का कहना है कि एयरगन के लिए लाइसेंस की आवश्कता नहीं होती, इसलिए आरोपित निशाना लगाने की प्रैक्टिस करने के लिए इसे रखते थे। वह अपने घरों या फिर जंगलों में प्रैक्टिस करते थे। बता दें कि नौ मई को भोपाल से 10, छिंदवाड़ा से एक और हैदराबाद से पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें 10 को रिमांड पर लेकर एटीएस पूछताछ कर रही है, जिसमें कई अहम खुलासे हो सकते हैं। बाकी छह को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

CLASSIFIEDS

FLATS FOR SALE

New Apartments, 3BHK Super Deluxe Flats, Ready to Occupy, GHMC & RERA Approved Project, Good Vastu, OC Received Bank Loan available, @ Pragati Colony, Near Aram Ghar X Roads, Before Shamshabad International Airport. Contact: 9100015559, 9100015558. (R/o. 061646)

CHANGE OF NAME

I ATHAR AHMED TAHER PATEL R/o.42-912, BAGH-E-HYDRI, MOULA ALI MALKAJGIRI, HYD-500040, T.S., Changed my Name as ATHER AHMED S/o.TAHER PATEL. (R/o. 061645)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

व्यापारियों से 80 लाख की धोखाधड़ी करने में दंपत्ति गिरफ्तार, बेंगलुरु में कर रहे थे ये काम

सहारनपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जिले के कोतवाली नगर पुलिस ने क्षेत्र के दुकानदारों से धोखाधड़ी करने वाले दंपत्ति को गिरफ्तार कर लिया। पति और पत्नी 80 लाख से अधिक के माल की धोखाधड़ी करके बेंगलुरु चले गए थे। वहां दोनों ने टिफिन सर्विस शुरू कर दी थी। शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों को कर्नाटक के बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया।मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक नगर अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि अभियुक्त योगेश बंसल और उसकी पत्नी ट्विंकल बंसल जिले में रेडीमेड कपड़ों का कारोबार करते थे। इसके लिए इन्होंने यहां एक दुकान भी ले रखी थी। दोनों स्थानीय दुकानदारों से कपड़े लेकर उससे पैंट और अन्य चीजें बनाकर शामली, दिल्ली में बेचते थे। इस व्यापार में उन पर स्थानीय व्यापारियों का करीब 80 लाख से अधिक रुपये की उधारी हो गई। इसे न चुका पाने और रुपये हड़पने की नीयत से दोनों फरार हो गए। इसके बाद बीते साल करीब 7 व्यापारियों ने उनकी शिकायत की थी।

नोटबंदी के बाद छोटे नोट घटे, बढ़ गए सिक्के

सौ के नोट की छपाई में भारी कमी, पचासा बढ़ा

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। दो हजार रुपये के नोट इस साल अक्तूबर में चलन से बाहर हो जाएंगे। पांच सौ रुपये का नोट ही करेंसी का "बादशाह" होगा। दरअसल छोटी करेंसी की नींव वर्ष 2016 में "नोटबंदी सीजन-1" में ही पड़ गई थी। हकीकत यह है कि पिछले छह साल में छोटे नोट की जगह सिक्कों ने ले ली है। आरबीआई के मुताबिक एक तरफ सिक्के धड़ाधड़ टकसाल से निकल रहे हैं तो दूसरी तरफ 5, 10 और 100 रुपये के नोटों की छपाई लगातार घट रही है। रिजर्व बैंक का सर्वाधिक फोकस दस रुपये के सिक्कों पर है। सात साल पहले बाजार में 3,700 करोड़ रुपये के दस के सिक्के थे, वहीं वर्ष 2022 में 5,400 करोड़ रुपये के सिक्के निकले। यहां तक कि 600 करोड़ के एक रुपये के सिक्के भी टकसाल से ज्यादा निकले। वास्तविक स्थिति ये है कि बैंक शाखाओं में सिक्कों की बोरियों के ढेर लगे हैं। ग्राहक लेने से कतराते हैं। फुटकर व्यापारी पांच से दस फीसदी डिस्काउंट पर सिक्के निकालने को मजबूर हैं। साफ है कि बाजार में छोटी करेंसी का राज होगा।

आरबीआई की हैंडबुक ऑफ स्टेटिस्टिक्स रिपोर्ट के मुताबिक सौ रुपये के नोट भी लगातार कम हो रहे हैं। इसकी जगह 50 के नोट ले रहे हैं। वर्ष 2016 के बाद से अभी तक करीब 70 हजार करोड़ रुपये के सौ के नोट बाजार में कम हो गए। वहीं 8 हजार करोड़ रुपये के पचास के नोट लोगों के हाथ में ज्यादा आ गए हैं। दस के सिक्के ज्यादा होने के कारण दस के नोट तेजी से कम हुए हैं।

इतने छोटे नोट आपके हाथ में

नोटबंदी के पहले सीजन यानी वर्ष 2016 में बाजार में पांच के नोट 3,600 करोड़ रुपये के थे, जो घटकर 3,400 करोड़ रुपये के रह गए। दस के नोट 36 हजार करोड़ रुपये से घटकर 27 हजार करोड़ रुपये रह गए। बीस के नोटों की संख्या 20 हजार करोड़ से बढ़कर 22 हजार करोड़ हो गई। पचास के नोट भी 35 हजार करोड़ से बढ़कर 43 हजार करोड़ रुपये के हो गए। वहीं, सौ के नोट 2.5 लाख करोड़ से घटकर 1.81 लाख करोड़ रुपये रह गए।

घट गए करेंसी चेस्ट और सिक्कों के डिपो

आरबीआई के खजाने से निकलकर नोट बैंक पहले करेंसी चेस्ट पहुंचते हैं। वहां से बैंक शाखाओं में आते हैं, फिर ग्राहक के हाथ तक पहुंचते हैं। नोटबंदी के बाद से अबतक करेंसी चेस्ट की संख्या में घट गई है। वर्ष 2016 में 4,033 करेंसी चेस्ट थे। अब यह संख्या घटकर 2878 रह गई है। सिक्कों की संख्या भले बढ़ गई लेकिन उनके डिपो (जहां आरबीआई से बाहर निकलकर रखे जाते हैं) की संख्या छह साल में 3,727 से घटकर 2,296 रह गई है। करेंसी चेस्ट पर आने वाला खर्च वे बैंक देते हैं, जिनके पास चेस्ट नहीं है। छोटे करेंसी से रकम लेने पर बैंक शाखाओं को 100 रुपये वाली एक गड्डी पर पांच रुपये फीस अदा करनी होती है। वहीं, बड़े अत्याधुनिक करेंसी चेस्ट के लिए प्रति गड्डी फीस 8 रुपये है।

नोटबंदी-1 से नोटबंदी-2 के बीच बढ़ते गए सिक्के

वर्ष	सिक्का एक	सिक्का दो	सिक्का पांच	सिक्का दस	सिक्का बीस
2015–2016	4,178	5,926	7,045	3,703	–
2016–2017	4,514	6,411	7,891	5,204	–
2017–2018	4,963	6,571	8,324	5,049	–
2018–2019	4,673	6,631	8,576	4,905	–
2019–2020	4,719	6,703	8,800	5,013	–
2020–2021	4,749	6,757	8,968	5,139	179
2021–2022	4,777	6,816	9,217	5,404	674

यूपी में अपने ही बढ़ा रहे बीजेपी की चुनौती

अखिलेश यादव को मिला केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का समर्थन

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले जातिगत जनगणना का मुद्दा हावी होते जा रहा है। पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार की तर्ज पर यूपी में जातिगत जनगणना कराने की मांग कर रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ अब उन्हें ओम प्रकाश राजभर के बाद बीजेपी के सहयोगियों का साथ भी मिलने लगा है। दरअसल, जातिगत जनगणना पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से सवाल किया गया तो उन्होंने समर्थन करते हुए कहा, सरकार की योजनाएं कितनों के पास पहुंच रही है, कितनों के पास पहुंचना अभी बाकी है। इस पूरी प्लानिंग को बनाने के लिए सरकार के पास आधिकारिक आंकड़े होने चाहिए। ये बयान उन्होंने एक निजी चैनल के साथ बातचीत के दौरान दिया है। हालांकि ये पहला मौका नहीं है जब इस मुद्दे पर अखिलेश यादव को विरोधियों का साथ मिला है।

डिप्टी सीएम का समर्थन

इससे पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी कई मौकों पर जातिगत जनगणना की मांग का समर्थन कर चुके हैं। तब उन्होंने कहा था, ₹मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं। न तो मैं और न ही मेरी पार्टी इस विषय पर विपक्ष में हैं। हालांकि इससे पहले यूपी के बीते विधानसभा सत्र के दौरान जातिगत जनगणना की मांग को लेकर विपक्ष ने जबरदस्त हंगामा किया था। तब शिवपाल यादव के नेतृत्व में सपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में धरना भी दिया था। हालांकि इससे पहले सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर भी जातिगत जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। हालांकि उन्होंने इसके साथ ही समाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट को लागू करने की भी मांग दोहराई थी। बता दें कि बिहार में जातिगत जनगणना हो रही थी। लेकिन बीते दिनों कोर्ट ने उसपर रोक लगा दी है। बिहार में इस जनगणना के शुरू होने के बाद अखिलेश यादव यूपी में भी इसे कराने की लगातार मांग करते रहे हैं।

टमाटर, शिमला मिर्च, पालक व कद्दू के भाव गिरे

अन्य सब्जियां भी हुईं सस्ती

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। मंडी में सब्जियों की आवक बढ़ने से दाम में गिरावट आनी शुरू हो गई है। कद्दू, टमाटर, शिमला मिर्च सहित अन्य सब्जियों के दाम घटकर आधे हो गए हैं। हालांकि नीम्बू व लहसुन के दामो में कमी नहीं आई है। अदरक के दाम में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के अनुसार मंडी में आवक अच्छी है। इससे सब्जियों के दाम लगातार कम हो रहे हैं। आगे भी इनके भाव में गिरावट आने की संभावना है। कई दिनों से थोक मंडी में सब्जियों की आवक तेज हो गई है।उत्पादन अच्छा होने से थोक मंडी में कई सब्जियां आधे दाम में बिक रहीं हैं। इनमें बन्द गोभी, कद्दू, टमाटर, गोभी हरे पत्ते वाली सब्जियां शामिल हैं। मंडी में शहर के आसपास के गांवों से भी सब्जियां आ रहीं हैं। सहालग चलने के बावजूद सब्जियों के दाम कम हो गए हैं। लोकल समेत अन्य मंडियों का माल बहुत मात्रा में पहुंचना शुरू हो गया है। इसी का नतीजा है कि अब लगातार सब्जियों के भाव में गिरावट आती जा रही है। आइए जानते हैं रविवार 21 मई को क्या रहे सब्जियों के दाम। दुबग्गा फल एवं थोक सब्जी मंडी के आढ़ती शाहनवाज हुसैन बताते हैं कि अब भाव लंबे समय तक सामान्य रहेंगे। अन्य मंडियों का भी माल धड़ाधड़ गिरने लगा है। लोकल हरी सब्जियों का बाजार खुल चुका है। इसी माह के अंत तक देशी टमाटर समेत अन्य सब्जियां बाहर आ जाएंगी। इससे रेट गिरना तय है। आगामी दिनों में भाव और कम होंगे। अब भाव लगातार घटने के साथ ही स्थिर रहेंगे। इसके अलावा अदरक 100 रु किलो, कटहल 15 रु किलो, करेला 30 रुपये किलो, पालक 8 रुपये किलो, खीरा 5 रुपये किलो, भिंडी 20 रुपये किलो, गाजर 8 रुपये किलो, शिमला मिर्च 12 रुपये किलो, आलू 14 रुपये किलो, गोभी 06 रुपये पर पीस, टमाटर 15 रुपये किलो, मिर्ची 30 रुपये किलो, प्याज 13 रुपये किलो, लहसुन 90 रुपये किलो, बैंगन (भांटा) 8 रुपये किलो, पत्तागोभी 7 रुपये किलो, सेम 30 रुपये किलो, कद्दू 7 रुपये किलो, लौकी 12 रुपये किलो, परवल 50 रुपये किलो और नींबू 80 रुपये किलो, तरोई 15 रुपये किलो बिक रहा है।

पल्लवी पटेल का योगी सरकार को अल्टीमेटम, दिया 48 घंटे का समय

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव खत्म होने के बाद एक बार फिर से सियासी बयानबाजी तेज हो रही है। अब अपना दल कमेरावादी की नेता और समाजवादी पार्टी से विधायक पल्लवी पटेल ने बीजेपी सरकार को अल्टीमेटम दिया है। सपा विधायक वाराणसी में किसानों के मुद्दों को लेकर सरकार पर भड़की हुई हैं। ये मामला ट्रांसपोर्ट नगर योजना में जमीन अधिग्रहण का है। पल्लवी पटेल ने कहा, आज वाराणसी में गुजराती गिरोह है और इस गिरोह का

जो एजेंट है वहां का कमिश्नर बना बैठा है, वो वहां से किसानों को घर से निकाल-निकाल कर मार रहा है। महिलाओं का सर फोड़ रहा है और उनके घरों को तोड़ा जा रहा है। साथ ही किसानों की जमीन को हड़पने की कोशिश हो रही है। मैं यहां से प्रदेश सरकार और प्रदेश सरकार के मुखिया को बताना चाहती हूं।

याद दिलाया कर्नाटक का हाल

सपा विधायक ने आगे कहा, किसी भी परिस्थिति में आप लोगों के सम्मान और स्वाभिमान से खिलवाड़ नहीं कर सकते हैं। आपको इस प्रदेश की जनता के साथ खड़ा रहना है। जो सदन में सरकार बने बैठे हैं वो ये नहीं भूलें कि देश के ही इन 25 करोड़ लोगों ने उन्हें सरकार बनाया है। उनके हक और अधिकारों के साथ उनके सुरक्षा की गारंटी आपको देनी होगी। हालही में आपने कर्नाटक का हाल देखा है। उन्होंने कहा, वाराणसी के स्थानीय लोगों को मारा गया है। उनको अपमानित किया गया है और जेलों में ठूंसा गया है। मैं यहां सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम देती हूं। अगर बिना शर्त और ससम्मान जिन किसानों को जेल में भेजा गया है, अगर उनको नहीं छोड़ा गया तो केवल वाराणसी के नहीं पूरे पूर्वांचल के किसान और कमेरा समाज सड़कों पर उतरेगा। इस दौरान उन्होंने विधानसभा भवन के बाहर प्रदर्शन भी किया।

पुलिस हिरासत में मौत का मामला

चौकी प्रभारी समेत छह के खिलाफ एफआईआर, 3 सस्पेंड

गोंडा, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में जमीन घोटाले से जुड़े आरोपी एक अधिवक्ता की छह दिन पहले पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में एक चौकी प्रभारी समेत छह अज्ञात पुलिस कर्मियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, मामले में पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में घटना के दिन ही आरोपी उप निरीक्षक और दो सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। गौरतलब है कि घटना से आक्रोशित अधिवक्ता पिछले चार दिनों से दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग को लेकर न्यायिक कार्य छोड़कर आंदोलन चला रहे हैं।

2000 रुपये के नोट चलन से बाहर होने पर

मायावती की पहली प्रतिक्रिया, नरम दिखा रुख, सरकार को दी सलाह

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। आरबीआई द्वारा 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा किये जाने पर विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बाद अब बसपा सुप्रीमो मायावती की प्रतिक्रिया आई है। मायावती ने रविवार की सुबह इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, करेन्सी व उसकी विश्व बाजार में कीमत का सम्बंध देश का हित व प्रतिष्ठा से जुड़ा होने के कारण इसमें जल्दी-जल्दी बदलाव करना जनहित को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इसीलिए ऐसा करने से पहले इसके प्रभाव व परिणाम पर समुचित अध्ययन जरूरी। सरकार इस पर जरूर ध्यान दे। जबकि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक ट्वीट

में कहा, ''कुछ लोगों को अपनी गलती देर से समझ आती है... 2000 रुपये के नोट के मामले में भी ऐसा ही हुआ है। लेकिन इसकी सज़ा इस देश की जनता और अर्थव्यवस्था ने भुगती है।" इसी ट्वीट में यादव ने कहा है, "शासन मनमानी से नहीं, समझदारी और ईमानदारी से चलता है।"

आरबीआई की घोषणा

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोट को सितंबर, 2023 के बाद चलन से बाहर करने की शुक्रवार को घोषणा की। इस मूल्य के नोट को बैंकों में 23 मई से बदला जा सकेगा। आरबीआई ने शुक्रवार की शाम को जारी एक बयान में कहा कि अभी चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने बैंकों को 30 सितंबर तक ये नोट जमा करने और बदलने की सुविधा देने को कहा है। बैंकों में 23 मई से 2,000 रुपये के नोट बदले जा सकेंगे। हालांकि एक बार में सिर्फ 20,000 रुपये मूल्य के नोट ही बदले जाएंगे। केन्द्रीय बैंक ने लोगों से बैंक जाकर 2,000 रुपये के नोट अपने खातों में जमा करने या दूसरे मूल्य के नोट से बदलने को कहा है। लोग किसी भी बैंक शाखा में जाकर 23 मई से 30 सितंबर तक इन नोट को बदल सकते हैं।

मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश रोहताश गुर्जर गिरफ्तार

24 से अधिक मामलों में था वांछित, सर्च अभियान जारी

मथुरा, 21 मई (एजेंसियां)। जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जैत क्षेत्र इलाके में रविवार की तड़के पुलिस ने मुठभेड़ में एक लाख के इनामी बदमाश रोहताश गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोहताश लूट, चोरी और हत्या की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। 2021 में पुलिस पर फायरिंग करते हुए रोहताश फरार हो गया था। इसके बाद से पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि रविवार की तड़के पुलिस को जैत थाना क्षेत्र में राल नगला नेता रोड पर बदमाश रोहताश के होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए सर्च अभियान शुरू किया। इस दौरान पुलिस को रोहताश गुर्जर बाइक से आता हुआ दिखा। पुलिस को देखते ही उसने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें पुलिस की गोली लगने से रोहताश घायल हो गया। उसके पैर में गोली लगी। पुलिस ने रोहताश को गिरफ्तार कर लिया और इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर अन्य बदमाश होने की सूचना पर सर्च अभियान जारी है।

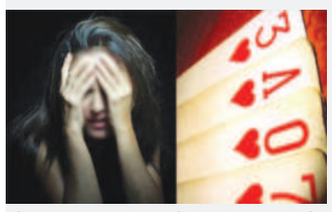

जुए में पत्नी हार गया पति, महिला बोली- वो मेरे साथ

मेरठ, 21 मई (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पुलिस थाने पहुंची महिला ने आरोप लगाते हुआ कहा कि जुआ खेलने के दौरान पति ने उसे दांव पर लगा दिया और फिर दांव हार गया। फिर वह मुझसे उसके दोस्त के घर जाने का दबाव बनाने लगा।पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। दरअसल, मामला मेरठ के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र पूर्वा अहमदनगर का है। इलाके की रहने वाली एक महिला लिसाड़ी थाना पहुंची थी। उसने पुलिस को बताया कि 12 साल पहले उसकी शादी अहमदनगर में हुई थी। उसका पति शराबी है। महिला ने आगे कहा कि घर आकर पति ने अपने दोस्त के साथ जाने का कहा। पूछने पर कहने लगा कि जुआ खेलने के दौरान उसने मुझे दांव पर लगाया था। मगर, वह दांव हार गया। इसलिए तुम मेरे दोस्त के साथ जाओ। महिला ने पुलिस को आगे बताया कि पति की बात सुनकर वह हैरान रह गई। महिला के मुताबिक पति जबरदस्ती मुझे अपने दोस्त के साथ भेजना चाहता था। मुझे कुछ समझ नहीं आया तो मैं घर से भाग गई थी। मेरी मदद कीजिए। वहीं, इस मामले पर लसेड़ी थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल किसी तरह का केस दर्ज नहीं किया गया है। महिला का यह भी कहना है कि पति उसके साथ मारपीट करता है। मायके की जायदाद उसके नाम कराने की जिद करता है। मुझे नहीं मालूम की वह किस व्यक्ति के साथ मुझे भेजना चाहता था। मैंने तो पहली बार उसे देखा था। पति धमकी देता है कि साथ रहना है तो रहो नहीं तो कहीं भी चली जा मुझे कोई मतलब नहीं है।

हथियार से वारकर युवक की हत्या प्रॉपर्टी डीलर के आफिस में मिला शव

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। काकोरी में अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से वारकर युवक की हत्या कर दी। हत्यारों ने युवक के पेट व चेहरे पर भी वार किए। वारदात के बाद बदमाशों ने खून से लथपथ शव को गांव के बाहर एक प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में बंद कर दिया। इसके बाद बाहर से ताला लगाकर फरार हो गए। शाम को घटना की जानकारी हो पाई। मौके से एक बाइक और मोबाइल मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांधी मैदान ब्लास्ट का आरोपी दरभंगा से गिरफ्तार

पीएम नरेंद्र मोदी की जनसभा में हुआ था धमाका

दरभंगा, 21 मई (एजेंसियां)। पटना के गांधी मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में हुए बम ब्लास्ट केस में एसटीएफ ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ की टीम ने दरभंगा के अशोक पेपर मिल थाना क्षेत्र के सिंधौली गांव से शनिवार देर रात छापेमारी की। केस के आरोपी मेहरे आलम को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। हालांकि, इससे पहले एनआईए ने मेहरे आलम को गिरफ्तार कर अपने साथ मुजफ्फरपुर ले गई थी लेकिन उस समय वह चकमा देकर फरार हो गया थी। इसके बाद एनआईए ने मेहरे आलम के खिलाफ के मुजफ्फरपुर के नगर थाना में 30 अक्टूबर, 2013 को कांड संख्या 612/13 दर्ज किया गया था। तब से वह फरार चल रहा था। दरअसल, 27 अक्टूबर, 2013 को गांधी मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा सहित पटना जंक्शन पर बम ब्लास्ट हुआ था। जिसमे छह लोगों की मौत हुई थी और लगभग 82 लोग घायल हो गए थे। जिसमे राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मेहरे आलम को बम ब्लास्ट कांड में आरोपी बनाया था। इस मामले में एनआईए की टीम ने पूर्व में मेहरे आलम को बतौर गवाह बनाकर अपने साथ ले गई थी। मेहरे आलम की निशानदेही पर 29 अक्टूबर, 2013 को मुजफ्फरपुर के मीरपुर में छापेमारी की गई थी। कोई सफलता नहीं मिलने पर पूरी टीम मेहरे को लेकर मुजफ्फरपुर लौट गई, जहां सिद्धार्थ लॉज में पूरी टीम मेहरे को लेकर ठहरी थी। इसी बीच मेहरे अचानक सभी को चकमा देकर निकल गया। सुबह में खोजबीन करने के बाद एनआईए की टीम को टीम को किसी प्रकार की सफलता नहीं मिली तो 30 अक्टूबर, 2013 को मुजफ्फरपुर जिला के नगर थाना में मेहरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। सूत्रों की माने तो मेहरे आलम गांधी मैदान और पटना जंक्शन पर हुए बम ब्लास्ट के आरोपी मोनू के करीबी है।

सांसद बृजभूषण सिंह का पहलवानों पर हमला

बोले- कोई झूठ बोलने पर उतारू हो जाए तो जिंदगी बर्बाद कर सकता है

गोंडा, 21 मई (एजेंसियां)। जिले के कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह गोंडा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने धरना दे रहे पहलवानों पर फिर से हमला बोला। कहा कि अगर कोई झूठ बोलने पर उतारू हो जाए तो किसी की जिंदगी को बर्बाद कर सकता है, मेरे इशारा समझो। सांसद ने 5 जून को अयोध्या चलने का आह्नान किया। सांसद लगातार अपने लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे हैं।शनिवार को भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने एक

कार्यक्रम में कहा कि 'एक आकड़े में सामने आया है कि यौन शोषण के आरोप के चलते प्रति घंटे 200 नौजवान आत्महत्या करते हैं। यौन शोषण के कानून में बदलाव की जरूरत है।' उन्होंने धरना दे रहे पहलवानों पर निशाना साधते हुए कहा, 'अगर कोई जिद कर ले कि मैं झूठ बोलने पर उतारू हो जाऊं तो उसकी जिंदगी को बर्बाद कर सकता है, मेरे भाइयों मेरा इशारा समझो।' सांसद बृजभूषण सिंह ने आगे कहा कि यौन शोषण कानून में बदलाव की जरूरत है। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में होने वाले जनचेतना महारैली को लेकर लोगों से जन समर्थन मांगा। कहा कि '5 जून को अयोध्या के राम कथा पार्क में पूरे देश के संत होंगे। हम सब लोगों ने मिलकर यह तय किया है, संतों के आह्नान पर वहां कम से कम 11 लाख लोग इकट्ठा होंगे। संत उस दिन बोलेंगे और पूरा देश सुनेगा। संत जो भी बोलेंगे आपके लिए, आपके कल्याण के लिए और आपके भविष्य के लिए ही बोलेंगे। हमारी आवाज को कोई नकार सकता है, लेकिन देश के संतों की आवाज कोई दबा नहीं सकता है।'राजनीति से संन्यास लेने की बात का जिक्र करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा 'मैं 2014 में ही राजनीति से संन्यास लेना चाहता था। 2014 लोकसभा चुनाव के दौरान बहराइच में अमित शाह से मिलकर उन्हें ये बात बताई भी थी, लेकिन उन्होंने मुझे संन्यास नहीं लेने दिया था। उन्होंने कहा कि आप चुनाव लड़िए'।

शर्मनाक! नोएडा में कुत्ते के साथ हैवानियत, दरिंदे ने बनाया हवस का शिकार

नोएडा, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में स्थित नोएडा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शनिवार की रात एक शख्स ने आवारा फीमेल डॉग के साथ कथित तौर पर यौन शोषण किया है। जिस समय आरोपी इस घिनौनी वारदात को अंजाम दे रहा है तभी वहां मौजूद एक अन्य शख्स ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने कैमरे में कैद कर लिया। जिस के बाद इस मामले को लेकर भारी हंगामा हुआ। ये मामला नोएडा के सेक्टर 12 इलाके का है। वहीं घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पेट लवर और एनिमल राइट्स एक्टिविस्टों ने अपराधी की फौरन गिरफ्तारी की मांग की है। पशु अधिकार कार्यकर्ता कावेरी राणा भारद्वाज ने मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

भारी मात्रा में मादक सिरप के साथ एसटीएफ ने पांच लोगों को दबोचा, दो ट्रक और बुलेट भी बरामद

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने भारी मात्रा में मादक सिरप फैंसीडिल के साथ पांच तस्करों को धर दबोचा है। इसके साथ ही एक 10 चक्का ट्रक, एक छह चक्का ट्रक एक रॉयल इनफील्ड मोटरसाइकिल और 85 हजार रुपये नगदी भी बरामद किया गया। एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने रविवार दोपहर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देर रात बारानगर थाना क्षेत्र के प्रगति मैदान के सामने पुख्ता सूचना के आधार पर दोनों ट्रकों और बुलेट पर सवार लोगों को रोका गया। तलाशी लेने पर उसमें से छह हजार फैंसीडिल बरामद हुए। इसमें से 10 चक्का ट्रक उत्तर प्रदेश नंबर का है जबकि छह चक्का ट्रक पश्चिम बंगाल के पते पर पंजीकृत है। एक बुलेट जो बरामद की गई है वह भी पश्चिम बंगाल की है। जिन पांच लोगों को पकड़ा गया है

दिल्ली के अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग पर विवाद के बीच अजय माकन ने किया पूर्व सीएम शीला दीक्षित की कार्यशैली को याद

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार किसके पास होगा इसको लेकर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार आमने-सामने हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार राज्य सरकार को दिया था। केंद्र सरकार ने इसे एक अध्यादेश के जरिए पलट दिया है। इस विवाद के बीच कांग्रेस नेता अजय माकन ने ट्वीट कर दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित की कार्यशैली को याद किया है। अजय माकन ने ट्वीट किया, साल 2000 के शुरुआती दिनों में दिल्ली में ऐतिहासिक बदलाव चल रहा था। मैं ट्रांसपोर्ट, पावर और पर्यटन मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में काम कर रहा था। हम सीएनजी से पब्लिक ट्रांसपोर्ट चलाने, मेट्रो शुरू करने और बिजली विभाग में सुधार करने जैसी कई पहलों की अगुवाई कर रहे थे। अजय माकन ने बताया, एक दिन सुबह मुझे बेचैन कर देने वाली खबर मिली। मुझे पता चला कि मेरे परिवहन आयुक्त सिंधुश्री खुल्लर का ट्रांसफर किया गया है। उनके ट्रांसफर से पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सीएनजी पर ले जाने में बाधा आ सकती थी। मैं सोच रहा था कि क्या होगा यदि नया अधिकारी डीजल लॉबिस्ट हो।? मैंने शीला जी से बात की। कहा मैडम आपने मेरे परिवहन आयुक्त को बदल दिया है। मैंने न्यूजपेपर में पढ़ा है। इससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सीएनजी पर ले जाने की हमारी परियोजना को खतरा हो सकता है। सीएम ने कहा कि तुम्हें किसने बताया? अफवाहों के आधार पर परेशान क्यों होते हो? कांग्रेस नेता ने कहा, लेकिन जल्द ही अफवाहें सच्चाई में बदल गईं। इसके बाद सीएम ने कहा कि तुम सही थे। मुझे पहले इसके बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। हम इसे चुनौती देंगे। एलजी ऐसा फैसला कैसे ले सकते हैं? हमने दिल्ली के उपराज्यपाल से मिलने का फैसला किया। हमने अपील की, लेकिन एलजी अपना फैसला बदलने को तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा कि मेरे पास आदेश आए हैं। मैं इसे उलट नहीं सकता। माकन ने कहा, शीला जी ने केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाया। उसने हस्तक्षेप की मांग की। दुर्भाग्य से शाम तक फैसला नहीं बदला। मैंने राजनीतिक रूप से संचालित इस बाधा को उजागर करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का प्रस्ताव रखा। लांकि, शीला जी की एक अलग रणनीति थी। उन्होंने कहा, नहीं, नहीं, किसी को हमारी विफलता के बारे में नहीं बताओ। अधिकारियों को यह पता नहीं चलना चाहिए कि हमने कोशिश की और सफल नहीं हुए। अगर उन्हें यह पता चल गया तो वे हमें गंभीरता से सुनना बंद कर देंगे। सीएम ने कहा कि नए अधिकारी को बुलाओ। उन्हें बताओ कि सीएम उनकी नियुक्ति से खुश हैं। उन्हें बताओ की सीएनजी बदलाव क्यों जरूरी है। उसे चाय- पकौड़े पर बुलाओ। ये अधिकारी किसी के साथ नहीं हैं। उनसे चतुराई से निपटो। सीएम की सलाह पर मैंने अपनी शंकाओं के बावजूद नए अधिकारी के साथ चाय-पकौड़े शेयर किया। उनसे कहा कि सुप्रीम कोर्ट वायु प्रदूषण को कम करने के हमारे प्रयासों की कड़ी निगरानी कर रहा है। हमारे लिए दिल्ली में सीएनजी लागू करना जरूरी है। नए अधिकारी ने स्थिति की गंभीरता को समझा। हम विभिन्न लॉबियों के खिलाफ एकजुट हुए। सुप्रीम कोर्ट और यहां तक कि अमेरिकी सरकार से भी प्रशंसा मिली। मैं गर्व के साथ कहता हूं कि हम अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को पूरी तरह से सीएनजी में बदलने वाला दुनिया का पहला शहर बन गए।

आरसीपी सिंह बोले- 'हमसे लड़ने की औकात नहीं, मेरी बेटी जवाब देगी, सीएम नीतीश की शराब बंदी को बताया 'फेल'

पटना, 21 मई (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने बिहार में शराबबंदी को फेल बताते हुए बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है साथ ही आरसीपी सिंह ने जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह पर भी निशाना साधा है। जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह के टैक्स के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा "हमसे लड़ने की उनकी औकात नहीं है। मेरी बेटी से निपटियेगा, उन्हें मेरी बेटी बता देगी।" पूर्व मंत्री आरसीपी सिंह की बेटी लिपि सिंह बिहार कैडर में चर्चित आईपीएस ऑफिसर हैं। आरसीपी सिंह हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए हैं। वे शनिवार को बिहार बीजेपी के प्रदेश कार्य समिति की बैठक में शामिल होने के लिए पटना पहुंचे थे। बैठक के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने शराबबंदी को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा।

नीतीश कुमार पर बरसे आरसीपी सिंह

आरसीपी सिंह ने बिहार में शराबबंदी के नीतीश सरकार के फैसले पर कहा कि कुछ नहीं हो रहा है सब जगह शराब मिल रहा है। सरकार का लक्ष्य ये होना चाहिए कि शराब को लेकर लोगों को जागरुक करें। शराबदंदी को लेकर अभियान चलाना चाहिए था ताकि लोगों में जागृति आये की शराब नहीं पीना चाहिए। जो जमीनी सच्चाई है उसको नीतीश कुमार समझ नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जिद में पूरा काम कर रहे हैं इससे बिहार का पूरा नुकसान हो रहा है। बिहार में शराब से कितने लोगों की मौत हुई कितने लोग जेल में बंद हैं वे गरीब लोग हैं। उन्होंने कहा कि शराब बंदी पूरी तरह से फेल है।

न्याय के लिए उत्तराखंड सीएम के दर पहुंची पूर्व पीएम वीपी सिंह की पोती

ससुराल वालों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की पोती अद्रीजा सिंह और उनके पति अरकेश नारायण सिंह देव के बीच विवाद का मामला उत्तराखंड के सीएम तक पहुंच गया है। अद्रीजा सिंह ने कुछ दिन पहले अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उत्तराखंड पुलिस से शिकायत की थी। रिपोर्ट के मुताबिक अब अद्रीजा सिंह ने इस मामले में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की है। सूत्रों के मुताबिक मुलाकात के बाद सीएम धामी ने देहरादून के एसएसपी को अद्रीजा को सुरक्षा देने और मामले की तेजी से जांच करने को कहा है। अद्रीजा की शादी ओडिशा के पूर्व सीएम आरएन सिंह के पोते अरकेश नारायण सिंह से 2017 में हुई थी। अरकेश के पिता अनंगदेव सिंह ओडिशा के बालागोर से सांसद रहे हैं। अरकेश और अद्रीजा पिछले कुछ समय से देहरादून में स्थित अपने एक मकान में रह रहे हैं। हाल ही में अद्रीजा ने देहरादून पुलिस के पास अपने पति अरकेश और ससुराल वालों के खिलाफ घरेलू हिंसा और दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में अद्रीजा ने यह भी कहा है कि 13 मई को उनके साथ मारपीट की गई। एसएसपी देहरादून दिलीप सिंह कुंवर ने बताया कि पुलिस ने अद्रीजा के पति समेत उनके ससुराल के 5 लोगों के खिलाफ घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। सीओ राजपुर इस मामले की जांच कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर अद्रीजा ने उत्तराखंड के डीजीपी से मुलाकात की थी जिसके बाद मामले को अब देहरादून के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) को ट्रांसफर कर दिया गया है।

पुलिस ने कलावा पहनने पर छात्रों को निलंबित होने के आदेश से किया इनकार

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस और वनस्थली पब्लिक स्कूल, मयूर विहार फेज 3 ने कथित तौर पर कलावा (हिंदू पवित्र धागा) पहनने के लिए कुछ छात्रों को निलंबित किए जाने की घटना से इनकार किया है। इस बात का दावा करने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई लोगों द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो के बाद पुलिस हरकत में आई। घटना की सत्यता जांचने के लिए एक टीम गठित की गई है। दिल्ली पुलिस ने बाद में कहा कि उन्होंने मामले की जांच की लेकिन स्कूल के खिलाफ कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं आया। वनस्थली पब्लिक स्कूल ने भी इस घटना से इनकार करते हुए कहा कि स्कूल प्रशासन को अभिभावकों से इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। स्कूल प्रशासन द्वारा जारी पत्र में कहा गया है, हमने किसी भी छात्र को निलंबित नहीं किया है। यह खबर झूठी है। पुलिस ने कहा कि अगर कोई उनके पास आएगा तो वह इस मामले में पूछताछ करेगी।

डीए की मांग कर रहे कर्मचारियों को ममता सरकार का फरमान, ऑफिस टाइम में कोई सभा-मीटिंग नहीं

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सरकारी कर्मचारियों के डीए की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के मद्देनजर ममता बनर्जी सरकार ने फरमान जारी किया है। सरकारी दफ्तरों में टिफिन टाइम में भी कोई सभा-जुलूस नहीं निकाला जा सकता है। कर्मचारी समय से कार्यालय आएं, निर्धारित समय पर ही निकलें। राज्य सरकार ने सरकारी दफ्तरों में काम और टिफिन के समय की समय सीमा तय कर दी है। राज्य सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि टिफिन का समय दोपहर 1.30 से 2.00 बजे के बीच होगा। इस दौरान कोई मीटिंग या सभा नहीं हो सकती है। अगर कोई आधा ऑफिस छोड़ता है तो उसे एब्सेंट माना जाएगा। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा कार्य के घंटों के दौरान किसी भी अतिरिक्त गड़बड़ी से बचने के लिए कार्यालय प्रमुख की अनुमति के बिना किसी को भी कार्यालय से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दोपहर 1.30 बजे से 2 बजे तक केवल टिफिन का समय और कोई काम का समय नहीं है। इन नियमों के अनुपालन की कड़ी निगरानी की जायेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति को कार्यालय से अनुपस्थित माना जायेगा। 22 मई को सरकारी कर्मचारियों के एक वर्ग का पेन डाउन कार्यक्रम है। सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच मुश्किल हो सकती है। इसलिए सूचित किया गया है कि जो भी कर्मचारी काम नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बयान में कहा गया है कि उस दिन कोई भी कर्मचारी सीएल नहीं ले सकता है। परिवार में किसी के बीमार होने पर केवल वही लोग छुट्टी ले सकते हैं जो गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं।

ममता सरकार ने कर्मचारियों के लिए जारी किया फरमान

इसके अलावा मैटरनिटी लीव, अगर किसी ने 19 मई से पहले छुट्टी ली है तो उसे यह छुट्टी मिलेगी, लेकिन कर्मचारी टिफिन ब्रेक पर ऑफिस से बाहर नहीं जा सकेंगे। कहा जाता है कि यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कार्यकर्ता किसी झूठी परेशानी में न पड़ें।

नबान्न ने मूल रूप से सरकारी कर्मचारियों को अनुशासित रहने की सलाह दी है। राज्य के वित्त विभाग की ओर से इस तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार का दावा है कि इस नियम से सरकारी दफ्तरों में काम करने में दिक्कत नहीं होगी। ज्ञात हो कि सरकारी कर्मचारी संगठनों और मंचों द्वारा डीए बकाया की मांग को लेकर पेन डाउन कार्यक्रम की घोषणा की गई है। नतीजतन, राजनीतिक हलकों के एक वर्ग को लगता है कि नबान्न ने सोमवार को सरकारी कर्मचारियों को कार्यालय आने के लिए मजबूर करने के लिए एक मजबूत संदेश दिया है।

2000 के नोट पर 'खेल' कर सकती है डीएमके सरकार बीजेपी नेता का आरोप

चेन्नई, 21 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख के। अन्नामलाई ने एक बार फिर सत्तारूढ़ डीएमके पर निशाना साधा है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से तमिलनाडु में 2000 रुपए के नोटों के लेन-देन को ट्रैक करने की अपील की है। उनका आरोप है कि डीएमके गलत तरीके से कमाए गए 2 हजार रुपए के नोटों को बदलने के लिए मशीनरी का इस्तेमाल कर सकती है ऐसे में वित्त मंत्री लेन-देन की पूरी प्रक्रिया को ट्रैक करे। के। अन्नामलाई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उनसे 2000 रुपये के नोटों की वृद्धि को ट्रैक करने के लिए कहा गया है। खास कर सहकारी बैंकों/ समितियों और टीएएसएमएसी के लेनदेन को ट्रैक करने के लिए कहा गया है। तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख ने ट्विटर पर ये लेटर शेयर किया है। उन्होंने कहा कि तमिलना बीजेपी और राज्यट की जनता की तरफ से वित्त मंत्री से अपील करते हैं कि वह तमिलनाडु से आने वाले 2000 रुपये के नोटों की वृद्धि को ट्रैक करने के लिए वित्त मंत्रालय को आदेश दें।

अपनी रक्षा के लिए कानूनों तक पहुंचने में महिलाएं असमर्थ : न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने दावा किया कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए देश में कई कानूनों को लागू किए जाने के बावजूद वे अक्सर उन कानूनों का लाभ उठाने में असमर्थ होती हैं। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय समाज सुधारक राजा राम मोहन राय पर एक संगोष्ठी में बोल रहे थे, जिनकी 251वीं जयंती सोमवार को मनाई जाएगी। हाल ही में पश्चिम बंगाल में स्कूल भर्ती मामले में अपने फैसले के कारण सुर्खियों में आए जस्टिस गंगोपाध्याय ने अपने तर्क को साबित करने के लिए मातृत्व अवकाश से संबंधित कानून का हवाला दिया। जस्टिस गंगोपाध्याय ने कहा, इस संबंध में एक विशिष्ट कानून है। लेकिन कई मामलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से आने वाली महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिल पाता है। इसका कारण गरीबी और जागरूकता की कमी है। यह भेदभाव आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के बीच जारी है। इस मामले पर उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 1950 में मैटरनिटी लीव पर चर्चा शुरू होने के बाद से इसे लागू करने में 11 साल तक का समय लग गया। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम, 2005 और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, को देर से पेश करने का भी उल्लेख किया। व्यक्तिगत मामलों पर किसी महिला पर मौखिक दुर्व्यवहार या हमला करना भी उत्पीड़न के बराबर है। ऐसी चीजों का सामना करने वाली एक महिला को संबंधित कानून प्रवर्तन अधिकारियों से संपर्क करने का अधिकार है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे देश में कई लोग महिलाओं की गरिमा की अवधारणा से अवगत नहीं हैं। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न के संबंध में कानून यूरोप और अमेरिका में कहीं अधिक है पीओएसएच अधिनियम के संबंध में, उनका विचार यह था कि कार्यालयों में महिला अधीनस्थ अक्सर यौन उत्पीड़न के मामलों की रिपोर्ट करने में संकोच करती हैं, ऐसी घटनाएं भी होती हैं कि कुछ महिलाएं उस अधिनियम के प्रावधानों का दुरुपयोग करती हैं।

बंगाल में थिएटर मालिकों को मिल रही धमकी, भाजपा नेता ने ट्वीट कर कही ये बात

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय का दावा है कि पश्चिम बंगाल में जिन थिएटरों में फिल्म 'द केरला स्टोर' दिखाई जा रही है उनके मालिकों को स्थानीय प्रशासन द्वारा धमकी दी जा रही है। उन्होंने दावा किया है कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से पश्चिम बंगाल में फिल्म पर लगे बैन को हटा लिया गया है। बावजूद थिएटर मालिकों को फिल्म दिखाने पर प्रशासन धमकी दे रहा है। स्क्रीनिंग करने पर उन्हें दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दी जा रही है और राज्य सरकार पश्चिम बंगाल में अपनी मनमानी चला रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में फिल्म पर लगे प्रतिबंध को बीते दिनों हटा लिया था। बावजूद इसके डिस्ट्रीब्यूटर्स बंगाल में तमाम कोशिशों के बाद भी फिल्म की थिएटर मालिक फिल्म की स्क्रीनिंग करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। बता दें कि 8 मई को ममता बनर्जी ने शांति बनाए रखने की अपील की और फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। सरकार का इस फिल्म को लेकर कहना था कि अगर इसे प्रदर्शित किया गया तो राज्य में सांप्रदायिक गड़बड़ी हो सकती है। उन्होंने फिल्म 'द केरल स्टोरी'को एक विकृत और दक्षिण के राज्यों को बदनाम करने वाला बताया। फिल्म 'द केरल स्टोरी' लगे प्रतिबंध को सुप्रीम कोर्ट ने हटा दिया है। इस फिल्म को कोर्ट ने एक काल्पनिक संस्करण बताया और कहा कि इस्लाम में परिवर्तित होने वाली महिलाओं की संख्या के दावों का कोई प्रमाणिक डेटा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा फिल्म पर से पश्चिम बंगाल में लगे प्रतिबंध को हटाने के बाद भी कोई भी थिएटर मालिक फिल्म की स्क्रीनिंग करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

इस मामले पर अमित मालवीय का कहना है कि ममता बनर्जी द्वारा बैन लगाए जाने से पहले राज्य में फिल्म के लिए सभी थिएटर फुल थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन द्वारा सिनेमा हॉल मालिकों को धमकी दी जा रही है। साथ ही उन्हें बिल्डिंग, फायर लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी जा रही है।

कुएं में सफाई करने के लिए उतरे थे, जहरीली गैस से तीन लोगों की मौत मौत

हिसार, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में कुएं के अंदर गैस चढ़ने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि चौथा व्यक्ति समय रहते बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई। स्याडवा में कुएं की सफाई करने के दौरान यह हादसा हुआ। सूचना पाकर प्रशासनिक अधिकारी और अजार नगर थाना के एसएचओ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। मरने वालों के नाम सुरेश, जयपाल, नरेंद्र है, जबकि विक्रम को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच है। जानकारी के अनुसार, स्याडवा निवासी इंद्र के कुएं की सफाई के लिए जयपाल, नरेंद्र, सुरेश और विक्रम पहुंचे थे। सभी गांव के ही नहीं वाले हैं। सबसे पहले कुएं में जयपाल उतरा। जब वह ऊपर नहीं आया तो उसे देखने के लिए नरेंद्र भी उतर गया। दोनों के ऊपर न आने पर सुरेश और विक्रम भी उन्हें देखने के लिए अंदर चले गए। सीढ़ियों से उतरे ही विक्रम की तबीयत खराब होने लगी, समय रहते वह तुरंत बाहर आ गया। जिसके बाद विक्रम ने गांव में शोर मचाया तो मौके पर काफी ग्रामीण पहुंच गए। रस्सी की मदद से 2 लोगों को कुएं से बाहर निकाल लिया, जबकि पानी की वजह से तीसरे को निकालने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। बाद में सूचना पाकर पहुंची प्रशासनिक टीम ने उसे बाहर निकाला। तीनों की मौत हो चुकी थी। बाद में उनके शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। तीनों मृतक विवाहित थे और उनके छोटे बच्चे हैं।

बीजेपी नेता ने कैंसिल की बेटी की शादी

कार्ड में मुस्लिम युवक का नाम देख मच गया था बवाल

देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के एक बीजेपी नेता ने हिंदूवादी संगठनों के दबाव के बाद एक मुस्लिम युवक से अपनी बेटी की शादी रद्द कर दी है। उनकी बेटी की शादी 7 दिन बाद यानी 28 मई को होनी थी। पौड़ी नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम बेटी की खुशी के लिए मुस्लिम लड़के के साथ उसकी शादी कराने के लिए राजी हो गए थे, लेकिन जैसे ही शादी के कार्ड में लोगों ने नाम पढ़ा तो सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मच गया।

'पुलिस के साये में शादी करवाना ठीक नहीं'

बीजेपी नेता यशपाल बेनाम का कहना है कि जैसा माहौल बनाया गया है, उसे देखते हुए दोनों परिवारों ने साथ बैठकर यह फैसला लिया है कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्हें पुलिस के साये में शादी करवाना शोभा नहीं देता। माहौल अनुकूल नहीं होने और जनता का ध्यान रखते हुए दोनों परिवारों ने तय किया है कि आगामी 26, 27 और 28 को होने वाले विवाह कार्यक्रम न किए जाएं।

बीजेपी नेता की बेटी की शादी के कार्ड की एक तस्वीर पिछले दिनों सोशल मीडिया पर छाई रही। कार्ड की तस्वीर ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी। बीजेपी के समर्थकों और विरोधियों दोनों ने बेनाम की आलोचना की।

पत्रकारों से बात करते हुए यशपाल बेनाम ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी की खुशी के लिए उसकी शादी एक मुस्लिम लड़के से करने के बारे में सोचा था।

ढाई साल के बकरे की कीमत ढाई लाख रुपए तक लगी

पेट में बने एक खास अक्षर के चलते बटोर रहा है सुर्खियां

उमरिया, 21 मई (एजेंसियां)। अजब गजब मध्यप्रदेश में एक बार फिर एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक बकरा अपनी कीमत और शरीर पर बने एक अक्षर के चलते सुर्खियां बटोर रहा है। ढाई साल के बकरे की कीमत मालिक ने एक करोड़ रुपये रखी है, वहीं, खरीदार बकरे की बोली करीब 50 लाख रुपये तक की लगा चुके हैं। बकरे के पेट में एम लिखा है, जिसके चलते इस बकरे को काफी खास माना जा रहा है। मामला उमरिया जिले के नौरोजाबाद तहसील अंतर्गत विंध्या कालोनी का है। मोहम्मद फारुख का बकरा इन दिनों सुर्खियों में छाया हुआ है। बकरे के सुर्खियों में आने की वजह बकरे की कीमत है। बकरे के मालिक ने बकरे की कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी है, जबकि खरीदार इसे 50 लाख रुपये में खरीदना चाहते हैं। बकरे के गले में उर्दू भाषा में मोहम्मद लिखा है, तो पेट के नीचे अंग्रेजी का एम लिखा हुआ है जो कुदरती है। बकरे के मालिक का मानना है कि मोहम्मद नाम उनके धर्म में सबसे बड़ा है और बरकत को देने वाला है, साथ ही यह बकरा जहां भी जाएगा बरकत प्रदान करेगा। इसलिए मालिक ने बकरे की कीमत एक करोड़ रुपये रखी है। बकरे की कदकाठी और डील डौल भी आकर्षक है। ढाई साल के बकरे का वजन डेढ़ क्विंटल के आसपास है। इतना ही नहीं मालिक फारुख इसकी विशेष देखभाल करता है। बकरे को रोज नहलाने के साथ साथ तेल से मालिश की जाती है। वहीं, कमरे के भीतर चादर बिछाकर गर्दन में तकिया लगाकर इसे सुलाया जाता है।

बाबा के दर्शन करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

गर्भगृह में पूजा की, महाकाल लोक भी देखा

उज्जैन, 21 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल आज (रविवार) सपरिवार बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे, जहां उन्होंने गर्भगृह में बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया। बाबा की पूजा के बाद वह नंदी हॉल में बैठकर भगवान की भक्ति में लीन दिखे। उन्होंने ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करते हुए माला जपी और उसके बाद धर्मपत्नी सीमा गोयल के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए थे। जहां उन्होंने गर्भगृह से बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया, जिसके बाद मंदिर में स्थित अन्य देवस्थलों पर भी पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक पारस जैन और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद केंद्रीय

मंत्री पीयूष गोयल महाकाल लोक पहुंचे, जहां उन्होंने ई-कार्ट से महाकाल लोक का भ्रमण किया और इसकी खूबसूरती की तारीफ भी की। नंदी के कानों में अपनी मनोकामना भी कही। महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित आशीष गुरु ने जानकारी दी कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 22 मई- 2023

भारत की बडी कामयाबी

मुंबई हमले की साजिश रचने वालों में शामिल तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का है। उस पर आरोप हैं कि उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिल कर मुंबई हमले से संबंधित जानकारियां पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को पहुंचाई थीं। अब उसी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को लेकर अमेरिकी अदालत ने जो निर्णय दिया है वह भारत के लिए बडी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है। तहव्वुर को भारत लाकर पूछताछ की जाएगी तो कई अहम खुलासे होंगे, साथ ही उस हमले के अन्य दोषियों को भी सजा दिलाने में मदद मिलेगी। मुंबई हमले को करीब पंद्रह साल हो गए। उसमें एक सौ छियासठ लोग मारे गए थे और अनेक घायल हो गए थे। अब तक इस बात को लेकर अक्सर रोष व्यक्त किया जाता था कि मुंबई हमले के दोषियों को सजा नहीं मिल पाई है। देखा जाए तो उक्त हमले से जुड़े सारे तथ्य लगभग साफ हैं, लेकिन ढीठ पाकिस्तान सरकार अपने किए गए कुकर्मों को स्वीकार ही नहीं करती। वह कतई मानने को तैयार नहीं कि उसकी जमीन से इसकी साजिश को अंजाम नहीं दिया गया था। यहां तक कि भारत में फांसी की सजा पा चुके अजमल कसाब को भी उसने अपना नागरिक मानने से इंकार कर दिया था। खबरों के अनुसार मुंबई हमले से कुछ दिन पहले वह खुद भी आकर उन जगहों को देख गया था, जहां हमले हुए। इस मामले की पुख्ता जानकारी जब अमेरिका सरकार को उपलब्ध कराई गई, तो तहव्वुर को गिरफ्तार किया गया था, तब से करीब तीन साल से वह अमेरिकी जेल की सजा काट रहा है। बता दें कि मुंबई हमले से जुड़े तमाम तथ्य अब उजागर हैं और वे सारे दस्तावेज पाकिस्तान को सौंपे भी जा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अनेक मौकों पर इसका खुलासा किया जा चुका है, मगर तहव्वुर से पूछताछ के बाद इन बातों की और पुष्टि हो सकेगी कि किस तरह लश्कर और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देते रहे हैं। बताना जरूरी है कि तहव्वुर अमेरिकी अदालत में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर चुका है, इससे भारतीय अदालत में पूछताछ के बाद उसकी सजा तय करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। मुंबई हमला भारत पर हुए अब तक के सारे आतंकी हमलों में सबसे खौफनाक था। हमलावरों ने पाकिस्तान से मिल रहे निर्देशों के आधार पर बेखौफ घूम-घूम कर हमले किए थे। वह दहशत का मंजर जिन लोगों ने देखा था, वे उसके बारे में सोच कर अब भी सिहर उठते हैं। इसलिए उस जघन्यतम कृत्य की कठोर से कठोर सजा की मांग की जाती रही है। उस हमले से जुड़े हर शख्स को सजा की अपेक्षा की जाती है। इस तरह तहव्वुर के प्रत्यर्पण से स्वाभाविक ही पीड़ितों ने राहत की सांस ली होगी। अक्सर देखा गया है कि आतंकी साजिशों को अंजाम देने वाले दूसरे देशों की शरण में जा कर खुद को सुरक्षित महसूस करने लगते हैं। इसी तरह तहव्वुर भी लगभग निश्चिंत था कि कानून के हाथ कितने भी लंबे हों लेकिन उस तक नहीं पहुंचेंगे। उसे भरोसा थता कि पाकिस्तान सरकार खुद इस मामले में किसी तरह का सहयोग नहीं करेगा। इसी गुमान में वह अमेरिका में जा बसा था। मगर प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक अगर सरकारें संजीदगी से पहल करें, तो इस तरह के अपराधियों का कालर पकड कर अपने देश तक घसीट लाना मुश्किल काम नहीं। इसमें देर इसलिए लगी कि कई सरकारों, जांच एजेंसियों और अदालतों को अपने-अपने स्तर पर काम करना था। बहरहाल, देर से ही सही, तहव्वुर के प्रत्यर्पण से आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिबद्धता को बल मिला है। इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों को एक और संदेश जाएगा कि पाकिस्तान किस तरह अपनी जमीन से ऐसी खतरनाक साजिशों को अंजाम देता रहा है। इस तरह जो देश पाकिस्तान के प्रति नरम रुख रखते हैं, उन्हें भी इस पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

क्या पैसे वाले मनुष्यता में नहीं करते यकीन

आर.के. सिन्हा

श्रीमती सुधा नारायणमूर्ति की शख्सियत से कोई बिना प्रभावित हुये नहीं रह सकता। उन्होंने अपने पति एन. नारायणमूर्ति को अपनी कंपनी खोलने के लिए अपने प्रिय गहने तक बेच डाले थे। उन्होंने पति को पैसे देकर उन्हें प्रेरित किया कि वे अपने हिस्से के आकाश को छू लें। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सास सुधा मूर्ति जब कोई बात कहती हैं तो उसके पीछे उनके जीवन भर का अनुभव और दर्शन छिपा होता। उन्होंने कुछ दिन पहले एक टीवी के कार्यक्रम में उन लोगों को प्यार-प्यार में कसा जिनके लिए जीवन में पैसा ही सब कुछ होता है। इस तरह के लोग पैसे के आगे शेष सभी चीजों को गौण ही मानते हैं। ये उन स्त्रियों को भी दोयम दर्जे का ही मानते हैं जो साड़ी या सवार-कमीज पहनती हैं। सुधा जी ने इस बाबत अपने साथ घटी एक सच्ची घटना को भी सुनाया। दरअसल पैसा कमाने में कुछ भी गलत नहीं है। अब लोग पैसा कमा भी बहुत रहे हैं। भारत में ही तमाम नये-नये अरब पति सामने आ रहे हैं। इनकी संख्या हर वर्ष तेजी से बढ़ती ही चली जा रही है। पर सिर्फ किसी को इसलिए आदर्श या नायक तो नहीं माना जा सकता न , क्योंकि ; उसने खूब सारा धन कमा लिया है। हाँ, लेकिन , धन कमाकर उसका समाज और देश के लिए उपयोग किया जाना सबसे अहम ज़रूर माना जा सकता है। सुधा मूर्ति अपने धन को सैकड़ों करोड़ रुपये के घरों के निर्माण में नहीं फूंकतीं। वे दसियों कारें नहीं रखतीं । उनके लिए ज्ञान और छपे हुए शब्दों का विशेष महत्व है। हो सकता है कि आपने जितेन्द्र सिंह शंटी का नाम न सुना हो। पर वे किसी फरिश्ते से कम नहीं हैं। वे करोड़ोंपति भी नहीं हैं। उन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के समय कोरोना रोगियों को बेड दिलवाने में दिन-रात एक कर दी थी। शंटी गुजरे 30 सालों से राजधानी और इसके आसपास के शहरों में लावरिस शवों का अंतिम संस्कार करवा रहे हैं। उन्होंने खुद अपने हाथों से सैकड़ों लावरिस लोगों का अंतिम संस्कार किया है। शंटी ने अब तक 100 से अधिक बार रक्त दान करके एक कीर्तिमान भी बनाया है। पिछले चार दशकों से भी अधिक समय से राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) से जुड़े हुए डॉ राजीव सूद की अगुवाई में कोरोना की पहली और दूसरी लहर में उनके अस्पताल ने हजारों कोरोना रोगियों का इलाज करके घर भेजा था।इसी क्रम में वे खुद भी कोरोना की चपेट में आ गए थे। एक बार ठीक हुए तो फिर से लग गए थे मरीजों का इलाज करने में। उस कठिन काल में यहां जो कोई भी आया उसे सेहमतमंद करने के लिए आरएलएम के डॉक्टरों और नर्सों ने अपनी जान लगा दी थी। वे अपने को क्रेडिट देने से बचते हैं। सिर्फ इतना कहते हैं कि हमने जो किया वह हमारा फर्ज था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के 100 करोड़ कोरोना टीकों के लक्ष्य को हासिल करने के दौरान आरएमएल पहुंचे थे। उन्होंने तब यहां डॉ.राजीव सूद और बाकी कोरोना वारियर्स से मुलाकात भी की थी। शंटी और डॉ. सूद का तो हमने यहां पर उदाहरण दे दिया। ये कोई करोड़पति नहीं हैं। इन दोनों की तरह से देशभर में सैकड़ों लोग निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। ये तब भी सक्रिय थे जब सारा देश कोरोना के कारण त्राहि-त्राहि कर रहा था। ये अब भी एक्टिव हैं। पर इन्हें पहचान नहीं मिलती जिसके ये हकदार हैं। दरअसल देश-दुनिया में आर्थिक उदारीकरण के बाद पैसे को महत्व बढ़ता ही जा रहा है।

देश की एजेंसियां पारदर्शी बनें

रघु ठाकुर

पिछले दिनों भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के बड़े नौकरशाहों से चर्चा करते हुए कहा कि आप देखें कि कोई भी व्यक्ति जन-धन का दुरूपयोग न कर सकें। प्रधानमंत्री की चिंता वाजिब है हालांकि यह अपील तो उन्हें नौकरशाहों के बजाय पहले राजनेताओं से करना चाहिए और उनकी अपनी पार्टी की सरकार और मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों से करना चाहिए। एक तो इसलिये कि भारतीय संविधान के अनुसार हमारे देश में संघीय ढांचे का लोकतंत्र है जिसमें राज्यों को भी पर्याप्त अधिकार दिए गये हैं। एकात्मक संविधान की व्यवस्था में केन्द्र एक अलग से शक्तिशाली मालिक जैसा हो जाता है, परन्तु भारतीय संविधान की कल्पना एकात्मक संविधान की नहीं है। इसलिये राज्यों व केन्द्र के बीच संविधान में कार्या का विभाजन किया गया है। संविधान में तीन सूचियों में राज्य की शक्तियों का विभाजन किया गया है, एक राज्य सूची, दूसरी केन्द्रीय सूची और तीसरी समवर्ती सूची। राज्य सूची में वे विषय जिन पर कानून बनाने का पूर्ण अधिकार राज्यों का है। केन्द्रीय सूची के विषय पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र का है और समवर्ती सूची में जो विषय है उन पर केन्द्र और राज्य दोनों कानून बना सकते हैं परन्तु अगर केन्द्र और राज्य के बनाये कानून भिन्न-भिन्न है तो केन्द्रीय कानून मान्य होगा। देश की प्रशासनिक सेवाओं के भी अलग-अलग दर्जे (केडर) हैं और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की सेवा शर्तें और सुरक्षा संविधान से नियंत्रित होती है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का चयन केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के द्वारा होता है और उन्हें केन्द्र, राज्यों की जरूरत व मांग के अनुसार आवंटित करता है। आमतौर पर यह परंपरा रही है कि राज्यों के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों पर नियंत्रण और संबंध राज्य के अधीन होता है तथा राज्य सरकारें व मुख्यमंत्री उनसे सीधा संपर्क और संवाद रखते हैं। परन्तु प्रधानमंत्री जी ने जो यह शुरूआत, भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से सीधे संवाद की है इसमें राज्यों की सहमति है अथवा नहीं या प्रधानमंत्री जी का यह प्रयास केन्द्रीय सेवाओं के अधिकारियों के माध्यम से एक प्रकार की अलोकतांत्रिक दखलंदाजी है, यह विचारणीय है। मैंने ऊपर लिखा है कि उन्हें राजनैतिक सत्ताधीशों से अपील या आदेश जो संभव था वह करना चाहिये था। क्या कोई राज्य का किसी विभाग का सचिव या अधिकारी अपने विभाग राजनैतिक मुखिया/ मंत्री या प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया जो उनका तात्कालिक प्रशासनिक अधिकारी है को इंकार कर सकता है? या उसे उसकी उपेक्षा करना चाहिये। पिछले दिनों भा.ज.पा. और आम आदमी पार्टी के बीच कुछ दोषारोपण उनके प्रवक्ताओं के माध्यम से सामने आये हैं। यद्यपि ऐसे दोषारोपण नये नहीं है परन्तु यह दिलचस्प है। भा.ज.पा. के प्रवक्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री केजरीवाल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने आवंटित सरकारी मकान के विकास पर 45 करोड़ रूपया खर्च किया है और उसके प्रति उत्तर में आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अपने निवास के मकान पर 500 करोड़ रूपया खर्च किया है मैं इन राशियों की या आरोपों की प्रामाणिकता के बारे में कुछ नही कहूँगा क्योंकि मेरे पास किसी की अधिकृत जानकारी सिवाय मीडिया के नहीं है। पर इतना अवश्य कहूँगा कि यह दोनों ही खर्च गैर जरूरी अनुचित और सत्ता के दुरूपयोग के उदाहरण है। श्री अरविन्द केजरीवाल जब दिल्ली का पहला चुनाव लड़े थे तब उन्होंने अनेकों बार सार्वजनिक रूप से यह कहा था कि मैं अपने निजी मकान में रहूँगा। सरकारी मकान व सुविधायें नहीं लूँगा। परन्तु मुख्यमंत्री बनने कुछ ही दिनों के बाद उन्होंने आम राजनेताओं के चलन के अनुसार अपने सार्वजनिक रूप से घोषित वादे को भुला दिया और दिल्ली में, दिल्ली के मुख्यमंत्री को चिन्हित व निर्धारित और आवंटित होने वाले सरकारी मकान में रहना शुरू किया। मुख्यमंत्री के लिये यह चिन्हित मकान लुटियन्स जोन में है और 1993 में दिल्ली राज्य के गठन के बाद से मुख्यमंत्री के लिये निश्चित है। इसी मकान में 15 वर्ष स्व. श्रीमती शीला दीक्षित, दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. मदन लाल खुराना, साहब सिंह वर्मा, सुषमा स्वराज आदि भी रहे है। वैसे भी दिल्ली के बंगले काफी बड़ी भूमि में बने है और एक मुख्यमंत्री के लिये आवश्यक सभी सुविधायें उसमें उपलब्ध हैं तो 45 करोड़ रूपया उसके नवीनीकरण या सौंदर्यकरण पर खर्च करना क्या लोकतांत्रिक अपराध नहीं है? और प्रधानमंत्री जी जिस भवन में रह रहे हैं वह रेस कोर्स रोड का बहुत बड़ा इलाका है जिसमें उनके पूर्व के अनेकों प्रधानमंत्री रहे हैं। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, श्री मनमोहन सिंह, देव गोड़ा, स्व. श्री गुजराल जी जैसे प्रधानमंत्री भी उसी मकान में रहे हैं तो अब प्रधानमंत्री जी के लिये 500 करोड़ का नया आवास बनाना मात्र विलासता ही नहीं बल्कि क्रूर विलासता तथा जनतांत्रिक अपराध जैसा माना जायेगा। वैसे भी प्रधानमंत्री जी के ऐसे विशेष दिखने के शोक देश में चर्चित हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि जैसे वे अपने बचपन की गरीबी की कुंठाओं को प्रतिशोध के रूप में निकाल रहे हैं। उनकी पार्टी के लोग उन्हें विश्व का नेता बताते हुये नहीं थकते। हांलाकि उन्हें विश्व नेता कहना चाटूकारिता ही लगती है। परन्तु जो लोग यह कहते नहीं थकते वे भूल जाते हैं कि दुनिया के सम्पन्न लोकतांत्रिक देशों के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति कैसे-कैसे साधारण मकानों में रहते। अमेरिकी राष्ट्रपति के लिये चिन्हित निवास स्थान हाऊस कई सौ सालों से यथावत है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के लिये चिन्हित 10 डाऊनिंग स्ट्रीट सेंकड़ों सालों से यथावत है और किसी प्रधानमंत्री ने उसे बदलना तो दूर उसमें कोई नये काम भी नहीं कराये। जबकि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस या जर्मनी भारत की तुलना में अधिक सम्पन्न देश हैं। यह देश का दुर्भाग्य ही है कि हमारे देश में लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित प्रतिनिधि राजा महाराजा बनना चाहते हैं। और उन्हीं जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री जी की अपनी पार्टी के लोगों के मन में सार्वजनिक धन का दुरूपयोग नहीं करने या बचाने की चिंता कहीं नज़र नहीं आती। उनकी अपनी पार्टी के सरकारों मंत्रियों के जीवन जीने के तरीके को वह देख सकते हैं। म.प्र. में लगभग पिछले 20 वर्षों से भा.ज.पा. की सरकार है और मुख्यमंत्री व मंत्रियों के बंगले सुसज्जित है इसके बावजूद प्रतिवर्ष औसतन 50-60 करोड़ रूपया इन मकानों की पुनः सज्जा पर खर्च होता है। कुछेक मंत्रियों के संडास भी करोड़ रूपया में बने हैं।

मैं नहीं जानता हूँ कि 10 हज़ार के संडास में और करोड़ के संडास में क्या फर्क होता है? परन्तु ऐसे नजारे कितने ही देखने व सुनने को मिलते हैं। कहने के लिये राज्य में अफसरों और मंत्रियों के बंगले पर मरम्मत आदि पर होने वाले खर्च की राशि की सीमा बांधी गई है परन्तु अगर मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चाहे तो वे पिछले 10-20 वर्षों का खर्च का विवरण मंत्री और अधिकारियों के बंगलों पर मरम्मत के रूप में कितना खर्च हुआ वह देख लें तथा जिन्होंने ज्यादा खर्च कराया है, उन पर कार्यवाही करें। क्या यह साहस प्रधानमंत्री जी में है? मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ कि अधिकांश प्रशासनिक अधिकारियों, विधायकों, मंत्रियों ने नियम व परंपरा के अनुसार भी अपनी संपत्ति की सूचना जो उन्हें ही देना होती है नहीं दी है। क्या इसका कारण अपनी अतुलनीय संपत्ति के अर्जन को छिपाना नहीं है? अगर उन सभी ने इन पदों पर आने के पूर्व ही संपत्ति की सूचना दे दी होती तो बाद की संपत्ति से उनकी तुलनात्मक जांच हो सकती थी पर अब वह भी संभव नहीं है।

अगर प्रधानमंत्री जी का उद्देश्य नौकरशाहों को उकसा कर अपनी विरोधी निर्वाचित सरकारों के विरूद्ध बगावत या विरोध कराना है तो अपने संवाद के माध्यम से वे कुछ जरूर सफल हुये होंगे। ऐसा ही एक भाषण उन्होंने पिछले दिनो जांच एजेंसियों के अधिकारियों के एक सम्मेलन में देते हुये कहा था कि कोई कितना बड़ा ताकतवर क्यों न हो उसके विरूद्ध कार्यवाही करें। परन्तु क्या किसी भी एक सत्ताधारी दल, भा.ज.पा., केन्द्र या राज्य के सत्ताधीशों के विरूद्ध कोई कार्यवाही किसी जांच एजेंसी ने की है। मतलब साफ है कि प्रधानमंत्री जी के इशारे को और भावनाओं को जांच एजेंसियां समझ रही है और चुन-चुनकर विरोधियों के यहां कार्यवाही कर रही है। निसंदेह हर अपराधी के विरूद्ध कार्यवाही होना चाहिये चाहे वह कितना भी बड़ा सत्ताधीश या शक्तिशाली क्यों न हो और इसमें दलगत भेद भाव नहीं होना चाहिये। मैं प्रधानमंत्री जी से अपील करना चाहूँगा :-वे मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और अधिकारियों को दिये गये उपदेशों, निर्देशों की तथ्यात्मक रिपोर्ट भी मंगाये कि वास्तव में कितना असर हुआ है।

धरती के संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना होगा

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता(जैव वैविध्य) दिवस(इंटरनेशनल बायोडायवर्सिटी-डे) के रूप में मनाया जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि 29 दिसंबर वर्ष 1992 को संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वाधान में नैरोबी में जलवायु सम्मेलन में जैव विविधता पर दुनिया का ध्यान गया था और इसी सम्मेलन में यह फैसला लिया गया था कि प्रत्येक वर्ष वैश्विक स्तर पर जैव विविधता दिवस मनाया जाएगा। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि पहले इसे 29 मई को मनाने का फैसला किया गया था लेकिन बाद में इसे 22 मई को मनाने पर सहमति बनी। तब से 22 मई को पूरी दुनिया में जैव- विविधता दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई। धरती ग्रह के पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के जैव विविधता बहुत आवश्यक है। वास्तव में, अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस (इंटरनेशनल डे फॉर बॉयोलोजिकल डायवर्सिटी) जैव-विविधता संरक्षण की भावना को बढ़ावा देता है। इसमें पर्यावरण के प्रति सम्मान और इसके संरक्षण हेतु उत्तरदायित्व की भावना निहित है। जैव वैविध्य या जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता और परिवर्तनशीलता है। जैव विविधता दो शब्दों के मेल से बना है, बायो(जैव) और डायवर्सिटी(विविधता)। यहाँ 'बायो' का अर्थ है 'जीव' तथा 'डाइवर्सिटी' का अर्थ है 'विविधता।' साधारण शब्दों में किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवों की संख्या और उनकी विविधता को जैव विविधता कहते हैं। इसका संबंध पौधों के प्रकार व प्राणियों तथा सूक्ष्म जीवाणुओं से है। जैव विविधता एक सजीव संपदा है। यह विकास यात्रा के लाखों वर्षों का परिणाम है। जैव विविधता, जैसा कि इसके नाम से ही यह स्पष्ट है कि यह पृथ्वी पर जीवन की विविधता को संदर्भित करती है। इसमें प्रजातियों की विविधता, पारिस्थितिक तंत्र और प्रजातियों के भीतर आनुवंशिक विविधता को शामिल किया जा सकता है। यह पौधों, जानवरों, कवक और सूक्ष्मजीवों की विविधता के साथ-साथ उन पारिस्थितिक तंत्रों की विविधता को समाहित करता है, जिनमें वे निवास करते हैं। जैव विविधता के प्रकारों में क्रमशः पारिस्थितिकीय तंत्र विविधता(वन, महासागर, आर्द्रभूमि), प्रजाति विविधता(किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाली विभिन्न प्रजातियों की विविधता), आनुवांशिक विविधता(एक प्रजाति के भीतर आनुवांशिक भिन्नता की विविधता), कार्यात्मक विविधता(भूमिकाओं, कार्यों और प्रक्रियाओं की विविधता को संदर्भित करता है जो विभिन्न प्रजातियों और उनकी अंतःक्रियाओं में पारिस्थितिकी तंत्र में होती है) तथा सांस्कृतिक विविधता(मानव व प्रकृति के बीच) को शामिल किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, जैव विविधता किसी एक क्षेत्र में मौजूद विभिन्न प्रजातियों और इन प्रजातियों के पारिस्थितिक तंत्र की विविधता है। हम यूं भी कह सकते हैं कि 'जैव विविधता (बायो डायवर्सिटी) पृथ्वी पर व्याप्त सभी जीव स्वरूपों यानी कि पादप व जन्तु की 'जैविक विविधता' होती है जो इन प्राणियों की जाति, आनुवांशिकी व इनकी पारिस्थितिकी(इकोलॉजी) में पायी जाती है।' सरल शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवों एवं वनस्पतियों की संख्या एवं प्रकारों को जैव विविधता कहा जा सकता है। जानकारी देना चाहूंगा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 दिसंबर, 2000 को 22 मई को ₹अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस₹ के रूप में घोषित किया था। इसके पीछे यूएनओ का मुख्य उद्देश्य यह था की विश्व में सभी लोगों को जैव विविधता के प्रति सतर्क किया जा सके जिससे विश्व की जैव विविधताएं बनी रह सकें और उसका संरक्षण किया जा सके। यहाँ यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व जैव विविधता दिवस 2020 की थीम-'हमारे समाधान प्रकृति में हैं', वर्ष 2021 की थीम-'हम समाधान का हिस्सा हैं', तथा वर्ष 2022 की थीम-' सभी जीवन के लिए एक साझा भविष्य का निर्माण' रखी गई थी। इस वर्ष इस दिवस की थीम या यूं कहें कि विषय(सब्जेक्ट) का प्रस्ताव(कॉप-15 के परिणामों पर आधारित) 'समझौते से कार्रवाई तकः जैव विविधता का निर्माण'(फ्रॉम एग्रीमेंट टू एक्शनः बिल्ड बैक बॉयोडायवर्सिटी) रखी गई है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि जैव-विविधता धरती की एक प्रमुख विशेषता है और इसकी उपस्थिति बिना धरती पर जीवन के अस्तित्व की कल्पना करना संभव नहीं है। जैव विविधता मानव सभ्यता के लिए बहुत उपयोगी है और इसे संरक्षित करना आवश्यक है। पर्यावरणविदों के अनुसार मानव जीवन के प्रारंभ होने से पहले इस धरती पर जैव विविधता किसी भी अन्य काल की तुलना में बहुत अधिक थी। मानव के आने से जैव विविधता में तेजी से कमी आने लगी क्योंकि किसी एक या अन्य प्रजाति का आवश्यकता से अधिक उपभोग होने के कारण वह लुप्त होने लगी। पर्यावरणविद बताते हैं कि संसार में कुल प्रजातियों की संख्या 20 लाख से 10 करोड़ तक है और वर्तमान समय में भी वैज्ञानिक लगातार नई प्रजातियों की खोज में जुटे हैं और यह खोज लगातार जारी है। करीब 99 फीसद प्रजातियां जो कभी धरती पर विद्यमान थी आज विलुप्त हो चुकी हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार विश्व में विभिन्न जीव व पेड़-पौधों की संख्या 1.5 से 20 करोड़ तक हो सकती थी जो प्रतिवर्ष तेजी से घट रही है। इस पृथ्वी की जैव विविधता एक जैसी नहीं है। उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों में जैवविविधता अधिक पाई जाती है, और जैसे-जैसे हम ध्रुवीय प्रदेशों की तरफ बढ़ते हैं प्रजातियों की यह विविधता नहीं मिलती है अर्थात कम देखने को मिलती है। यहाँ जानकारी देना चाहूंगा कि मानव प्रजाति, जैव विविधता(बायो डायवर्सिटी) का एक अभिन्न और प्रभावशाली घटक है। हमारे शरीर में असंख्य सूक्ष्म जीवों की मौजूदगी रहती है। इनके बिना हम जीवित नहीं रह सकते हैं। भूमि और जैव विविधता के निरंतर क्षरण, बढते कुपोषण भूख और पर्यावरणीय अन्याय से अनिश्चितता बढती जा रही है। अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर जैव विविधता आवश्यक क्यों है ? तो इस प्रश्न का उत्तर यह है कि पारिस्थितिकीय तंत्र(पारिस्थितिकीय तंत्र व प्रक्रियाओं का संतुलन) को बनाए रखने के लिए जैव विविधता बहुत आवश्यक है। जैव विविधता के कारण ही फसलों का परागण, कीट नियंत्रण, मृदा संरक्षण संभव होता है। यह पृथ्वी की जलवायु प्रणाली के कामकाज और मानव आजीविका के लिए विभिन्न प्रकार के संसाधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण व अहम् भूमिका का निर्वहन करती है।

नो पेंशन, ओनली डिप्रेशन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आज जिसे देखो उस पर डिप्रेशन का भूत सवार है। आज हर घर में कोई न कोई डिप्रेशन का शिकार मिल जाएगा। इस डिप्रेशन से अनभिज्ञ हमारे पड़ोसी गोबर गणेश ने सबकी देखा-देखी इंजीनियरिंग में भर्ती ले ली। गिरते-पड़ते जैसे-तैसे बड़ी मुश्किल से पास हुए। रजिस्टर में उनका नाम जो भी हो फैकल्टी तो उन्हें 'बैकलॉग कुमार' कहकर पुकारते थे। नाम के माफिक बैकलॉग रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पढ़ाई पूरी करने के बाद लगे नौकरी खोजने। नौकरी थी कि आबादी की बढ़ती संख्या के अनुरूप एक अनार लाख बीमार कहावत को चरितार्थ कर रही थी। सो उन्हें नौकरी मिलने से रही। नौकरी का इरादा छोड़ व्यापार करने की ठानी। व्यापार करना इतना आसान काम थोड़े न था। लागत लगती है लागत! जैसे-तैसे चंद हजार रुपए जुटाए और बैठ गए सड़क पर। सड़क पर एक बड़ी सी तख्ती लगा रखी थी। जिस पर लिखा था – 'अपना डिप्रेशन सुनाइए और दस रुपए ले जाइए।' पहले तो लोगों को गोबर गणेश बेवकूफ लगा। लेकिन बाद में पता चला यह तो एक नायाब धंधा है। जात-पात, ऊँच-नीच, लिंग, धर्म, भाषा का भेद भुलाकर सभी अपने-अपने डिप्रेशन के किस्से सुनाने लगे। यह दृश्य देखकर यकीन हो गया कि दुनिया सुनाने वालों से भरी पड़ी है और सुनने वाले विलुप्त होते प्राणियों की तरह धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं। डिप्रेशन के शिकार कोई पैसे से परेशान है तो कोई बिना पैसे के। कोई मोटापे से तो कोई दुबलेपन से। कोई पत्नी से त्रस्त तो कोई कुंवारेपन से। कोई रात से परेशान है तो कोई दिन से। कोई हँसने से परेशान है तो कोई रोने से। कोई देखने से परेशान है तो कोई न दिखने से। कोई लड़ने से परेशान है तो कोई शांत रहने से। कोई पुरुषार्ष से परेशान है तो कोई नपुंसकता से। कोई अपने पुरुष होने से परेशान है तो कोई स्त्री होने से। कोई किसी के सुख से परेशान है तो कोई किसी के दुख से। कोई परीक्षा में 99 प्रतिशत भी लाकर परेशान है तो कोई फेल होकर। जहाँ देखो वहाँ सब परेशान हैं। डिप्रेशन का शिकार हैं। इस धंधे से गोबर गणेश का सड़क पर आना तय था। लेकिन जो पहले से ही सड़क पर हो वह और कितना सड़क पर आएगा। उल्टे वह चंद दिनों में धनवान बन गया। डिप्रेशन के किस्सो की बदौलत उसके पास 22 उपन्यास, 30 फिल्मी पटकथाएँ, सौ से अधिक गाने और अनगिनत स्टैंडअप कॉमेडी करने लायक चुटकुलों की भरमार हो गई। बॉलीवुड ने उससे पटकथाएँ, गाने खरीद लिए।

अब निशाने पर मध्यप्रदेश

नवीन जैन

कर्नाटक में जिस तरह भाजपा निपटी है ,उससे तमाम राजनीतिक विश्लेषकों के होश फाख्ता हो गए हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर आहट हो रही थीं कि जिस राज्य(कर्नाटक) को दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार कहा जाता है ,वहां के चुनाव परिणाम चौंकाने वाले भी हो सकते हैं , लेकिन भाजपा इस तरह खेत रहेगी ,यह ,कांग्रेस के दिग्गजों ने भी शायद सोचा न था। भाजपा की स्थिति कुछ कुछ ऐसी हो गई कि दुःख इस बात का नहीं है ,घर की बुजुर्ग महिला का निधन हो गया ,तकलीफ इस बात की है कि मौत ने घर देख लिया। यह सपाट बयानी इस मजबूरी के तहत करनी पड़ रही है कि एक ,तो दक्षिण के ही राज्य तेलंगाना में ही इसी साल विधान सभा के आम चुनाव होने हैं ,और उसी के साथ हिंदी पट्टी के खास सूबे मध्यप्रदेश में भी यही चुनाव होने है। सनद रहे कि देश के इस हृदय प्रदेश में सरकार के साथ संगठन का भी दम फूल रहा है।बीच के लगभग डेढ़ साल को छोड़कर जगत मामा उर्फ़ शिवराज सिंह चौहान सिर्फ घोषणा वीर मुख्यमंत्री होकर रह गए हैं। सूत्र कहते हैं कि शिवराज सिंह सरकार का खजाना लगभग खाली हो चुका है ,लेकिन उन्होंने जिस लाडली बहना योजना (पात्र महिला को एक हजार रु की मदद),की घोषणा करने में ही करोड़ों रु खर्च कर दिए उसका कोई फायदा हकदार महिलाओं तक पहुंचा है कि नहीं इस बारे में कोई पक्की खबर अभी तक नहीं आई है। पार्टी संगठन की एक बड़ी कमजोरी तब ही उजागर हो गई थी ,जब भाजपा के संत कहे जाने वाले नेता ,और पूर्व मुख्यमंत्री स्व.कैलाश जोशी के पुत्र पिछले दिनों कांग्रेस में शामिल हो गए। कहा जाता है कि वे लगातार हो रही अपनी अनदेखी से अपमानित महसूस कर रहे थे। उन्होंने बयान दिया है कि कमलनाथ जी के प्रति मेरे मन में अपार श्रद्धा है।इसी बीच विख्यात कवि ,और पूर्व भाजपा विधायक सत्यनारायण सतन ने पार्टी उच्च कमान को खरी खरी सुना दी। याद रहे कि उनके बेटे को पाषर्द तक टिकिट नहीं दिया गया था। जब सतन जी के लगातार संगठन विरोधी बयान आते रहे ,तो मुख्य मंत्री चौहान ने उन्हें भोपाल बुलाकर बंद कमरे में बात की । दोनों में क्या बात हुई इसका सुराग न मिलने से इन्दौर जो भाजपा की छोटी अयोध्या मानी जाती है में कई कयास लगाए जा रहे ।इन्दौर भाजपा इकाई में भवरसिंह शेखावत अभी भी बदनावर से टिकिट की आस लगाए बैठे हैं।उन्हें 2018में भी टिकिट से वंचित रखा गया था। कई ज़मीनी भाजपा नेताओं ,और कार्यकर्ताओं की यह जायज शिकायत लगती है कि जो लोग कांग्रेस छोड़ कर रातों रात भगवा रंग धारण कर आए उन्हें मंत्री पद तक दिए गए ,और पार्टी संगठन ने पूरी जिंदगी गुजार देने वाले बंदे आज सतरंजी बिछा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि भाजपा आला कमान गुजरात फार्मूला ही मध्य प्रदेश में लागू करके ज्यादा से ज्यादा नए चेहरों को मौका देना चाहता है ,ताकि एंटी इनकम बेंसी से निपटा जा सके । बताया जाता है कि कुछ लोकसभा सांसद तो ऐसे हैं ,जो विधान सभा में जाने को उतावले हैं ।सब कुछ ठीक ठाक रहा तो उदयप्रताप सिंह ,गणेश सिंह ,रीति पाठक, केपी सिंह ,विवेक शेजवलकर के विधानसभा चुनाव लडने की संभावना है । हालांकि इनमें से कोई भी सांसद या पूर्व सांसद सीधे सीधे कुछ नहीं बोल रहा है। बताया जा रहा है कि भंवर सिंह शेखावत के अलावा जय भान सिंह पवैया ,पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह,गोरी शंकर शेजवार ,लाल सिंह आर्य भी रूठे बैठे हुए हैं। सनद रहे कि कर्नाटक के चुनावों में कांग्रेस की जीत का कारण वहां पार्टी द्वारा किए गए वादे भी रहे। मध्य प्रदेश में भी कमलनाथ लाडली बहना योजना जैसी ही योजना के तहत रू 1000 की जगह 1500 रुपए, रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपए बिजली के 500 यूनिट फ्री ,उसके बाद के 500 के दाम आधे जैसे लोक लुभावन नारे देने लगे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि शिवराज सिंह चौहान कभी के इतिहास के अजायबघर में रख दिए जाते लेकिन भाजपा की मध्यप्रदेश में दिक्कत यह है कि चौहान का कोई विकल्प संगठन या मंत्री मंडल में मिल ही नहीं रहा। इसलिए शिवराज सिंह चौहान विकल्प हीनता का लुत्फ उठा रहें है,और शायद चुनाव तक उठाते भी रहें।

पृथ्वी पर अवतरण से पहले शिवजी की जटाओं में क्यों समाई गंगा?

गंगा दशहरा हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाते हैं। गंगा दशहरा को गंगा अवतरण दिवस भी कहते हैं। गंगा दशहरा निर्जला एकादशी या भीमसेनी एकादशी से एक दिन पूर्व या फिर उस दिन ही पड़ता है। इस बार गंगा दशहरा एकादशी से एक दिन पूर्व ही है। गंगा दशहरा और गंगा जयंती अलग-अलग हैं। जिस दिन गंगा का जन्म हुआ, उस दिन गंगा जयंती मनाते हैं और जिस दिन गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ, उस दिन गंगा दशहरा मनाते हैं। पृथ्वी पर अवतरण से पहले गंगा भगवान शिव के जटाओं में समा गई थीं। इसके पीछे एक बड़ा कारण है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र से जानते हैं कि इस साल गंगा दशहरा कब है, पूजा का मुहूर्त क्या है और गंगा अवतरण की कथा क्या है?

गंगा दशहरा 2023 मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस वर्ष ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 29 मई दिन सोमवार को सुबह 11 बजकर 49 मिनट पर प्रारंभ हो रही है और इस तिथि की समाप्ति 30 मई दिन मंगलवार को दोपहर 01 बजकर 07 मिनट पर हो रही है। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर गंगा दशहरा 30 मई को मनाया जाएगा।

गंगा दशहरा 2023 स्नान-दान समय

इस दिन प्रातःकाल से ही गंगा स्नान और दान प्रारंभ हो जाता है। गंगा स्नान का शुभ समय सुबह 08 बजकर 51 मिनट से दोपहर 02 बजकर 02 मिनट तक है। इस दिन का शुभ समय यानि अभिजित मुहूर्त दिन में 11 बजकर 51 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट तक है।

सिद्धि और रवि योग में गंगा दशहरा 2023

30 मई को गंगा दशहरा वाले दिन सिद्धि योग और रवि योग का निर्माण हो रहा है। सिद्धि योग प्रातःकाल से लेकर रात 08 बजकर 55 मिनट तक है। इस योग में किए गए कार्य सफल सिद्ध होते है। मंत्र और विद्या सिद्धि के लिए यह शुभ योग है।

गंगा दशहरा पर रवि योग पूरे दिन है। रवि योग में सूर्य देव का प्रभाव अधिक होता है। ऐसे में आप गंगा दशहरा पर स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल से अर्घ्य दें। आप पर सूर्य की कृपा होगी।

शिव की जटा में क्यों समाई गंगा?

राजा सगर के वंशज भगीरथ मां गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाना चाहते थे ताकि उनके 60 हजार पूर्वजों को मोक्ष मिल सके। उन्होंने कठोर तप से ब्रह्म देव को प्रसन्न करके गंगा को पृथ्वी पर ले जाने का वरदान प्राप्त कर लिया। लेकिन समस्या तब खड़ी हो गई, जब ब्रह्म देव ने कहा कि पृथ्वी गंगा के वेग को सहन नहीं कर पाएगी। इससे प्रलय आ सकता है।

तब ब्रह्म देव के सुझाव पर भगीरथ ने कठोर तप से भगवान शिव को प्रसन्न किया ताकि गंगा पृथ्वी पर अवतरित होने से पूर्व उनकी जटाओं में उतरें और उनका वेग कम हो जाए। फिर वे आसानी से पृथ्वी पर अवतरित हों। भगवान शिव इसके लिए सहमत हो गए और उनको आशीर्वाद दे दिया। तब जाकर मां गंगा स्वर्ग से भगवान शिव की जटाओं में समा गईं और फिर पृथ्वी पर उतरीं।

गंगा दशहरा का महत्व

गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करने मात्र से ही सात जन्मों के पाप मिट जाते हैं। इस बात का उदाहरण राजा सगर के 60 हजार पुत्रों को मिला मोक्ष है। इस वजह से ही मां गंगा को मोक्षदायिनी यानि मोक्ष प्रदान करने वाली कहा गया है।

क्या सचमुच विज्ञान और लॉजिक से परे हैं इस मंदिर के अजीबोगरीब रहस्य?

सिर्फ नंदी ही नहीं, यगंती मंदिर के कुंड भी रहस्य हैं। राज गोपुर के बीच बने कुंड में पानी मुख्य मंदिर की ओर से प्रवाहित होता है। लगातार शिवलिंग के नीचे से पानी निकल रहा है, जो रहस्य बना हुआ है। गोपुरम के दो छेदों से निकलने वाले पानी का स्रोत अब तक नहीं समझा जा सका है। मंदिर के बाहर 16 एकड़ के बाद इस पानी से सिंचाई न हो पाना भी यहां बड़ा रहस्य है।

इस मंदिर में स्थापित पत्थर की नंदी प्रतिमा का आकार लगातार बढ़ने का दावा किया जाता है। क्या पत्थरों में जान हो सकती है? हर साल इस नंदी का आकार बढ़ जाता है। स्थानीय लोग कहते हैं कि पहले यह छोटे आकार का था पर अब यह लगभग मंदिर प्रांगण के आकार का हो चुका है!

इस मंदिर में कौए नहीं आते। स्थानीय मानते हैं कि ऋषि अगस्त के श्राप के चलते ऐसा होता है। यहां वेंकटेश्वर गुफा से मिली मूर्ति के बारे में लोग दावा करते हैं कि तिरुपति में स्थापित प्रतिमा से भी पुरानी है। यही नहीं, भारत के नास्त्रेदमस कहे जाने वाले वीर ब्रह्म ने यहीं काल गणना ग्रंथ के कुछ अध्याय लिखे, यह भी कहा जाता है।

कई बुद्धिजीवी और वैज्ञानिक यहां शोध कर चुके हैं पर यह अब तक रहस्य है। अंततः वैज्ञानिकों ने यही कहा है कि यह पत्थर बढ़ने की तासीर रखता है इसलिए यह हर 20 साल में 1 इंच के हिसाब से बढ़ रहा है। विज्ञान की बात अपनी जगह श्रद्धालु तो इसे भगवान महेश्वर की लीला ही मानते हैं।

सेहत, शिक्षा और धन से जुड़े काम करने में देर न करें

श्रीकृष्ण और उद्धव से जुड़ा किस्सा है। एक दिन श्रीकृष्ण ने उद्धव को एक कहानी सुनाई थी। भगवान ने कहा कि उद्धव मैं तुम्हें ये कहानी इसलिए सुना रहा हूं, ताकि तुम समझ सको कि अच्छे काम सही समय पर क्यों करना चाहिए।

कहानी इस प्रकार है- एक व्यक्ति ने खेती और व्यापार करके खूब धन कमा लिया था, लेकिन वह बहुत कंजूस था। कामवासना में फंसा हुआ था। लालची था। गुस्सा करता था। मित्रों और रिश्तेदारों से भी अच्छा व्यवहार नहीं करता था। उस व्यक्ति के ऐसे गलत व्यवहार की वजह से उसके करीबी लोग, उसकी पत्नी, रिश्तेदार सभी दुखी थे।

उस व्यक्ति का लक्ष्य सिर्फ धनी बनना था। वह अपने ऊपर भी खर्च नहीं करता था, लेकिन धीरे-धीरे उसका धन खर्च होने लगा। कुछ धन तो उसके घर-परिवार वालों ने ही छीन लिया। कुछ चोरी हो गया। कुछ अपने आप नष्ट हो गया। उसे व्यापार में भी नुकसान हो गया। थोड़ा बहुत धन बचा था, वह भी राज्य के राजा ने छीन लिया। उसने कभी किसी की मदद नहीं की थी तो किसी ने उसकी मदद नहीं की। वह गरीब हो गया था।

अब वह व्यक्ति सोचने लगा कि मैंने कभी किसी पर धन खर्च नहीं किया, ये मेरे काम भी नहीं आया। अब कोई मदद भी नहीं कर रहा है। जब तक धन है भाई-बंधु, स्त्री-पुत्र, माता-पिता, मित्र, रिश्तेदार सभी सम्मान करते हैं।

एक दिन किसी ने उस व्यक्ति से पूछा कि अब तुम्हें कैसा लगता है? उसने जवाब दिया कि जब मेरे पास धन था तो मैंने उसका सदुपयोग नहीं किया। आज पछता रहा हूं।

श्रीकृष्ण की सीख

श्रीकृष्ण ने इस कहानी के माध्यम से उद्धव को समझाया कि समय अमूल्य है और हमें इसका सदुपयोग करना चाहिए। सेहत, शिक्षा और धन से जुड़े कामों में देर नहीं करनी चाहिए, जैसे ही समय मिले, इन कामों को कर लेना चाहिए। सेहत से जुड़ी लापरवाही न करें, शिक्षा ग्रहण करने में आलस न करें और धन कमाएं, लेकिन लालच न करें और जरूरत के अनुसार ही खर्च करें।

25 मई को गुरु पुष्य समेत बन रहे हैं 5 शुभ योग

इस साल 25 मई को दुर्लभ गुरु पुष्य योग बन रहा है। दुर्लभ इसलिए है क्योंकि मई के बाद ऐसा योग फिर दिसंबर में आएगा। 25 मई को गुरु पुष्य योग समेत 5 शुभ योग बन रहे हैं। उस दिन वृद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग भी बन रहे हैं। 25 मई को आप जो भी शुभ कार्य करेंगे, उसमें कई गुना वृद्धि होगी। इस दिन आप विवाह को छोड़कर बाकी सभी मांगलिक कार्य कर सकते हैं गुरु पुष्य योग का मुहूर्त, 5 शुभ योग और खरीदारी करने वाली वस्तुओं के बारे में, जिनसे भाग्य और धन बढ़ता है।

कब बनता है गुरु पुष्य योग?

ज्योतिष के अनुसार, जब गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र होता है, तब यह दुर्लभ गुरु पुष्य योग बनता है। गुरु पुष्य योग को गुरु पुष्य नक्षत्र योग भी कहते हैं। यह बड़ा शुभ फलदायी होता है। पूरे वर्ष यदि आपको कोई दिन शुभ कार्य के लिए नहीं मिल रहा हो तो गुरु पुष्य योग वाले दिन वह कार्य कर सकते हैं।

कब से कब तक है गुरु पुष्य योग 2023

25 मई को गुरु पुष्य योग सूर्योदय के समय से लेकर शाम 05 बजकर 54 मिनट तक है। इस दिन शाम को 05:54 बजे के बाद से अश्लेषा नक्षत्र प्रारंभ है। ऐसे में 25 मई को सुबह से लेकर शाम 05:54 बजे तक शुभ वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। कोई मांगलिक कार्य कर सकते हैं।

गुरुपुष्य समेत 5 शुभ योग

25 मई को गुरु पुष्य योग समेत 5 शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इसके कारण यह दिन और भी शुभ और कल्याणकारी हो जाता है। इस दिन वृद्धि योग सुबह से लेकर शाम 06 बजकर 08 मिनट तक है। गुरु पुष्य योग सुबह 05 बजकर 26 मिनट से शाम 05 बजकर 54 मिनट तक है।

इस दिन अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग भी सुबह 05 बजकर 26 मिनट से शाम 05 बजकर 54 मिनट तक है। रवि योग सुबह 05:26 बजे से लेकर शाम 05:54 बजे तक है, उसके बाद रात में 09 बजकर 12 मिनट से अगले दिन 26 मई को सुबह 05 बजकर 25 मिनट तक है।

गुरु पुष्य योग में खरीदने वाली 5 शुभ वस्तुएं

1. सोनाः सोना को सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। गुरु पुष्य योग में खरीदा गया सोना आपके धन-संपत्ति और भाग्य को बढ़ता है।
2. हल्दीः गुरु पुष्य योग में हल्दी खरीदना भी शुभ है। देव गुरु बृहस्पति का शुभ रंग पीला है और हल्दी शुभता का प्रतीक है। यदि आप सोना नहीं खरीद पा रहे हैं तो हल्दी खरीदकर अपने भाग्य में वृद्धि कर सकते हैं।
3. चने की दालः गुरु पुष्य योग में आप चने की दाल खरीदकर भी अपने सुख और समृद्धि में बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। गुरु ग्रह की पूजा में चने की दाल का उपयोग करते हैं और इसका भोग भगवान विष्णु को भी लगाते हैं। हल्दी और चने की दाल के अलावा आप पीले रंग के वस्त्र, पीतल, घी आदि भी खरीद सकते हैं।
4. सिक्काः गुरु पुष्य योग वाले दिन व्यक्ति को सोने का सिक्का या फिर चांदी का सिक्का खरीदना चाहिए। यह भी आपकी उन्नति में सहायक होगा।
5. धार्मिक पुस्तकेंः गुरु पुष्य योग में देव गुरु बृहस्पति का प्रभाव अधिक होता है। ऐसे में आप गुरु पुष्य योग में धार्मिक पुस्तकें खरीद सकते हैं। इससे भी आपको लाभ होगा।

क्या होता है विष दोष, आपसी रिश्तों में आ जाती है खटास

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली में बनने वाले योग और दोष व्यक्ति के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शुभ योग बनते हैं। तो वह व्यक्ति अपना जीवन सुख समृद्धि के साथ जीता है। इसके विपरीत यदि आपकी कुंडली में अशुभ योग बन रहे हैं तो यह आपको जीवन भर परेशान कर सकते हैं। इन्हीं योगों में से एक योग है विष योग। ज्योतिष शास्त्र में ये योग अशुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति की कुंडली में यह योग होता है उसे तरह-तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंडली में कैसे बनता है विष योग?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि और चंद्रमा विशेष ग्रह होते हैं। न्याय के देवता शनि ढाई साल में राशि बदलते हैं। वहीं चंद्रमा राशि बदलने में सवा 2 दिन का समय लगाता है। जब कुंडली में शनि और चंद्रमा की युति बनती है, तब व्यक्ति की कुंडली में विष योग का निर्माण होता है। जब शनि और चंद्रमा एक दूसरे के साथ गोचर करते हैं। तो इस अशुभ योग का प्रभाव और ज्यादा बढ़ जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार विष योग का प्रभाव इतना ज्यादा हो सकता है, कि व्यक्ति का जीवन तहस-नहस हो जाए।

विष योग के नुकसान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार विष दोष का असर व्यक्ति के मन और मस्तिष्क पर पड़ सकता है। इस दोष के कारण जातक को तनाव, बेचैनी, चिंता आदि समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा विष दोष के कारण व्यक्ति को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। शिक्षा और खेल के क्षेत्र में काफी उतार-चढ़ाव रहते हैं। इस दोष के कारण व्यक्ति में आत्मविश्वास की कमी आती है। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में ये दोष बन रहा है, तो वह व्यक्ति अपने व्यवहारिक रिश्ते में भी परेशानियों का सामना करता है। प्रेम संबंध और बच्चों के साथ, भाई बहनों के साथ संबंध प्रभावित होते हैं। इतना ही नहीं यही दोष आपके माता के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डालता है।

क्या सच में वर्जित है निर्वस्त्र स्नान, शास्त्रों में क्या है उल्लेख

अक्सर आपने घर के बड़े बुजुर्गों से बहुत सी चीजों को लेकर रोक-टोक करते हुए सुना होगा। उनके रोकने टोकने के पीछे हिंदू धार्मिक ग्रंथों के कई ऐसे नियम है जिन्हें मानना हर व्यक्ति के लिए लाभकारी हो सकता है। इनमें मनुष्य के सुबह उठने से लेकर रात में सोने, खाने यहां तक कि नहाने तक के बारे में विस्तार से जानकारी मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति इन नियमों का पालन करता है तो उसके जीवन में सुख समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है।

पौराणिक कथा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एक बार की बात है एक सरोवर में गोपियां निर्वस्त्र होकर स्नान कर रही थीं। इस दौरान बालकृष्ण में उन सभी के वस्त्र छुपा दिए। ये देख गोपियां हैरान और परेशान हो गईं और उनसे अपने वस्त्र वापस देने के लिए आग्रह करने लगीं। भगवान कृष्ण ने सभी गोपियों को वस्त्र वापस देते हुए इस बात का बोध कराया कि कभी भी निर्वस्त्र होकर स्नान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से जल के देवता वरुण का अपमान होता है। ना सिर्फ खुले स्थान पर बल्कि बंद बाथरूम में भी किसी भी मनुष्य को निर्वस्त्र

स्नान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें शारीरिक और आर्थिक परेशानी का सामना भी करना पड़ सकता है।

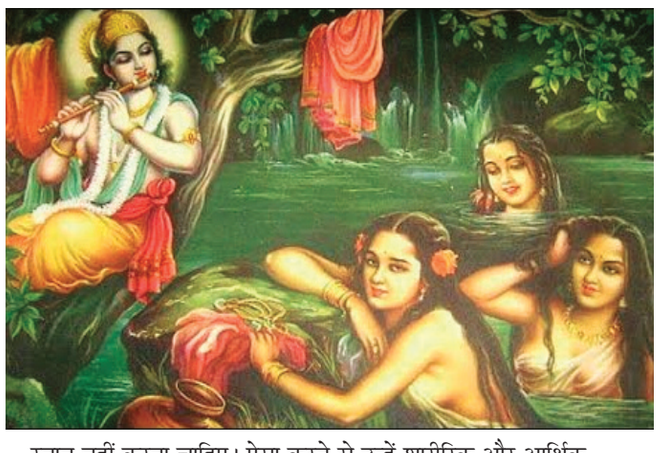

नकारात्मकता का भय

प्रचलित मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति निर्वस्त्र होकर स्नान करता है तो उसके शरीर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। जिसकी वजह से उस व्यक्ति की मानसिकता भी नकारात्मक हो जाती है।

लग सकता है पितृदोष

गरुड़ पुराण के अनुसार जो व्यक्ति निर्वस्त्र होकर स्नान करता है उसे पितृदोष लग सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मान्यता है कि मृतक पूर्वज आपके आसपास ही मौजूद होते हैं। ऐसा करने से आपके पितरों को तृप्ति नहीं मिलती जो पितृदोष का कारण बन सकता है। इससे पूर्वज नाराज होकर बल, धन, सुख और तेज को हानि पहुंचा सकते हैं।

रूठ सकती हैं माता लक्ष्मी

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति बिना कपड़ों के स्नान करता है उससे धन की देवी मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। मां लक्ष्मी के नाराज होने से मनुष्य की कुंडली में धन योग कमजोर हो सकता है और उसकी आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है।

26 की उम्र में उजड़ गई थी शाहरुख़ खान की पूरी दुनिया, मनोज बाजपेयी ने किया खुलासा

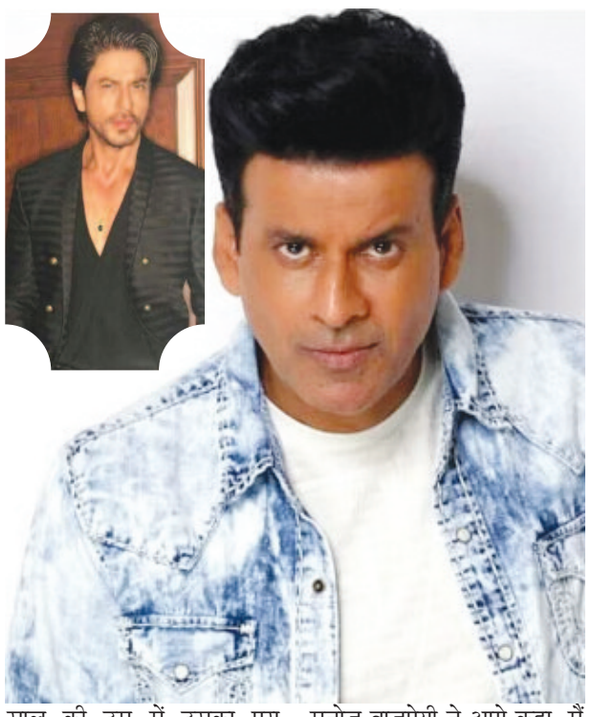

शाहरुख़ खान उस वक्त 26 साल के थे, जब उन्होंने अपना पूरा परिवार खो दिया था। यह खुलासा उनके दोस्त और अभिनेता मनोज बाजपेयी ने एक हालिया इंटरव्यू में किया है। दरअसल, मनोज इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है ' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने शाहरुख़ खान की जमकर तारीफ़ की। मनोज की मानें तो वे शाहरुख़ की बहुत इज्ज़त करते हैं। उनके मुताबिक़, पूरे परिवार को खोने के बाद जिस तरह से शाहरुख़ ने अपने दम पर इंडस्ट्री में मुकाम हासिल किया है, वह काबिल-ए-तारीफ़ है।

शाहरुख़ खान को लेकर क्या कहा मनोज बाजपेयी ने?

मनोज बाजपेयी ने एक हिंदी वेबसाइट से बातचीत में कहा, मुझे बहुत ख़ुशी होती है उसको उस मुकाम पर देखकर, जिस तरह की दुनिया उसने खड़ी की है अपने लिए। एक व्यक्ति जिसकी पूरी दुनिया उजड़ चुकी थी। 26 साल की उम्र में उसका पूरा परिवार जा चुका था। फिर उसने अपनी दुनिया खड़ी की, परिवार अपना क्रिएट किया, अपने लिए इतना बड़ा नाम, इज्ज़त बनाया। मनोज बाजपेयी ने आगे कहा, मैं इसलिए रिस्पेक्ट करता हूं, क्योंकि मैं उसके आसपास सारे दोस्तों में था, जिसने देखा था उसके साथ यह सब होते हुए। मेरे लिए कभी शाहरुख़ के लिए कोई कड़वाहट नहीं हो सकती।

मनोज बाजपेयी ने इस दौरान यह खुलासा भी किया कि फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर के शुरूआती सालों में वे शाहरुख़ खान से सतत रूप से मिलते थे। हालांकि, अब उनके पास एक-दूसरे से मिलने का समय नहो होता, क्योंकि वे अब अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त हैं। हालांकि, मनोज ने यह भी कहा कि वे एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। बता दें कि शाहरुख़ खान के पिता मीर ताज मोहम्मद का इंतकाल जिस वक्त हुआ, तब शाहरुख़ महज 15 साल के थे। इसके 10 साल बाद उन्होंने अपनी मां लतीफ फातिमा को खो दिया था। बात मनोज बाजपेयी की फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' की करें तो इसका निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा अद्रिजा, सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ, केशव सिन्हा और प्रियंका सेतिया जैसे एक्टर्स कई भी अहम भूमिका है।

अनोखा टॉप पहनें घूमने निकल पड़ी शहनाज गिल, देखकर दीवाने हुए फैंस

मनोरंजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस और सिंगर शहनाज गिल अब बॉलीवुड में भी कदम रख चुकी हैं। सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू करने वालीं शहनाज गिल की सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ फैन-फॉलोइंग है।

शहनाज जब भी अपनी कोई फोटो या वीडियो पोस्ट करती हैं, प्रशंसा करने वालों की लाइन लग जाती है।

वहीं शहनाज किसी सार्वजनिक स्थान में स्पॉट होती हैं तो लुक्स से लेकर प्रशंसक के साथ उनके बर्ताव के चर्चे चारों तरफ होते हैं। पिछली रात भी शहनाज गिल ग्लैमरस अवतार में एक इवेंट में पहुंची थीं, जहां से उनका नया वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। शहनाज गिल पिछली रात मुंबई में एक इवेंट के लिए पहुंची थीं, जहां वह व्हाइट पैंट के साथ सेक्सी ऑफ शॉल्डर टॉप में दिखाई दी। शहनाज गिल सेक्सी अदाओं के साथ-साथ अपनी खूबसूरत स्माइल से प्रशंसकों के दिलों पर जादू कर गईं। शहनाज गिल ने पिछली रात इवेंट के लिए स्टाइलिश और सेक्सी आउटफिट के साथ न्यूट्रल मेकअप एवं बालों को जूड़ा बनाकर स्टाइल किया था। शहनाज गिल का नया लुक देख प्रशंसक तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती संग काम करती नजर आएंगी श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर हमेशा ही अपनी एक्टिंग को लेकर चर्चाओं में बनी रहती है , वहीं श्रद्धा कपूर ने रविवार यानी 21 मई 2023 को अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी भी साझा की है।

यह किसी मूवी के टीजर सा दिखाई दे रहा है। वीडियो में श्रद्धा कपूर और राणा दग्गुबाती दिखाई दे रहे है। आपको बता दे कि राणा साउथ मूवी इंडस्ट्री के पॉपुलर अभिनेता है।

खबरों का कहना है कि वीडियो की स्टार्टिंग में लिखा आता है क्लेयर जोनी पेश करते हैं मोस्ट वांटेड। फिर स्टार्टिंग विद श्रद्धा कपूर के साथ एक्ट्रेस की एक झलक दिखाई जा रही है और साथ ही राणा दग्गुबाती भी दिखाई दे रहे है। वीडियो के एंड में लिखा आता है कि यह 1 जून 2023 को देशभर में रिलीज होने जा रही है।

वीडियो में श्रद्धा कपूर काफी डरी हुई और भागती हुई दिखाई दे रही है, वहीं राणा दग्गुबाती पेंट सूट पहने किसी की तलाश में होते है। वीडियो के बैकग्राउंड में सिर्फ एक म्यूजिक सुनाई दे रहा है।

सफलताओं से ज्यादा अपनी असफलताओं से सीखते हैं

कृति सेनन ने दमदार अभिनय के बूते मायानगरी में अपनी जगह पक्की करने में सफलता प्राप्त की है। बेहतरीन अभिनय के साथ ही स्टाइलिश अंदाज के लिए भी फैन्स में लोकप्रिय कृति ने अपने परिवार के बारे में बताने के साथ ही फिल्मों में काम करने से पहले मॉडलिंग के दिनों को याद किया।

परफैक्शनिस्ट हूं मैं

उन्होंने कहा, मेरी मां एक प्रोफैसर हैं और वह ह मा रे परिवार में का म करने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने अपनी पीएच. डी. उस दौरान पूरी की, जब मैं उनके पेट में थी। घर की बड़ी बेटी होने के नाते, कभीकभी आपको मिसाल बनने की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है इसलिए मैंने हमेशा यह महसूस किया है कि मैं जो भी करती हूं, उसे जितना हो सके, अच्छे से करूं। मुझे लगता है कि जन्म से ही यह स्वभाव मेरे अंदर है। जब भी कुछ अच्छा नहीं हो पाता, मुझे चिड़चिड़ाहट होती है। कृति के परिवार में सभी उच्च शिक्षित हैं। खुद उसके पास इंजीनियरिंग की डिग्री है। उसकी मां गीता सेनन दिल्ली यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की प्रोफैसर हैं। वहीं उसके पिता राहुल सेनन एक चार्टर्ड अकाऊंटैंट हैं। उसकी बहन नुपुर सेनन उसी की तरह बॉलीवुड में कदम रखने जा रही है।

पहला फोटोशूट खराब होने पर रुक नहीं रहा था रोना

कृति ने कहा, मैं अपने पहले फोटोशूट के दौरान बहुत नर्वस हो गई थी। बाद में शूट थोड़ा खराब हो गया। मैं रोते हुए घर आई थी, क्योंकि इस बात ने मुझे बहुत परेशान कर दिया था कि मैं अच्छा नहीं कर सकी। हालांकि, समय के साथ लोगों में आत्मविश्वास पैदा होता है। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। मेरा मानना है कि आप अपनी सफलताओं से ज्यादा अपनी असफलताओं से सीखते हैं। मेरा मंत्र है कि मैं अपनी गलतियों से सीखूं और आगे बढ़ूं।

फिल्मों में शुरूआत

कृति ने महेश बाबू के साथ साल 2014 में तेलुगू फिल्म '1 : नेनोक्काडिन' से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। इसी साल उसने टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में कदम रखे और फिर उसे पीछे मुड़ कर नहीं देखना पड़ा। 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी', 'मिमी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से उसने सबको खूब प्रभावित किया है।

अगली फिल्में

कृति बहुत जल्द ओम राऊत की बहुप्रतीक्षित बिग बजट फिल्म' आदिपुरुष' में नजर आएगी। इस फिल्म में उसके साथ प्रभास, सैफ अली खान नजर आएंगे। फिल्म रामायण पर आधारित है जिसमें उन्होंने माता सीता का रोल किया है जबकि प्रभास ने श्री राम का। वहीं फिल्म 'द क्रू' में वह करीना और तब्बू संग दिखाई देगी। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, अभी मैं 'द क्रू' के लिए शूटिंग कर रही हूं, जो मेरे लिए एक बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

मैं दो बेहतरीन अभिनेत्रियों के साथ काम कर रही हूं। आमतौर पर हम कई हीरो के साथ काम करती हैं, लेकिन दो बड़ी फीमेल लीड के साथ काम करना एक सपने जैसा है और यह बहुत मजेदार है। इन दो फिल्मों के अलावा वह फिल्म ' गणपत' और एक रोमांटिक कॉमेडी में भी काम कर रही है जिसका नाम अभी तय नहीं है।

करोड़ों की कमाई

एक रिपोर्ट के अनुसार कई सफल फिल्मों का हिस्सा रह चुकी कृति सेनन की नैट वर्थ 80 करोड़ रुपए है जबकि उसकी महीने की कमाई 30 लाख रुपए है। वहीं सालाना आय 4 करोड़ रुपए है। इसके अलावा उसके पास कुल सम्पत्ति 18 करोड़ रुपए की है। कृति ने यह कमाई फिल्मों में अपने अभिनय करियर के साथ ही विज्ञापनों, टी.वी. शो और अवॉर्ड शो के माध्यम से की है। कृति की सोशल मीडिया पर भी काफी फैन फॉलोइंग है जिसके चलते वह अपने इंस्टाग्राम पेज पर ब्रांड्स और उत्पादों को प्रमोट करती है। वह कई तरह के बिजनैस का भी हिस्सा है। जैसे कि 'मिस टेकन' नामक एक फैशन लेबल की वह सह-मालकिन है। वहीं उसने एक टैक स्टार्ट-अप में भी निवेश किया है।

कान्स 2023 में डायना पेंटी ने लगाया ग्लैमर का तड़का

दुनिया के सबसे बड़े कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर हसीनाओं का जलवा देखने के लिए मिल रहा है। अब तक सारा अली खान, उर्वशी रौतेला, ऐश्वर्या राय और मृणाल ठाकुर जैसी बॉलीवुड एक्ट्रेसेस कान्स में अपना जलवा भिखेरते हुए दिखाई दे रही है।

वहीं, अब हाल ही में कॉकटेल एक्ट्रेस डायना पेंटी ने भी इस इंटरनेशनल शो में एंट्री मारी और अपने स्टनिंग लुक से सबका दिल जीत चुकी है। उनकी ये फोटोज अब इंटरनेट पर खूब देखी जा रही हैं और उन्हें फैंस की खूब तारीफें भी मिलने लगी है। लुक्स के बारें में बात की जाए तो इस बीच डायना स्पार्कलिंग गोल्डन अटायर में ग्लैमरस का तड़का लगाती हुई दिखाई दे रही है। स्टाइलिश ब्लाउज के साथ एक्ट्रेस ने गोल्डन लॉन्ग बॉडीफिट स्कर्ट कैरी कर रखा है, इसमें वो अप्सरा सी हसीन लग रही हैं। कानों में मैचिंग ईयररिंग्स, हाथों में कई सारे रिंग्स और बोल्ड मेकअप से अभिनेत्री ने अपने लुक को पूरा कर रखा है। लंबे काले बालों के साथ डियाना पोज देती हुईं अपनी दिलकश अदाओं से हर किसी को कायल करती हुई दिखाई दे रही है। वर्क फ्रंट के बारें में बात की जाए तो डायना पेंटी ने एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था और उन्होंने दीपिका पादुकोण और सैफ अली खान की मूवी Cocltail के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। डायना पेंटी ने हैप्पी भाग जाएगी, परमाणुः द स्टोरी ऑफ पोखरण, लखनऊ सेंट्रल जैसी कुछ मूवीज में भी नजर आ चुकी है। उन्हें आखिरी बार अक्षय कुमार और इमरान हाशमी के साथ फिल्म सेल्फी में देखा गया था।

'परवीन बॉबी' की बायोपिक में नजर आयेगी उर्वशी रौतेला

परवीन बॉबी की गिनती अपने दौर की दिग्गज अभिनेत्रियों में होती है। परवीन का जीवन कई ऊतार-चढ़ावों से भरा रहा और अब उनकी जिंदगी पर एक खास फिल्म बनने जा रही है। 'दीवार', 'कालिया', 'अमर अकबर एंथनी' और 'नमक हलाल' जैसी फिल्मों से लाखों-करोड़ों दर्शकों को अपना दीवाना बना लेने वाली इस शानदार अभिनेत्री का मुख्य किरदार निभाने का जिम्मा उर्वशी रौतेला को सौंपा गया है।

इतना ही नहीं, इन दिनों जारी कान फिल्म फैस्टिवल2023 में भी परवीन की बायोपिक के फोटो लॉन्च इवेंट में उर्वशी हिस्सा ले रही है।

सूत्रों की मानें तो कान फैस्टिवल में परवीन की बायोपिक के फोटोकॉल लॉन्च में उर्वशी विशेष रूप से मौजूद रहने वाली है। बताया जा रहा है कि बहुप्रतीक्षित परवीन बॉबी बायोपिक का पहला पोस्टर या फोटो इस फैस्टिवल के मंच से ही लॉन्च होगा।

परवीन बॉबी की बायोपिक में अपने काम करने की पुष्टी करते हुए उर्वशी ने कहा, ₹हां, आपने सही सुना है। मैंने इसे साइन कर लिया है और एक एक्ट्रैस के रूप में परवीन बॉबी की बायोपिक में मैं लीड रोल करूंगी।

"मैं वास्तव में बहुत खुश हूं साथ ही कान फिल्म फैस्टिवल की आभारी हूं, क्योंकि यह दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फैस्टिवल्स में से एक है। यह फिल्म मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। उर्वशी जल्द रिलीज होने जा रही वैब सीरीज 'इंस्पैक्टर अविनाश' में भी एक अहम रोल में नजर आने वाली है। इसमें वह रणदीप हुड्डा के के अपोजिट काम कर रही है।

'कम्प्यूटर साइंस' व 'कम्प्यूटर इंजीनियरिंग' में क्या अंतर है

वर्तमान समय टैक्नोलॉजी का है, जिसमें कम्प्यूटर साइंस की अहम भूमिका है। छात्र कम्प्यूटर साइंस से संबंधित कोर्स कर इस फील्ड में शानदार करियर बना सकते हैं। यही वजह है कि टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने वाले ज्यादातर छात्रों की पहली पसंद कम्प्यूटर साइंस तथा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग बनी हुई है । हालांकि, ज्यादातर लोग कम्प्यूटर साइंस और कम्प्यूटर इंजीनियरिंग को एक ही मानते हैं, हालांकि ये दोनों ही एक-दूसरे से भिन्न हैं।

कम्प्यूटर साइंस

इसमें कम्प्यूटर प्रोसैस व डाटा का अध्ययन किया जाता है। इसमें उन सभी प्रक्रियाओं की स्टडी की जाती है जो डाटा से संबंधित होते हैं। इस क्षेत्र में भी चार मुख्य क्षेत्र होते हैं- कम्प्यूटर प्रिंसिपल, साइंटिफिक कम्प्यूटिंग, हार्डवेयर सिस्टम, सॉफ्टवेयर सिस्टम ग्रैजुएशन स्तर पर छात्र कम्प्यूटिंग विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में सीखते और कई क्षेत्रों में प्रोजैक्ट्स में भाग लेते हैं। ग्रैजुएशन लैवल पर कम्प्यूटिंग के सिद्धांत और सॉफ्टवेयर सिस्टम डिजाइन करने की प्रैक्टिस के बारे में सिखाया जाता है।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग

यह इंजीनियरिंग की एक ब्रांच है जो कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिवैल्प करने के लिए कम्प्यूटर साइंस को इलैक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के साथ इंटीग्रेट करती है। कम्प्यूटर इंजीनियर कम्प्यूटिंग के कई पहलुओं में शामिल है सर्किट डिजाइन से लेकर माइक्रोकंट्रोलर, माइक्रोप्रोसैसर, पर्सनल कम्प्यूटर और सुपर कम्प्यूटर के डिजाइन तक । कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के प्रमुख टैक्निकल क्षेत्र साइबर सुरक्षा, नैटवर्किंग, डिजाइन ऑटोमेशन, मशीन इंटैलिजैंस, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और बायोमैडिकल और एम्बेडेड सिस्टम हैं।

कम्प्यूटर साइंस के कोर्स

कम्प्यूटर साइंस में छात्रों के लिए डिग्री और डिप्लोमा के कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिन्हें छात्र 12वीं के बाद कर सकते हैं। इन कोर्सों में छात्र कम्प्यूटिंग विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में सीखते हैं।

ग्रैजुएशन लैवल पर छात्रों को कम्प्यूटिंग के सिद्धांत और सॉफ्टवेयर सिस्टम डिजाइन करने की प्रैक्टिस के बारे में सिखाया जाता है। वहीं डिप्लोमा के कोर्स में छात्रों को प्रोग्रामिंग, कम्प्यूटर फंडामैंटल्स एंड प्रोग्रामिंग, कम्प्यूटर एप्लिकेशन, पी.सी.-सॉफ्टवेयर, स्ट्रक्वर्ड सिस्टम एनालिसिस एंड डिजाइन, ऑपरेटिंग सिस्टम और प्रोग्रामिंग इन विजुअल जैसे बेसिक विषयों की जानकारी दी जाती है।

कम्प्यूटर साइंस में रोजगार विकल्प

वैब डिवैल्पर

कोर्स के बाद ज्यादातर छात्र वैब डिवैल्पर बनना पसंद करते हैं। एक वैब डिवैल्पर का कार्य वैबसाइट की कोडिंग, लेआऊट और डिजाइन तैयार करना होता है। वे आवश्यकतानुसार वैबसाइटों को मेंटेन और स्केल भी करते रहते हैं ।

एप्लीकेशन डिवैल्पर

एप्लिकेशन डिवैल्परों का कार्य सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन तैयार करना है। वे किसी भी एप्लिकेशन को अपडेट और मॉडिफाई करते हैं। किसी भी कम्पनी के साथ जुड़ने पर इनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन विकसित करना शामिल है।

डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर की जॉब काफी कठिन मानी जाती है। इनका कार्य कम्पनी को डाटा उपलब्ध कराना और उसे करप्ट या हानि से सुरक्षित बनाना होता है। उनकी मुख्य ड्यूटी में डाटाबेस का मैनेजमैंट करना, बैकअप को डिजाइन करना और लागू करना शामिल होता है।

कम्प्यूटर साइंटिस्ट

कम्प्यूटर साइंटिस्ट इस फील्ड का मूल है। इनका कार्य नई तकनीकों को इजाद करना और उन्हें साइंस या बिजनैस में वास्तविक समस्याओं पर लागू करना होता है। इनका मुख्य कार्य एल्गोरिदम डिवैल्प करना और उसे उपयोग के लिए आसान बनाना भी है।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के कोर्स

इसमें प्रमुख कोर्स बी.टैक कम्प्यूटर साइंस है, जिसके बाद ढेरों अवसर हैं। दुनिया भर में आई.टी. सैक्टर में सबसे अच्छा प्लेसमैंट मुहैया कराया जाता है। कई कम्पनियां / संगठन छात्रों के चयन के लिए कैम्पस प्लेसमैंट में हिस्सा लेते हैं। इसके बाद एम. टैक (मास्टर ऑफ टैक्नोलॉजी), मास्टर्स इन इंजीनियरिंग जैसे कोर्स किए जा सकते हैं ।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में रोजगार विकल्प

कम्प्यूटर इंजीनियर

वे सॉफ्टवेयर को डिवैल्प, टैस्ट और उनका मूल्यांकन करते हैं। वे कम्प्यूटर गेम, बिजनैस एप्लिकेशन और यहां तक कि नए ऑपरेटिंग सिस्टम पर भी काम कर सकते हैं।

क्वालिटी एश्योरैंस इंजीनियर

वे प्रोडक्ट की क्वालिटी सुनिश्चित करने के लिए टैस्ट डिवैल्प करते हैं ।

हार्डवेयर इंजीनियर

हार्डवेयर इंजीनियर हार्डवेयर का डिजाइन, डिवैल्प और टैस्ट करते हैं ।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के डिजाइन और डिवैल्पमंट के लिए गणितीय विश्लेषण और कम्प्यूटर साइंस के प्रिंसिपल को लागू करते हैं।

'तकनीक' के दुष्प्रभावों से ऐसे बचें

वर्तमान समय में हमारे जीवन को आसान बनाने में टैक्नोलॉजी का बहुत बड़ा हाथ रहा है। टैक्नोलॉजी के ही कारण आज घर पर बैठ कर सभी तरह के काम मिनटों में हो जाते हैं।

कोई भी काम हो, चाहे वह टिकट बुकिंग करना हो, इंटरनैट से शिक्षा ग्रहण करना हो, या व्यापार करना हो आदि सभी काम टैक्नोलॉजी द्वारा हो जाते है। आज हमारा देश टैक्नोलॉजी के मामले में किसी भी देश से कम नहीं है। देश के होनहार वैज्ञानिकों व इंजीनियरों की मदद से आज हमने उन्नत टैक्नोलॉजी में महारत कर ली है।

प्रौद्योगिकी के आगमन के बाद से आपसी सम्पर्क कम होता जा रहा है। लोग आमने-सामने बातचीत करने के बजाय ऑनलाइन मिलने और बधाई देने की प्रवृत्ति रखते हैं। यह अंततः अलगाव और समाज से अलग होने की भावना का परिणाम है।

कई अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि समाज के साथ कम सम्पर्क ने अवसाद और सामाजिक चिंता जैसे विभिन्न प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को और बढ़ाया है। साथ ही ए. आई. यानी कृत्रिम बुद्धि की तकनीक जिस तेजी से विकास कर रही है, उससे नौकरी को लेकर असुरक्षा की भावना बढ़ी है। गैजेट्स की लत भी जीवन को प्रभावित करने लगी है।

टैक्नोलॉजी के फायदे या नुक्सान तो मनुष्य के हाथ में हैं इसलिए इन सुविधाओं एवं टैक्नोलॉजी का प्रयोग अपनी जरूरत एवं सुविधा के अनुसार करें। इसका दुरुपयोग न करें जिससे भविष्य में दुष्प्रभाव सहना पड़े।

जब सहकर्मी करे 'बॉस से आपकी शिकायत

बहुत बुरा लगता है जब कोई सहकर्मी आपकी शिकायत लेकर सीधे मैनेजर के पास चला जाता है। ऐसा करके वह न केवल आपका भरोसा तोड़ता है बल्कि बॉस के सामने आपकी छवि भी खराब कर देता है ।

क्या करना चाहिए जब कोई इस तरह आपको अनदेखा करे। ऐसी स्थिति में बेहद सोच-समझ कर ही कदम उठाना चाहिए।

जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष न निकालें

हो सकता है आप सोच रहे हों कि आपके सहकर्मी ने सीधे बॉस के पास जाकर ठीक नहीं किया। उसे पहले आपसे बात करनी चाहिए थी या बॉस के पास आपको भी साथ लेकर जाना चाहिए था । यह भी सम्भव है कि आप इस स्थिति को गलत आंक रहे हों केवल तथ्यों पर ध्यान दें।

सहकर्मी से बात करें

साथी से अकेले में बात करें। बातचीत शुरू करने से पहले खुद को याद दिलाएं कि चाहे जो हो, आपको खुले दिमाग से बात करनी है। पहले उनकी बात सुननी है, बाद में अपनी बात रखनी है। बातचीत के दौरान अन्तिम लक्ष्य पर फोकस बनाए रखें। फिर चाहे वो विश्वास हासिल करना हो या अपने अधिकारों की रक्षा करना । बॉस का विश्वास

जीतने की कोशिश करें

सहकर्मी के सम्बन्ध ठीक हो जाएं तो अपने मैनेजर के साथ बैठें और उनसे भी बात करें। जो हुआ वह आखिर कैसे हुआ और क्यों हुआ, उन्हें पूरी बात बताएं। हो सके तो उन्हें इस बात का विश्वास दिलाएं कि इस तरह की परिस्थिति दोबारा पैदा नहीं होगी ।

दुल्हन के लिए स्टाइलिश कमरबंद के बेहतरीन कलेक्शन

ज्वेलरी के बिना दुल्हन का श्रृंगार अधूरा ही माना जाता है। मांग टीका, नेकलेस, नथ, चूड़ा, पायल, हाथबंद और बाजूबंद यह सारी चीजें दुल्हन की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती हैं। दुल्हन के श्रृंगार में कमरबंद का भी अहम रोल होता है। सिर्फ शादी वाले दिन ही नहीं इसके अलावा भी कमरबंद को महिलाएं आसानी से पहन सकती हैं। आज आपको कमरबंद के कुछ अलग-अलग डिजाइन्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

डायमंड कमरबंद

इन दिनों डायमंड ज्वेलरी का क्रेज काफी बढ़ गया है। शादी या पार्टी में सबसे अलग और

भगवान की तस्वीर वाला कमरबंद

अगर आपको ट्रैडिशनल चीजें पहनना पसंद है तो भगवान की तस्वीर वाले कमरबंद चूज कर सकते हैं। यह आपके लुक को रॉयल बनाने का काम करेगा। साउथ इंडियन दुल्हनें इस तरह के कमरबंद पहनना ज्यादा पसंद करती हैं।

खूबसूरत दिखने के लिए आप हीरे से जड़ा कमरबंद पहन सकते हैं। सिल्वर लहंगे के साथ कमरबंद ज्वेलरी पूरे लुक में चार- चांद लगा देगी।

पर्ल कमरबंद

पर्ल का एवरग्रीन फैशन सिर्फ हेयर बैंड या नेकलेस में नहीं बल्कि कमरबंद में भी देखने को मिल रहा है। मोतियों से जड़ा कमरबंद आपको भीड़ में से हटकर एक अलग ही लुक देगा।

कुंदन कमरबंद

थ्री लेयर कमरबंद

थ्री लेयर कमरबंद का डिजाइन भी काफी ट्रेंड में है। तीन अलग-अलग लेयर्स वाला ये कमरबंद दुल्हन के लिए परफेक्ट रहेगा। इसमें आपको कई तरह के डिजाइन्स मिल जाएंगे ।

पर्ल की तरह कुंदन का फैशन भी एवरग्रीन है और यह कभी पुराना नहीं होता। साड़ी या लहंगे के साथ आप कुंदन से तैयार किया कमरबंद कैरी कर सकती हैं।

यह सिंपल और अट्रैक्टिव होने के साथ आपके लुक को यूनिक बनाने का काम करेगा। वेडिंग डे के अलावा इसे खास दिन में भी आसानी से कैरी किया जा सकता है।

सिल्वर ऑक्सीडाइज्ड कमरबंद

ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी की तो बात ही निराली है, इसमें ईयररिंग्स से लेकर नेकलेस सभी के अलग और यूनिक डिजाइन्स मिल जाएंगे। इस तरह के कमरबंद आप आर्डर देकर अपने बजट के अनुसार भी बनवा सकते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

-हमेशा ड्रेस के अनुसार ही कमरबंद कैरी करें। सिंपल लहंगे और साड़ी के साथ हैवी कमरबंद कैरी करें।

-हैवी कमरबंद को लहंगे या साड़ी के वेस्ट लाइन के नीचे ही पहनें।

-गोल्ड, सिल्वर या मोती या कुंदन से जड़े कमरबंद कैरी करने से पहले चेक कर लें कि वह आपको चुभ तो नहीं रहे।

इंडियन एयरफोर्स ने एएफसीएटी भर्ती के लिए नोटिस किया जारी:1 जून 2023 से करें आवेदन, 276 पदों पर होगी भर्ती

भारतीय वायुसेना ने एएफसीएटी भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके तहत ऑफिसर के पदों पर ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। इंडियन एयर फोर्स एएफसीएटी रिक्रूटमेंट 2023 के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 जून से शुरू होंगे। आवेदन करने की आखिरी तारीख 30 जून 2023 तक है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : फ्लाइंग ब्रांच : फिजिक्स और मैथ्स में 50 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं, ग्रेजुएशन 60% अंकों के साथ। ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी) : 12वीं फिजिक्स और मैथ्स हर सब्जेक्ट में 50% अंकों के साथ, बी.टेक 60% अंकों के साथ। ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) : ग्रेजुएशन 60% अंकों के साथ होना जरूरी है।

एज लिमिट :फ्लाइंग ब्रांच : 20 से 24 वर्ष के बीच। उम्र की गिनती 1 जुलाई 2023 को आधार मानकर होगी। ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल एंड नॉन टेक्निकल) ब्रांच : 20 से 26 वर्ष। उम्र की गिनती 1 जुलाई 2023 को आधार मानकर की जाएगी। सिलेक्शन प्रोसेस : लिखित परीक्षा

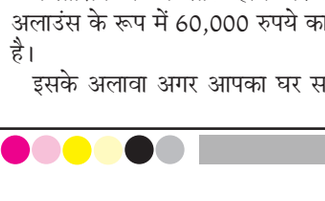

ऑफिशियल वेबसाइट afcat.cdac.in/afcatreg पर जाएं।
अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
इंडियन एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट पर क्लिक करें।
आवेदन फॉर्म में पूछे गए सभी डिटेल्स भरें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

एसबीआई का 11 वां यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप प्रोग्राम:31 मई तक करें अप्लाई, ऑनलाइन असेसमेंट और इंटरव्यू से होगा सिलेक्शन

एसबीआई के 11वें 'यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप' प्रोग्राम के लिए आवेदन जारी है। इस फेलोशिप के लिए 21 से 32 साल तक के उम्मीदवार 31 मई तक आवेदन कर सकते हैं। इस 11 महीने के प्रोग्राम के लिए भारत के नागरिकों के अलावा नेपाल, भूटान, और ओवरसीज सिटीजन अप्लाई कर सकते हैं।

इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम का महत्व

यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम युवाओं को ग्रामीण लोगों के साथ रहने और काम करने का मौका देती है। चुने गए उम्मीदवार गांव के विकास की चुनौतियों को हल करने में मदद कर सकते हैं।

इस फेलोशिप के फायदे

फेलोशिप में युवाओं को हर महीने 15,000 रुपये का खर्च दिया जाता है।हर महीने 1000 रुपये ट्रांसपोर्ट का खर्च भी दिया जाता है।

प्रोजेक्ट पर चल रहे काम को लेकर 1000 रुपये खर्च दिया जाता है।

फेलोशिप के कंप्लीट होने पर रिएडजस्टमेंट अलाउंस के रूप में 60,000 रुपये का लाभ मिलता है।

इसके अलावा अगर आपका घर साइट से दूर हैं तो ट्रेन का खर्च और ट्रेनिंग के दौरान हुआ खर्च भी दिया जाएगा।

सिलेक्शन प्रोसेसः इसके पहले स्टेज में रजिस्ट्रेशन करने के बाद ऑनलाइन असेसमेंट किया जाता है। इस समय फेलोशिप को चुनने का कारण और काफी सारे सवाल पुछे जाएंगे।

इसके बाद इंटरव्यू होता है। जिसमें आवेदक की योग्यता और वर्क एक्सपीरियंस पूछा जाता है। इसके अलावा फैक्टर्स के आधार पर इंफॉर्मड डिसीजन लेने की व्यक्ति की समझ आदि को देखा जाता है। इसके बाद कैंडिडेट्स का सिलेक्शन होता है। इसमें युवाओं को प्रोजेक्ट से जुड़ी डिटेल्स के बारे में बताया जाता है और सिलेक्ट कर लिया जाता है।

जीईएम पोर्टल से खरीद के मामले में एसबीआई 'सुस्त', केनरा बैंक सबसे आगे

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। देश का सबसे बड़ा ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) बीते वित्त वर्ष 2022-23 में सरकारी जीईएम पोर्टल से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के मामले में अन्य बैंकों...मसलन केनरा बैंक और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से काफी पीछे रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि केनरा बैंक 2022-23 में जीईएम पोर्टल से खरीद के मामले में सबसे आगे रहा है। बीते वित्त वर्ष में केनरा बैंक ने इस पोर्टल के जरिये 592.82 करोड़ रुपये की खरीद की है। पीएनबी 164.57 करोड़ रुपये की खरीद के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक (159.82 करोड़ रुपये), एसबीआई (158.22 करोड़ रुपये), इंडियन बैंक (111.59 करोड़ रुपये), बैंक ऑफ इंडिया (63.81 करोड़ रुपये) का नंबर आता है। बीते वित्त वर्ष में बैंक ऑफ बड़ौदा ने जीईएम पोर्टल के माध्यम से 48.63 करोड़ रुपये की खरीद की। इसके बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (37.03 करोड़ रुपये), बैंक ऑफ महाराष्ट्र (10.26 करोड़ रुपये), पंजाब एंड सिंध बैंक (9.98 करोड़ रुपये), यूको बैंक (5.30 करोड़ रुपये) और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (4.54 करोड़ रुपये) का स्थान रहा। इस बारे में एसबीआई को भेजे गए ई-मेल का जवाब नहीं मिला था। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए जीईएम पोर्टल नौ अगस्त, 2016 को शुरू किया गया था।

पीएम मोदी 2000 का नोट लाना ही नहीं चाहते थे

प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव ने बताई क्या थी मजबूरी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार (19 मई) को 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा कर दी है। यह फैसला 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत लिया गया है। लेकिन महज, 7 वर्षों के अंदर ही इस बड़े नोट को बंद करने का निर्णय क्यों करना पड़ा? इसको लेकर कई किस्म के सवाल किए जा रहे हैं।

इसी बीच अब पीएम मोदी के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र ने कहा है कि प्रधानमंत्री 2000 का नोट लाना ही नहीं चाहते थे। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि, 2016 में की गई नोटबंदी के बाद पीएम मोदी नहीं चाहते थे कि इतना बड़ा नोट बाजार में आए, मगर 1000

रुपए का नोट बंद करने के बाद शॉर्ट टर्म मूव के रूप में इसे जारी करना पड़ा। बता दें कि नृपेंद्र मिश्र नोटबंदी के दौरान पीएम मोदी के प्रधान सचिव के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी का मानना था कि 2,000 का नोट रोज़ाना के लेनदेन के लिए सही नहीं है। इसके साथ ही यह कालेधन और टैक्स चोरी को भी बढ़ावा दे सकता है। प्रधानमंत्री की शुरू से यही सोच थी कि बाजार में कम कीमत के नोट हों, जिससे लोगों को सुविधा हो। बता दें कि, भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले ही 2000 के नोटों की छपाई कम कर दी थी। इसके बाद मार्केट में 2000 के नोट कम ही रह गए थे।

एटीएम से भी 2000 के नोट नहीं निकल रहे थे। इन नोटों का पहले सर्कुलेशन घटाया गया और फिर 30 सितंबर 2023 से इन्हें पूरी तरह बंद करने की घोषणा कर दी गई। इस पर नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि, 'भारतीय रिजर्व बैंक का यह कदम नोटबंदी की तरह नहीं है, बल्कि यह एक रूटीन प्रक्रिया है।' नृपेंद्र मिश्रा ने आगे कहा कि, 2000 रुपये के नोटों को वापस लेना प्रधानमंत्री मोदी के मॉड्युलर बिल्डिंग अप्रोच को दर्शाता है। 2018-19 में ही इसकी छपाई बंद कर दी गई थी।

नोटबंदी के दौरान 500 और 1000 के नोटों के बंद होने के बाद इस नोट को जारी किया गया था। जब बाजार में 500. 200 और 100 के नोट आ गए तो इन नोटों को घटाया जाने लगा। वित्त सचिव टी सोमनाथन ने कहा कि यह नोटबंदी जैसा निर्णय नहीं है और अर्थव्यवस्था पर इसका कोई असर नहीं पड़ने वाला है।

रेलवे का ये कोटा आपको दिलाएगा 100 फीसदी तक कंफर्म टिकट

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। रेलवे तत्काल के अलावा प्रीमियम तत्काल कोटा कंफर्म टिकट बुक करने के लिए पेश करता है. हालांकि ये आसान प्रॉसेस नहीं है. इसके अलावा, एक और कोटा है, जिसमें 100 फीसदी तक कंफर्म टिकट मिलने का चांस रहता है. यह कोटा एचओ है. इसे हेड क्वार्टर या हाई ऑफिशियल कोटा भी कहा जाता है. साथ ही इसे इमरजेंसी और वीआईपी कोटा भी कह सकते हैं. इस कोटे का उपयोग टिकट बुकिंग के दौरान नहीं किया जाता है. पहले वेटिंग टिकट लेना होता है. इसके बाद इस कोटे के तहत कंफर्म की जाती है. यह इमरजेंसी में यात्रा करने वाले या फिर वीआईपी लोगों के लिए होता है. वीआईपी लोगों को इसके तहत सुविधा दी जाती है, लेकिन कुछ खास परिस्थिति में आम लोगों को सुविधा दी जाती है. आम आदमी भी एचओ कोटे के तहत कंफर्म टिकट की बुकिंग करा सकता है. हालांकि इसके लिए उसे इमरजेंसी जैसा कुछ दिखाना होगा, जिसके लिए आपको दस्तावेज पेश करना होगा. इसके बाद आवेदन पत्र भरना होगा और इसे वेरिफाई भी करवाना होगा. अगर सब ठीक रहा तो कंफर्म टिकट जारी किया जाएगा.

सरकार का 440 वोल्ट का झटका आया काम

एक साल में डिस्कॉम पर जेनको का बकाया एक-तिहाई घटा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बिजली उत्पादकों (जेनको) का बकाया इस साल मई में करीब एक-तिहाई घटकर 93,000 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले साल जून में विलंब भुगतान अधिभार (एलपीएस) नियम लागू किया गया था। उसके बाद से एक साल से भी कम समय में डिस्कॉम के बकाया में काफी कमी आई है। पिछले साल तक डिस्कॉम पर जेनको का बकाया मुख्य रूप से क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला को प्रभावित कर रहा था। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल जून में एलपीएस योजना शुरू होने के समय डिस्कॉम का बकाया 1.39 लाख करोड़ रुपये था। 'प्राप्ति'(पेमेंट रैटिफिकेशन एंड एनालिसिस इन पावर प्रोक्योरमेंट फॉर ब्रिंगिंग ट्रांसपेरेंसी इन इन्वॉयसिंग ऑफ जेनरेटर) पोर्टल के अनुसार, अब कुल बकाया राशि घटकर 93,000 करोड़ रुपये रह गई है। बिजली खरीद लेनदेन में पारदर्शिता लाने के लिए प्राप्ति पोर्टल मई, 2018 में शुरू किया गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि एलपीएस नियमों को सख्ती से लागू करने से बिजली क्षेत्र अधिक व्यवहार्य हो सकता है। यह नियम सुनिश्चित करता है कि डिस्कॉम बकाया का भुगतान समय पर करें। इस योजना से डिस्कॉम में वित्तीय अनुशासन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पिछले सप्ताह गंवाए 10 बिलियन डॉलर अडानी को हो सकता है अभी और नुकसान

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। साल 2023 का पांचवां महीना समाप्त होने की कगार पर है, लेकिन अडानी समूह के लिए बुरे दिन समाप्त होने का नाम नहीं ले रहे हैं. साल की शुरुआत में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से लगे झटके के बाद समूह को संभलने का मौका नहीं मिल पा रहा है. पिछले सप्ताह भी अडानी समूह के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई, जिसके चलते अडानी की कंपनियों को मार्केट कैप के मामले में बड़ा नुकसान उठाना पड़ गया.

3 महीने का सबसे बुरा सप्ताह

19 मई को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान अडानी समूह की कंपनियों को एमकैप में 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ गया. हालांकि इसके बाद भी अडानी समूह के लिए मुश्किलें समाप्त नहीं हुई हैं. फरवरी 2023 के बाद के सबसे बुरे सप्ताह के बाद अब अडानी समूह के सामने और नुकसान का खतरा है. इस कारण आने वाले दिनों में इन्हें और बिकवाली से जूझना पड़ सकता है.

भारतीय बाजारों में कौन झोंक रहा है पैसा

मई के तीन हफ्ते में कर डाला 30,945 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय बाजारों से बीते साल रूठ गये विदेशी निवेशक अब वापस आने लगे हैं। मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद, ब्याज दरों में कमी की संभावना, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों और शेयरों के मूल्यांकन में गिरावट के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) मई में अबतक भारतीय शेयर बाजार में 30,945 करोड़ रुपये डाले हैं। इसके साथ एफपीआई का भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध प्रवाह इस साल 16,365 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे चलकर भारतीय अर्थव्यवस्था तथा कंपनियों की आमदनी बढ़ने की संभावनाओं के बीच भारत में एफपीआई का निवेश प्रवाह जारी रहेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने दो मई से 19 मई के दौरान भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 30,945 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले अप्रैल में उन्होंने शेयरों में शुद्ध रूप से 11,630 करोड़ रुपये और मार्च में 7,936 करोड़ रुपये डाले थे। मार्च का निवेश मुख्य रूप से अमेरिका स्थित जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडाणी समूह की कंपनियों में आया था। इसके अलावा, 2023 के पहले दो माह में एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 34,000 करोड़ रुपये से अधिक निकाले थे। मई में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 1,057 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

आईपीओ : अगले हफ्ते इस डेंटल कंपनी का खुलेगा आईपीओ

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। अगर आप इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) में पैसे लगाना पसंद करते हैं तो आपके लिए एक सुनहरा मौका है. डेंटल कंपनी आपके लिए कमाई का एक शानदार मौका लेकर आई है. अगले हफ्ते डेंटल सामान बनाने वाली इस कंपनी का आईपीओ आने वाला है. यह आईपीओ 23 मई, 2023 यानी मंगलवार के दिन खुलेगा. इस आईपीओ के जरिए कंपनी 54.07 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही है. ऐसे में अगर आप भी इसमें पैसे लगाने के बारे में सोच रहे हैं तो सबसे पहले इसके बारे में कुछ अहम जानकारी प्राप्त कर लें. वासा डेंटिसिटी ने इस आईपीओ का प्राइस बैंड 121 से 128 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया है. अगर रिटेल निवेशक इस आईपीओ में निवेश करना चाहते हैं तो उन्हें इसके लिए लॉट में अप्लाई करना होगा. ऐसे में निवेशकों को इस आईपीओ में आपको कम से कम 1.28 लाख रुपये का निवेश करना होगा.

21 मई को फ्यूल की कीमतें:पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्लीआज यानी 21 मई को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर है तो डीजल 89.62 रुपए लीटर के हिसाब से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। राजस्थान और मध्यप्रदेश सहित देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बना हुआ है। बीते 1 साल से पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं।

राजस्थान में सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल

भारत में सबसे महंगा फ्यूल राजस्थान के श्रीगंगानगर में बिक रहा है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 113.30 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 98.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है। वहीं महाराष्ट्र के परभणी में पेट्रोल 109.26 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.66 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं पोर्ट ब्लेयर में सबसे सस्ता पेट्रोल-डीजल बिक रहा है। यहां पेट्रोल की कीमत 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल का भाव 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

16 राज्यों में पेट्रोल 100 के ऊपर

देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, तेलंगाना, पंजाब, झारखंड, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए के ऊपर बिक रहा है। वहीं डीजल भी ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 100 रुपए से ऊपर है।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहनों में गिरावट, सरसों में मामूली सुधार

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। विदेशों में खाद्य तेलों के भाव टूटने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सस्ते आयातित तेलों के आगे महंगा बैठने वाले देशी तेल-तिलहनों की कीमतों के टिक नहीं पाने के कारण सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली। दूसरी ओर नीचे भाव में बिकवाली से बचने के लिए किसानों के द्वारा मंडियों में रोक- रोक कर अपनी उपज लाने के कारण सरसों तेल-तिलहन कीमतों में मामूली सुधार रहा। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्य तेलों के दाम में भारी गिरावट आई है और किसान नीचे भाव में बिकवाली से बचने के लिए मंडियों में कम उपज ला रहे हैं। असमंजस के बीच केवल मजबूरी में थोड़ी बहुत मात्रा में जरूरतमंद किसान बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि, आयातित तेलों के दाम टूटने की वजह से सरसों किसान भारी दबाव में हैं क्योंकि उनका माल खप नहीं रहा है।

इन सभी स्थितियों के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में सरसों तेल-तिलहन कीमतों में मामूली सुधार है। सूत्रों ने कहा कि पिछले साल सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,050 रुपये क्विंटल था और किसानों को बाजार से अपनी उपज के लिए 7,000 के लगभग दाम मिले थे। लेकिन इस बार सरसों का एमएसपी 5,450 रुपये क्विंटल है लेकिन बाजार में किसानों को हाल ही में 4,600-4,700 रुपये क्विंटल के दाम मिले हैं।

सूत्रों ने कहा कि ब्राजील और अमेरिका में इस बार बंपर सोयाबीन फसल की उम्मीद है। पिछले सप्ताह आयातित सोयाबीन तेल का दाम 1,025-1,030 डॉलर प्रति टन था जो अब घटकर 960-970 डॉलर प्रति टन रह गया है। उन्होंने कहा कि चीन की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी का कांडला पोर्ट पर संयंत्र है जो तयशुदा शुल्क (फिक्स्ड ड्यूटी) पर 30 जून तक थोक में 'नंबर एक' गुणवत्ता वाला रिफाइंड सोयाबीन तेल 82 रुपये लीटर के भाव पर बेच रही है। इसे पैकर खरीदकर ऊंचे भाव पर बेच रहे हैं। विदेशों में खाद्य तेल-तिलहन के बाजार टूट रहे हैं। यह देशी तेल-तिलहन बाजार की धारणा को तो खराब करेगा ही, देशी तेल मिलों विशेषकर देश के सरसों, बिनौला, सूरजमुखी और सोयाबीन किसानों को गंभीर रुप से प्रभावित कर सकता है। इन स्थितियों के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल-तिलहन में गिरावट दिखी। उन्होंने कहा कि खाद्य तेल संगठनों को इस बात की खोज खबर लेनी चाहिये क्योंकि देशी तेल-तिलहन उद्योग के हित में आवाज उठाना उनकी जिम्मेदारी है। ऐसे ही सभी निष्क्रिय रहे तो किसान किस भरोसे आगे तिलहन बुवाई करने की जहमत मोल लेगा? सूत्रों ने कहा कि अगले महीने मूंगफली की गर्मी की फसल आने वाली है। बाकी खाद्य तेलों के मुकाबले मूंगफली तेल के महंगा होने और खुदरा में दाम ऊंचा होने के कारण यह तेल बाजार में खप नहीं रहा है जिसकी वजह से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट है। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में गिरावट की वजह से कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई। जबकि तेल मिलों को पैसे की दिक्कत की वजह से घबराहट में बिकवाली करनी पड़ रही है।

आगे की परिस्थितियों को लेकर बहुत स्पष्टता नहीं है और इन्हीं कारणों से बिनौला तेल में गिरावट है। इतिहास में संभवतः पहली बार बिनौला तेल, सीपीओ से तीन-चार रुपये किलो नीचे बिक रहा है जो 4-5 महीने पहले 40-45 रुपये लीटर अधिक हुआ करता था। सूत्रों के अनुसार, पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 35 रुपये सुधरकर 4,950-5,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सरसों दादरी तेल 290 रुपये बढ़कर 9,540 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव 35-35 रुपये बढ़कर 1,620-1,700 रुपये और 1,620-1,730 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का भाव 150-150 रुपये टूटकर 5,150-5,225 रुपये और 4,925-5,005 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव क्रमशः 390 रुपये, 490 रुपये और 410 रुपये लुढ़ककर क्रमशः 9,850 रुपये, 9,640 रुपये और 8,140 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

खाद्य तेल कीमतों में गिरावट के अनुरूप मांग कमजोर रहने से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड के भाव क्रमशः 140 रुपये, 210 रुपये और 45 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,500-6,560 रुपये,16,250 रुपये और 2,430-2,695 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। विदेशों में दाम टूटने से समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 370 रुपये घटकर 8,480 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 310 रुपये टूटकर 9,840 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन एक्स कांडला का भाव भी 320 रुपये की हानि के साथ 8,880 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह बिनौला तेल भी समीक्षाधीन सप्ताह में 170 रुपये की गिरावट दर्शाता 8,680 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ सनय	
सूर्य-	वृष में	मेष--	03-36 बजे
चंद्र-	मिथुन में	वृष--	05-21 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	07-21 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	09-34 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	12-46 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	13-52 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	15-58 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	18-08 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	20-22 बजे
		मकर..	22-27 बजे
		कुंभ...	00-18 बजे
		मीन ..	01-56 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-46 सूर्य अस्त- 18-39
भोग्य कति वर्ष-426876
कलियुग संवत -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व • कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - 23 -19 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , सोमवार May 22
नक्षत्र - मगशिरा - 10- 36 - तक उपरान्त आर्द्रा
योग - धृति - 16 - 32 - तक उप - शूल
करण- तैतिल -10 -40 - तक उप- गर
विशेष:- रम्भा तृतीया,सर्वार्थ अमृत योग
व्रत -त्योहार - श्री महाराणा प्रताप जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:21 से 08:58 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:46 - 07:21 शुभ	चंचल	18:39 - 20:05 शुभ
काल	07:21 - 08:58 अशुभ	रोग	20:05 - 21:27 अशुभ
शुभ	08:58 - 10:36 शुभ	काल	21:27 - 22:50 अशुभ
रोग	10:36 - 12:13 अशुभ	लाभ	22:50 - 00:13 शुभ
उत्पात	12:13 - 13:50 अशुभ	उत्पात	00:13 - 01:35 अशुभ
चंचल	13:50 - 15:27 शुभ	शुभ	01:35 - 02:58 शुभ
लाभ	15:27 - 17:05 शुभ	अमृत	02:58 - 04:21 शुभ
अमृत	17:05 - 18:39 शुभ	चंचल	04:21 - 05:46 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा ।आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा । आप अपने एक सुरक्षित भविष्य के लिए एक बीमा पॉलिसी में खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया है। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है । अच्छा कार्य प्रदर्शन आपके वित्तीय लाभ का मार्ग भी खोलेगा ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे । अपनी भावनाओं को खुल कर व्यक्त करें और घुमा फिराकर कहने से बचे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सबसे अमीर देश अमेरिका डिफॉल्ट होने के कगार पर

बाइडन ने ऑस्ट्रेलिया दौरा रद्द किया, भारत पर इससे कितना असर?

न्यूयार्क, 21 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कर्ज में डूबा अमेरिका कंगाल होने से कुछ ही दिन दूर है। राष्ट्रपति बाइडन इतने उलझे हैं कि उन्होंने 24 मई की ऑस्ट्रेलिया विजिट कैंसिल कर दी, जहां क्वाड मीटिंग होनी थी। वो जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जापान के हिरोशिमा पहुंचे थे। वहीं चारों राष्ट्र प्रमुखों ने मिलकर क्वाड की बैठक भी कर ली।

ऐसे में 3 बड़े सवाल हैं। पहला- आखिर दुनिया का सबसे ताकतवर देश और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इतने बड़े कर्ज में फंस कैसे गई? दूसरा- बाइडन ऐसी क्या कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी का दौरा रद करना पड़ा? तीसरा- अगर अमेरिका कर्ज डिफॉल्ट हो जाता है तो इसका भारत जैसे अन्य देशों पर क्या असर पड़ेगा?

सोचिए, अगर आपके घर में कमाई कम और खर्च ज्यादा होता है तो क्या होता है? ऐसी स्थिति में आप खर्च में कटौती करके बचत करने की कोशिश करते हैं, लेकिन अगर खर्च बहुत जरूरी हों तो कर्ज लेकर उसकी भरपाई करते हैं। पिछले 50-60 सालों से अमेरिका में यही होता आया है। यानी अमेरिकी सरकार टैक्स वगैरह से होने वाली कमाई से ज्यादा खर्च करती आई है। इस खर्च को पूरा करने के लिए हर बार अमेरिकी सरकार अपने इकबाल के बूते दुनिया भर से कर्ज लेती रही है। अमेरिका में सरकारी आमदनी और खर्चों का हिसाब ट्रेजरी डिपार्टमेंट देखता है। यही ट्रेजरी डिपार्टमेंट दूसरे देशों या कंपनियों से कर्ज बॉन्ड के जरिए लेती है। ये एक तरह का दस्तावेज है।

मान लीजिए किसी कंपनी ने अमेरिका से 1000 का बॉन्ड 10 साल के लिए 10% ब्याज के दर पर खरीदा। अब उस कंपनी को अमेरिका से हर साल 100 रुपए इंट्रेस्ट मिलेंगे। ये ब्याज कंपनी को अगले 10 साल के लिए मिलेंगे। 10 साल बाद आप इस बॉन्ड को 1000 में बेचकर वह कंपनी अपना पैसा वापस ले सकती है।

अमेरिका पर भरोसे के चलते दुनिया भर के निवेशक अमेरिकी बॉन्ड खरीदकर उन्हें कर्ज देने से पीछे नहीं हटते। अमेरिकी सरकार काफी ज्यादा कर्ज न ले इसके लिए 1917 में यहां एक कानून बना है। इसके तहत कर्ज जुटाने का एक तय सीमा है। अमेरिका उस सीमा को क्रॉस चुका है। ऐसे में इस सीमा को बढ़ाए बिना अमेरिकी सरकार कर्ज नहीं ले सकती है।

पहले भी ऐसा हुआ है, लेकिन जब भी अमेरिका के सामने ऐसा संकट आता है तो सरकार अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पारित करवाकर इस सीमा को बढ़वा लेती है। 1960 से अब तक 78 बार अमेरिकी संसद ने इस सीमा को बढ़ाया है। यही काम बाइडन करना चाहते हैं, लेकिन अपर हाउस में बाइडन को बहुमत नहीं है। इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए उन्हें विपक्षी दलों के मदद की जरूरत होगी। यही लॉबिंग करने के लिए बाइडन को समय चाहिए और इसी वजह से उन्होंने क्वाड जैसी जरूरी बैठक में जाने से इनकार कर दिया है।

भारत के 10 साल के जीडीपी के बराबर अमेरिका पर कर्ज

अमेरिकी सरकार पर कर्ज लेने की सीमा 31.46 ट्रिलियन डॉलर तय है। ये पैसा 2,600 हजार लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा होता है। फिलहाल भारत की इकोनॉमी 3.5 ट्रिलियन डॉलर की है। यानी भारत के लोग 10 साल में सामान बनाकर और नौकरी करके जितना कमाते हैं, उतना अमेरिका पर कर्ज है।

अमेरिकी सरकार को कर्ज देने के लिए चीन और जापान के इनवेस्टर्स ने 9% बॉन्ड खरीद रखे हैं। एक दिलचस्प बात तो ये है कि खुद अमेरिका का केंद्रीय बैंक भी अमेरिकी सरकार को कर्ज देता है। इस समय सबसे ज्यादा 36% बॉन्ड तो अमेरिका ने खुद ही खरीद रखा है। हालांकि, अमेरिका के केंद्रीय बैंक में पैसा है, लेकिन कर्ज की सीमा पार होने की वजह से सरकार यहां से भी पैसा नहीं ले सकती है। यही वजह है कि पिछले सप्ताह अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के सचिव जेनेट येलेन ने अमेरिकी संसद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा कि ट्रेजरी के खजाने में पैसे की कमी है। अगर जल्द कर्ज लेने की सीमा नहीं बढ़ाई गई तो हम जून महीने में सरकारी कर्मचारियों का भुगतान तक नहीं कर पाएंगे।

कंगाल होने से बचने के लिए अमेरिका के पास 3 रास्ते हैं। जैसे भारत में संसद के दो सदन लोकसभा और राज्यसभा होती है। वैसे ही अमेरिकी में सीनेट वहां के संसद की ऊपरी प्रतिनिधि सभा है और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव कांग्रेस की निचली प्रतिनिधि सभा है।

सीनेट में बाइडन की पार्टी के सांसदों की संख्या कम है। ऐसे में विपक्षी दलों को बाइडन मना रहे हैं। ट्रंप की पार्टी के सांसदों की मांग है कि बाइडन सरकार खर्च कम करे। तभी वो कर्ज बढ़ाने का समर्थन देंगे। वहीं, सरकार का कहना है कि अगर हमने खर्च कम किया तो इससे गरीब और आमलोगों को नुकसान होगा। ऐसे में अब सरकार के पास आगे के तीन रास्ते है।

इमरजेंसी फंड: अमेरिका का ट्रेजरी डिपार्टमेंट इमरजेंसी फंड से पैसा निकालकर सरकार को मदद कर सकता है। हालांकि, इससे सिर्फ कुछ दिनों के लिए समस्या टलेगी। सरकार को संसद से ही कोई रास्ता निकालना होगा। कांग्रेस यानी अमेरिकी संसद से मंजूरी मिल जाए: अगर अमेरिकी संसद के दोनों सदन से कर्ज की सीमा बढ़ाने वाली प्रस्ताव पास हो जाती है तो समस्या खत्म हो जाएगी।

अमेरिका के संविधान में 14वां संविधान संशोधन: इस संशोधन के जरिए राष्ट्रपति संसद को नजरअंदाज करके फैसला ले सकते हैं। यह नियम कहता है कि अमेरिकी जनता के कर्ज की वैधता पर सवाल खड़े नहीं किया जा सकता है। हालांकि, इस फैसले को विपक्ष कोर्ट में चुनौती जरूर दे सकता है।

भारत पर क्या असर पड़ सकता है?

अगर अमेरिकी सरकार ने जल्द इस समस्या का हल नहीं किया तो भारत समेत दुनियाभर में इसका असर पड़ना तय है। इससे पहले 2001 और 2003 में अमेरिकी सरकार ने टैक्स में कटौती की थी। इसके बाद अमेरिकी ट्रेजरी के पास पैसे की कमी हो गई थी। इस समय भी संसद ने कर्ज की सीमा बढ़ाकर देश को डिफॉल्ट होने से बचाया था। इस साल अमेरिका में मंदी आ गई थी।

इसका असर दुनिया भर के बाजारों में दिखा था। 2008 में अमेरिका में आई मंदी की वजह से यहां बेरोजगारी दर 10% तक पहुंच गई। इस मंदी से बचने के लिए भारत सरकार को 3 राहत पैकेज जारी करने पड़े थे। अमेरिका का बिजनेस दुनिया के ज्यादातर बड़ी इकोनॉमी वाले देशों से जुड़ी हुई है। ऐसे में अमेरिका में मंदी आने पर दुनिया भर के लिक्विडिटी पर इसका असर पड़ता है।

इसके अलावा दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों में रिजर्व रखे गए पैसे का 60% हिस्सा अमेरिकी डॉलर है। ऐसे में डॉलर का वैल्यू गिरा तो दुनियाभर के देशों की इकोनॉमी पर इसका असर पड़ना तय है।

चाईबासा के जंगल में बड़ा हादसा टला

सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाया था तीन केन बम पुलिस ने मौके पर किया नष्ट

चाईबासा, 21 मई (एजेंसियां)। चाईबासा के जंगलों में सुरक्षाबलों ने की सुझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। सुरक्षाबल के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए तीन केन बम को नष्ट कर जानमाल की क्षति होने से रोक लिया है। घटना आज सुबह की है। अगर नक्सली अपने मंसूबे में कामयाब हो जाते तो बड़ा हादसा हो सकता था। भाकपा माओवादियों ने पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए तीन केन बम लगा रखे थे, जिसे पुलिस ने बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया। पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड के कराईकेला थाना क्षेत्र तेंदा गांव के समीप जंगल घना जंगल है। यहां सुरक्षाबलों के जवानों को मारगिराने के लिए माओवादियों ने तीन केन बम लगा रखे थे। इस केन बम लगाए जाने की गुप्त जानकारी पुलिस को हुई के बम इंद्रवा और तेंदा गांव के बीच लगाया गया था। पुलिस बिना देर किए रविवार की सुबह तलाशी शुरू की। यह तलाशी सीआरपीएफ 60 बटालियन और कराईकेला थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से किया। सर्च अभियान के दौरान जवानों ने बम बरामद कर जंगल में ही नष्ट कर दिया। इस घटना के संबंध में पश्चिमी सिंहभूम जिला के एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि नक्सलियों द्वारा बम लगाया गया था।

सिंहदेव ने हजारों फीट की ऊंचाई पर भरी उड़ान

ऑस्ट्रेलिया में स्काई डाइविंग के बाद छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री ने लिखा-आसमान की पहुंच की कोई सीमा नहीं

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव इन दिनों ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। उन्होंने स्काई डाइविंग का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें वे अपने एक सहयोगी के साथ 15 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरते दिख रहे हैं। उड़ान भरने के बाद सिंहदेव ने लिखा-आसमान की पहुंच की कोई सीमा नहीं होती। उनके इस साहस की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तारीफ करते हुए ट्वीट किया- वाह महाराज साहब, आपने तो कमाल कर दिया। हौसला यूं ही बुलंद रहें। शुभकामनाएं

सिंहदेव बोले- बार-बार करना चाहूंगा स्काई डाइविंग

स्काई डाइविंग के अपने अनुभव के बारे में टीएस सिंहदेव ने दैनिक भास्कर को बताया, 'बहुत सालों से मन में स्काई डाइविंग की इच्छा थी। मैं बार-बार ऐसा करना चाहूंगा। स्काई डाइविंग के लिए विमान को 15 हजार फीट की ऊंचाई तक ले जाया जाता है। इसके बाद वहां से एक ट्रेनर के साथ छलांग लगाई जाती है। पहला मिनट फ्री फॉल कहलाता है। इस समय तक पैराशूट नहीं खोला जाता है। ग्रेविटी बहुत तेजी से नीचे खींचती है। यह बेहद रोमांचक होता है। उसके बाद पैराशूट खोला जाता है। इस ऊंचाई पर 220 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा आपसे टकराती है। सबसे कठिन दौर लैंडिंग का होता है। इसमें विशेष तरीके से घुटने मोड़ते हुए पैरों को जमीन पर लाना होता है।' स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में गए अध्ययन दल ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के अधिकारियों के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं को देखा। यहां उन्होंने अस्पताल की संरचना, प्रबंधन और गुणवत्ता के साथ इमरजेंसी सेवाओं का जायजा लिया। करीब 1000 बिस्तरों का गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के सबसे बड़े अस्पतालों के साथ प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग की टीम 22 मई को गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के विशेषज्ञों और अधिकारियों से चर्चा करेगी।

एक किलो मशरूम की कीमत 2.5 लाख रुपए

कैंसर से भाई की मौत, लैब में मशरूम उगाना शुरू किया

राजकोट, 21 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। '2008-09 का साल था। बड़ा भाई दुबई की एक मल्टीनेशनल पेट्रोलियम कंपनी में इंजीनियर था। उससे 3 साल छोटा था। हम दोनों के बीच बहुत लगाव था। सारी चीजें बेहतर तरीके से चल रही थीं। तभी पता चला कि उसे माउथ कैंसर हो गया है। दुबई में भी इलाज करवाया, पर कोई फायदा नहीं पहुंचा। थक-हारकर इंडिया बुलवाना पड़ा। मिडिल क्लास फैमिली थी, जितनी जमा-पूंजी थी, सब इलाज में लग गया। शायद ही कोई जगह होगी जहां हम इलाज के लिए नहीं गए। लाख जतन के बावजूद भी उसे नहीं बचा पाए। सब कुछ बिक गया। सारी चीजें शून्य हो गईं।

समझ में नहीं आ रहा था कि कहां से, कैसे फिर से घर-परिवार को शुरू करूं। कुछ साल तक नौकरी की, फिर अपना बिजनेस शुरू किया। 2020 में कोरोना महामारी के दौरान लैब में मशरूम तैयार करने के बारे में पता चला। मैं केमिस्ट्री का स्टूडेंट था। करीब एक साल की ट्रेनिंग के बाद लैब में मशरूम तैयार करना शुरू किया।

ये काफी कॉस्टली होता है। एक किलोग्राम मशरूम की कीमत 2.5 लाख रुपए होती है। दरअसल, इसका प्रोडक्शन बहुत कम हो पाता है। हालांकि, 8 महीने में ही करीब 15 लाख रुपए के मशरूम सेल कर चुका हूं।'

गुजरात का राजकोट शहर की दोपहर चिलचिलाती धूप के बीच एक फ्लैट के कमरे में टेम्प्रेचर 18-20 डिग्री है। दरअसल, यह लैब है जहां कॉर्डिसेप्स मिलिट्री यानी कीड़ा जड़ी मशरूम तैयार किया जाता है। हितेश पटेल एक कांच की बॉटल में फंगस जैसा कुछ दिखाते हुए अपनी कहानी बता रहे हैं। हितेश कहते हैं, जब 2008 में मैंने अपने भाई को खो दिया, तो लगा कि सब कुछ खत्म हो गया। कई महीनों तक डिप्रेशन में चला गया।

इसी दौरान मैंने भाई के इलाज के लिए कई सारे आयुर्वेदिक दवाओं का उपयोग किया था। उनके बारे में स्टडी की थी। यहां तक कि दलाई लामा के एक सेंटर से भी मैं भाई के लिए आयुर्वेदिक दवा लाया था, लेकिन। काश! उन्हें बचा पाता।' वो बताते हैं, 'हम लोग जूनागढ़ जिले से आते हैं। ग्रेजुएशन करने के बाद 2002 में जॉब के लिए राजकोट आया था। 2015 तक एक प्राइवेट कंपनी में जॉब की। इस दौरान हर वक्त यही लगता था कि अपना क्या शुरू कर सकता हूं। फिर मैंने पाउडर कोटिंग का एक बिजनेस स्टार्ट किया।

भाई की मौत के बाद घर तो पहले ही टूट चुका था। 2020 में जब कोरोना महामारी की वजह से सब कुछ बंद हो गया, तब इंटरनेट खंगालना शुरू किया, तो मशरूम के बारे में पता चला। कैंसर से भाई की मौत के बाद से ही लग रहा था कि क्या ऐसा कोई सुपर फूड नहीं है, जो एंटी कैंसर हो। जब स्टडी करना शुरू किया, तो कॉर्डिसेप्स मिलिट्री मशरूम के बारे में पता चला। यह कैंसर, किडनी समेत दर्जनों गंभीर बीमारी में बेहद कारगर साबित हुआ है।' जब मशरूम के प्रोडक्शन पर वर्क करना शुरू किया तो सबसे बड़ा चैलेंज यही था कि मुझे इसके बारे में कुछ पता ही नहीं है।

कॉर्डिसेप्स मिलिट्री मशरूम के प्रोडक्शन के लिए ठंडा एनवायरनमेंट चाहिए, जहां टेंपरेचर 18-20 डिग्री हो।

मशरूम के प्रोडक्शन की बारीकियों को सीखने के लिए इंटरनेट पर एक कॉन्टैक्ट नंबर मिला था। उस व्यक्ति ने कहा कि मैं पूरे प्रोसेस को सीखा दूंगा। इसके बदले में एक फिक्स चार्ज देना होगा, लेकिन पैसा देने के बाद जब मैंने उससे कॉन्टैक्ट किया, तो फोन बंद आ रहा था। काफी खोजबीन के बाद हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित मशरूम इंस्टीट्यूट के बारे में पता चला। यहां जाकर मैंने कॉर्डिसेप्स मिलिट्री मशरूम के प्रोडक्शन की ट्रेनिंग ली। बाद में 'मशरूम गर्ल' के नाम से मशहूर दिव्या रावत के बारे में पता चला। इंडिया में पहली बार यह मशरूम लाने वाली यही महिला है। ये मशरूम पहले सिर्फ हिमालय में उगता था। इससे इसकी क्वांटिटी न के बराबर होती थी। फिर हिमाचल में इसका प्रोडक्शन लैब में होने लगा।'

हितेश कहते हैं, 'जब मैंने लैब में मशरूम तैयार करने का पूरा प्लान सेटअप कर लिया, तो सबसे बड़ी चुनौती पैसों को लेकर थी। जिस 10 X 12 के कमरे में बने लैब में हम लोग अभी खड़े थे। उसे तैयार करने में तकरीबन 7 लाख रुपए लग गए।

जब 2015 में अपना बिजनेस शुरू किया, तो उससे थोड़ी-बहुत सेविंग्स ही हो पाई। फिर भी इतने पैसे नहीं थे कि अकेले दम पर लैब सेटअप कर पाता। बैंक से लोन लिया, कुछ पैसे रिश्तेदारों से कर्ज लेने पड़े। तब जाकर ये पूरा सिस्टम डेवलप हो पाया।'

हितेश एक टेबल पर रखे कांच की बॉटल में बंद सूखे मशरूम को दिखा रहे हैं। कुछ छोटे-छोटे पैकेट्स भी हैं। हितेश कहते हैं, 'एक तो ये प्रोडक्ट इतना महंगा है कि कोई भी व्यक्ति आसानी से नहीं खरीदना चाहता है। बड़े-बड़े लोग ही इसे खरीद पाते हैं।

जब हिमालय में हो रहे प्रोडक्शन पर हम निर्भर थे, उस वक्त इसकी कीमत और ज्यादा थी। लैब में मशरूम तैयार होने के बाद से मार्केट कॉस्ट में थोड़ी-बहुत कमी आई, फिर भी कीमत लाखों में है, क्योंकि इसका प्रोडक्शन बहुत कम हो पाता है।'

हितेश कहते हैं, 'जब मैंने लैब में मशरूम तैयार करना शुरू किया, तो शुरुआत में दो-तीन बार तो खुद की गलतियों की वजह से पूरा मशरूम ही खराब हो गया। फिर धीरे-धीरे स्किल प्रोडक्शन अच्छा होने लगा। मुझे याद है, 2022 का आखिरी महीना था। मैं कुछ लोगों के पास जाकर इसके बारे में बताता, तो वे चौंक जाते।

लोग कहते- ये कौन-सा मशरूम है कि लाखों रुपए में बिकता है। इसके खाने से क्या फायदा होगा। कहीं ये नॉन-वेज तो नहीं। दरअसल, गुजरात के लोगों को लगता था कि मशरूम मतलब नॉन-वेज।

जब मैंने इसके फायदे के बारे में बताना शुरू किया कि इसके इस्तेमाल से कैंसर, किडनी समेत दर्जनों गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है। जिस तरह से हम लोग कीटनाशक छिड़काव वाले अनाज, फल-सब्जियां खा रहे हैं, आने वाले वक्त में इसकी डिमांड बहुत बढ़ेगी। तब लोग खरीदने लगे।'

रतनपुर टीआई लाइन अटैच, जांच के लिए टीम गठित

7 दिन में देना होगा जवाब, रेप पीड़िता की मां को जेल भेजने का हो रहा विरोध

बिलासपुर, 21 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले के रतनपुर में पुलिस की संदिग्ध कार्यप्रणाली से नाराज होकर आज रतनपुर बंद किया गया है। हिंदू संगठन के प्रदर्शन के बाद एसपी संतोष सिंह ने रतनपुर टीआई को लाइन अटैच किया गया है।भारी मात्रा में पुलिस बल चप्पे-चप्पे पर तैनात है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है।

एसपी संतोष सिंह ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राहुल देव शर्मा के नेतृत्व में एक दल का गठन किया है। इस टीम में एसडीओपी कोटा सिद्धार्थ बघेल और निरीक्षक परिवेश तिवारी को भी शामिल किया गया है। 7 दिन के अंदर जांच टीम को रिपोर्ट देनी होगी। रेप पीड़िता की मां को जेल भेजने के बाद हिंदूवादी संगठनों ने शनिवार को भी देर शाम रतनपुर थाने का घेराव करके जमकर हंगामा किया। उन्होंने टीआई समेत जिम्मेदार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने और पीड़िता को न्याय देने की मांग की है। आज रतनपुर बंद है। बिगड़ते हालात को देखते हुए पुलिस भी अलर्ट मूड पर है। दुष्कर्म पीड़िता की मां पर काउंटर केस दर्ज करने के विरोध में शनिवार को हिंदू संगठन के लोगों ने रतनपुर में रैली निकालते हुए थाने का घेराव किया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्होंने पुलिसकर्मियों को चूड़ियां भी भेंट की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग शामिल थे, जिन्होंने सड़क पर टायर जलाकर विरोध-प्रदर्शन किया। हंगामे के बाद बिगड़ते हालात को देखते हुए एडिशनल एसपी सिटी, एसडीओपी कोटा सहित तहसीलदार थाने में देर रात तक डटे रहे। जिले भर से पुलिस जवानों को रतनपुर बुला लिया गया है। करीब दो घंटे तक यहां जमकर बवाल मचा। आंदोलनकारियों ने पीड़िता को न्याय नहीं मिलने पर रतनपुर बंद का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

दरअसल, शनिवार को पीड़िता और हिंदूवादी संगठन के लोग इस केस की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एसपी संतोष सिंह से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान एसपी संतोष सिंह ने कानून के अनुसार कार्रवाई करने की बात कह दी। साथ ही कहा कि दस साल के बच्चे के साथ जो घटना हुई है, उस पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस केस में रेप पीड़िता से कोई लेना देना नहीं है। उनके इस जवाब से असंतुष्ट हिंदूवादी संगठन के लोगों ने प्रदेश भर के लोगों को रतनपुर बुला लिया और थाने का घेराव करके विरोध-प्रदर्शन करने लगे। दुष्कर्म जैसे संगीन केस में काउंटर केस दर्ज करने पर वकील प्रियंका शुक्ला का कहना है कि, आरोपी पक्ष के लोगों ने यदि आरोप लगाया है तो कानून कहता है कि इस पर तत्काल कार्रवाई करने के बजाए पुलिस को पूरी जांच कर लेनी चाहिए थी। यदि शिकायत करने पर दुष्कर्म पीड़िता के प्रार्थी को ही जेल भेज दिया जाए तो अन्य पीडितों का क्या होगा? दुष्कर्म के बाद रसूखदारों के खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज कराने थाना कैसे आएगा? समझौता कराने के लिए यह हमेशा के लिए परंपरा बन जाएगी और हर आरोपी ऐसा करेगा। हाईकोर्ट के एडवोकेट समीर सिंह का कहना है कि, इधर परिवार पर केस दर्ज होने के डर से कोई पीड़ित थाने नहीं जाएगा। यह गंभीर विषय है। पुलिस हर मामलों में कानून को अपनी तरह से जस्टिफाई करने लगती है।

आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने सीएम भूपेश को दिखाया काला झंडा

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने आज रविवार को सीएम भूपेश बघेल को काला झंडा दिखाया। राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। सीएम भूपेश का काफिला रायपुर से दुर्ग जिले के पाटन के लिए रवाना हो रहा था। इस दौरान महादेव घाट में पहले से मौजूद आप के कार्यकर्ताओं ने सीएम भूपेश को काला झंडा दिखाया और नारेबाजी की।

मामले में पुलिस ने आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के सचिव उत्तम जायसवाल और दुर्ग जिला अध्यक्ष अमित हिरवानी को हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि आप के नेताओं ने अचानक सड़क पर उतरकर सीएम के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। काले झंडे दिखाकर राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

इलेक्ट्रॉनिक्स-फर्नीचर शोरूम में भीषण आग

तेज धमाके के साथ उठीं लपटें, मकान-दुकान सब खाक, दो करोड़ का नुकसान

जशपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में शनिवार देर रात शहर की एक बड़ी दुकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि उसकी लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं। तेज धमाके के साथ आग की लपटें और भड़कीं। इसके चलते दो करोड़ से ज्यादा का सामान खाक हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन रात भर आग बुझाते रहीं। रविवार तड़के उस पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। उसी दुकान के अंदर पूरा परिवार भी रहता है। हादसे के दौरान वह किसी तरह से बचकर बाहर निकला। इसके बाद से वे सदमे में हैं। उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। जानकारी के मुताबिक,

कुनकुरी मेन रोड पर नेशनल हाइवे-43 के पास ही मुरारी लाल अग्रवाल की दो मंजिला इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्नीचर की शॉप है। इसी दुकान के अंदर मुरारी लाल और उनके दोनों बेटों का परिवार रहता है। इसी के पिछले हिस्से में गोदाम भी बना हुआ है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब 9.55 बजे अचानक से गोदाम में आग लग गई। इसका पता परिवार के लोगों को लगा तो वे बाहर आ गए और फायर ब्रिगेड को कॉल किया, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही आग की लपटें उठने लगीं। नगर वासी भी एकत्र हो गए और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि कामयाब नहीं हो सके।

दुर्घटनास्थल से महज 200 मीटर की दूरी पर थाना है। उसे नई दमकल गाड़ी मिली है। सूचना मिलने पर पहुंची, लेकिन मौके पर उसे चालू ही नहीं कर सके। इसके बाद जशपुर जिला मुख्यालय से दो दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। हालांकि उनके पहुंचने से पहले ही रसोईघर में रखे दो एलपीजी सिलेंडर और एयरकंडीशन के कम्प्रेशर में ब्लास्ट हो गया। इससे आग तेजी से फैलती चली गई। रात करीब 11 बजे दमकल वाहन पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू हुआ।

यूक्रेन के बखमुत पर रूसी कब्जा, पुतिन ने बधाई दी

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की बोले- शहर पूरी तरह से तबाह हुआ

कीव/मॉस्को, 21 मई (एजेंसियां)। रूस की प्राइवेट आर्मी- वैगनर ग्रुप ने दावा किया है कि उन्होंने यूक्रेन के बखमुत शहर पर कब्जा कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अर्मी को बधाई दी है। वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा- वहां कुछ नहीं बचा है, शहर पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

20 मई को वैगनर के चीफ येवगेनी प्रिगोझिन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया था कि उन्होंने बखमुत कब्जा लिया है। हालांकि, तब यूक्रेन ने इस दावे को खारिज कर दिया था। अगस्त 2022 से इस शहर में रूसी और यूक्रेनी सेना के बीच लड़ाई जारी थी, ये पिछले 3 महीने से तेज हो गई थी।

24 फरवरी 2022 से जारी है जंग

रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को हमला कर दिया था। इसके पीछे व्लादिमिर पुतिन का मकसद एक ही था- यूक्रेन पर कब्जा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को ये मंजूर नहीं था, लिहाजा आज 452 दिन बाद भी ये जंग जारी है।

इस जंग में दोनों देशों को काफी नुकसान हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर और मिलिट्री इक्यिपमेंट्स तबाह हुए। पुख्ता आंकड़े तो नहीं हैं, लेकिन माना जाता है कि इस जंग में दोनों तरफ के हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं।

अब तक यूक्रेन के 7 शहरों पर रूसी कब्जा

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ब्लैक सी ट्रेड रूट के ज्यादातर हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा जंग की शुरुआत से अब तक रूस ने यूक्रेन की 18% जमीन पर कब्जा किया है। इस जमीन पर यूक्रेन के 6 बड़े शहर- सेवेरोडोनेट्स्क, डोनेट्स्क, लुहांस्क, जपोरिजिया, मारियुपोल और मेलिटोपोल बसे हैं। ये शहर यूक्रेन की इकोनॉमी को कंट्रोल करते हैं। वहीं, बखमुत 7वां शहर है जहां रूस का कब्जा हो चुका है।

कब्जे की वजह

यूक्रेन के इतने लंबे समय तक

जंग में टिके रहने की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और पश्चिमी देशों के हथियार और आर्थिक समर्थन है। दूसरी तरफ रूस है जो यूक्रेन को मिलने वाले पश्चिमी देशों के समर्थन का शुरू से विरोध करता रहा है।

अब यूक्रेन के 7 शहरों पर कब्जा करके रूस पश्चिमी देशों को ये संदेश देना चाहता है कि उसे रोकना मुश्किल है। ऐसा करके रूस ये दावा कर पाएगा कि यूक्रेन उसके क्षेत्र पर हमला कर रहा है और पश्चिमी देशों को भी निशाने पर लिया जा सकता है। 2014 में रूस ने इसी तरह क्रीमिया पर कब्जा जमाया था, जिसका पश्चिमी देशों ने विरोध किया था। इसके बाद भी क्रीमिया पर रूस का ही कब्जा है।

पहले कब्जा फिर सैनिकों की वापसी

यूक्रेन के कई शहर ऐसे भी हैं जिन पर रूस ने कब्जा कर लिया था, लेकिन बाद में यहां से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया। 15 दिनों में जीत हासिल कर जंग खत्म करने का दावा करने वाले रूस ने हमले के एक महीने बाद ही यूक्रेन की राजधानी कीव से अपनी सेना के पीछे हटने के आदेश दे दिए थे। यहां से सैनिक वापस भी जाने लगे थे, लेकिन 8 महीने बाद अक्टूबर में रूस ने यहां हमले तेज कर दिए थे। हालांकि वो कीव पर अब तक कब्जा नहीं कर पाए हैं।

रूसी सैनिकों ने इजुम पर मार्च में कब्जा किया था। 7 महीने बाद सितंबर में यूक्रेनी सेना ने इसे रूस से छुड़ा लिया था, जिसके बाद रूसी सैनिकों की वापसी हो गई थी।

युक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर रूस ने मार्च में ही कब्जा कर लिया था। अक्टूबर में यहां से रूसी सैनिकों को वापस बुला लिया गया था।

खेरसॉन पर जंग के 5 दिन बाद ही रूस ने 2 मार्च को कब्जा कर लिया था। 7 महीवे बाद 9 नवंबर को पुतिन ने यहां से अपनी सेना को वापस बुला लिया।

24 फरवरी को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो उसने तभी साफ कर दिया था कि वो यूक्रेन की इकोनॉमी को तबाह कर देगा। इसी स्ट्रैटेजी के तहत रूसी सेना ने स्नेक आईलैंड पर भारी बमबारी की और उस पर कब्जा कर लिया। जुलाई में यहां से रूसी सैनिकों की वापसी हो गई थी।

जिस जिन्ना हाउस को इमरान समर्थकों ने किया बर्बाद वहां पहुंचे पाकिस्तानी सेना प्रमुख

कहा- आरोपियों पर एक्शन शुरू

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में 9 मई को हुई हिंसा में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला हुआ था। सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले को अंजाम देने वालों के खिलाफ अब सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कड़ा रुख अपनाया है। इन लोगों के खिलाफ आर्मी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। जनरल असीम मुनीर ने कहा है कि 9 मई की हिंसा में शामिल लोगों, योजना बनाने वालों और उकसाने वालों पर आर्मी एक्ट और ऑफिशियल्स सीक्रेट एक्ट के तहत मौजूदा और कानूनी प्रक्रियाओं के तहत कार्रवाई शुरू हो गई है।

असीम मुनीर ने यह बयान तब दिया जब वह लाहौर में जिन्ना हाउस और एक सैन्य प्रतिष्ठान का दौरा करने के लिए पहुंचे थे। जिन्ना हाउस पर इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद गुस्साए समर्थकों ने हमला बोल दिया था। सेना 9 मई को हुई हिंसा को ब्लैक डे के रूप में बताती है। असीम मुनीर जब यहां पहुंचे तो उन्हें अधिकारियों ने इस बात की

जानकारी दी कि आखिर उस दिन क्या हुआ था? असीम मुनीर ने इस बात पर जोर दिया कि यह हिंसा लोगों और सेना के बीच खाई को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है।

इमरान पर बरसे मुनीर

असीम मुनीर ने यहां ऐसे बयान दिए, जिससे समझ में आता है कि वह इमरान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के मूड में हैं। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के लोगों के बीच खाई पैदा करने का कोई भी प्रयास किसी भी परिस्थिति में न तो सहन करने के लायक है और न ही क्षमा किया जा सकता है।' मुनीर ने आगे कहा, 'फर्जी समाचार के जरिए भ्रम फैलाने की कोशिश हो रही हैं। लेकिन दुश्मन के किसी भी मंसूबे को नाकाम किया जाएगा।'

भारत के खिलाफ जहर

पाकिस्तान अपनी हर समस्या को भारत की ओर से साजिश करार दे देता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अब 9 मई की हिंसा को भारत का पाकिस्तान विरोधी उद्देश्य बताया है। आसिफ ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 9 मई को पाकिस्तान के अस्तित्व पर हमला किया गया था। एक व्यक्ति ने सिर्फ अपनी सत्ता के लिए हमला किया था।

माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाला भारतीय मूल का सिंगापुरी पर्वतारोही लापता

तलाशी अभियान जारी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय मूल का एक सिंगपुरी पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने के बाद लापता हो गया, जिसक बाद उसके परिवारवालों ने उसकी स्थिति का ध्यान देने कू मांग की है।

चेंज डॉट ओआरजी की वेबसाइट में दाखिल की गई एक याचिका के अनुसार श्रीनिवास सैनी दत्तात्रेय माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने के लिए पिछले महीने ही सिंगापुर से नेपाल के लिए रवाना हुए थे।

उनके चचेरे भाई ने बताया कि चोटी से नीचे उतरते समय श्रीनिवास को शीतदंश और ऊंचाई की वजह से वह बीमार पड़ गए। इस वजह से वह अपने समूह से बिछड़ गया और 8000

मीटर चेटी की तिब्बती क्षेत्र में गिर गया।

सिंगापुर की एक टीवी चैनल ने भरत के हवाले से बताया कि शेरपाओं की एक टीम शनिवार को श्रीनिवास के लिए तलाशी अभियान शुरू किया था। भरत ने बताया कि उनके परिवार संबंधित सरकार से लगातार संपर्क में हैं।

भरत ने बताया कि श्रीनिवास का परिवार हताश है लेकिन अभी भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी है।

39 वर्षीय श्रीनिवास रियल एस्टेट कंपनी 'जोंस लैंग लासेल' में कार्यकारी निदेशक हैं। एक अप्रैल को वह माउंट एवरेस्ट के लिए नेपाल रवाना हुए थे और चार जून को वह स्वदेश लौटने वाले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार श्रीनिवास ने आखिरी बार अपनी पत्नी को शुक्रवार को संदेश भेजा था। उन्होंने अपनी पत्नी को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने की खबर दी थी। श्रीनिवास का पूरा परिवार नई दिल्ली में सिंगापुर उच्चायोग, नेपाल में स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन चिकित्सकीय सेवाओं के साथ लगातार संपर्क में है। इस घटना पर सिंगापुर का विदेश मंत्रालय घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है।

2000 का नोट बदलने के लिए आईडी की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ने रविवार को 2000 का नोट बदलने के लिए गाइड लाइन जारी की है। भारत के सबसे बड़े बैंक ने कहा कि नोट बदलने के लिए किसी आईडी की जरूरत नहीं है। कोई फॉर्म भी नहीं भरना होगा। एक बार में 10 नोट बदले जा सकेंगे। स्टेट बैंक ने नोटिफिकेशन इसलिए जारी किया है, क्योंकि सोशल मीडिया पर नोट बदलने को लेकर अलग-अलग जानकारियां दी जा रही थीं। कहा जा रहा था कि नोट बदलने के लिए आधार जैसी कोई आईडी जरूरी होगी और फॉर्म भी भरना होगा। इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 19 मई को 2000 रुपए के नोट बंद करने का ऐलान किया। आरबीआई ने 30 सितंबर तक ऐसे नोट बैंकों में बदलने या अकाउंट में जमा करने को कहा है। बैंक ने यह भी कहा है कि यह इसके बाद भी लीगल रहेगा।

ड्रग माफियाओं के बीच गैंगवार, 11 की मौत

कार रेसिंग के दौरान फायरिंग की, मरने वाले सभी कार रेसर्स

मैक्सिको, 21 मई (एजेंसियां)। नॉर्थ मैक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया में शनिवार को ड्रग माफियाओं के बीच गैंगवॉर में 11 लोग मारे गए, जबकि 7 लोग घायल हो गए। मरने वाले सभी लोग कार रेसर्स थे, जो एक ऑल-टेरेन कार रेसिंग शो में हिस्सा लेने आए थे।

डेली मेल के मुताबिक, रेसिंग के दौरान जब ये लोग एनसेनाडा शहर के सैन विसेंट इलाके में गैस स्टेशन पर रुके, तभी बड़ी गाड़ियों से कुछ लोग बंदूकें लेकर निकले और फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले के बाद स्टेट पुलिस, मरीन, फॉयर ब्रिगेड और मैक्सिकन रेड क्रॉस की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं।

ड्रग माफिया और तस्करों का गढ़ है एनसेनाडा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनसेनाडा में यह गोलीबारी दो ड्रग माफियाओं ग्रुप- अरेलेनो

फेलिक्स कार्टेल और सिनालोआ कार्टेल की आपसी रंजिश के चलते हुई। बाजा कैलिफोर्निया क्राइम का गढ़ माना जाता है। यह शहर अमेरिका-मैक्सिको के बॉर्डर के ठीक नीचे आता है। अमेरिका में ड्रग मानव तस्करी करने के सभी रास्ते यही से होकर गुजरते हैं। इसलिए इस इलाके पर कब्जा करने के लिए ड्रग माफियाओं के बीच अक्सर गैंगवॉर होता रहता है।

मारे गए लोगों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई

मेयर अरमांडो अयाला रोबल्स ने कहा कि राज्य के अटॉर्नी जनरल ने शूटिंग की जांच के लिए एक स्पेशल टीम का गठन किया। हालांकि पीड़ितों की पहचान और उनकी नेशनैलिटी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। मैक्सिको के रेड क्रॉस ने घायलों को उत्तरी बाजा कैलिफोर्निया के अस्पतालों में पहुंचाया। फिलहाल उनकी हालात गंभीर बनी हुई है।

पेट्रोल पंप, शराब दुकानों में खपाए जा रहे 2000 के नोट

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 2000 के नोट वापस लेने का ऐलान किया है। अब धीरे-धीरे कारोबारी और आम लोग अपने पास रखे 2000 के नोट बाहर निकाल रहे हैं। हालांकि बड़ी तादाद में ऐसे लोगों की भी है जिनके पास 2000 के नोट है ही नहीं, क्योंकि यह नोट बाजार से महीनों पहले गायब हो चुके थे। आरबीआई ने इन्हें छापना बंद कर दिया था। मगर गायब होकर यह नोट कहीं ना कहीं जमाखोरों के पास मौजूद थे। रायपुर के पेट्रोल पंप, ज्वेलरी शॉप और शराब की दुकानों में इन नोटों को खपाने का काम चल रहा है। रविवार को जब हालात का जायजा लिया तो एक शराब दुकान में कुछ ऐसा ही होते दिखाई दिया। तात्यापारा स्थित प्रीमियम शराब दुकान में लोगों ने बड़ी तादाद में 2000 के नोट देकर शराब खरीदी है।

हरियाणा पुलिस की टेंशन बने मेवात के 12 बदमाश

चंडीगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह के 12 बदमाश पुलिस की टेंशन बन गए हैं। हरियाणा पुलिस ने इन 12 मोस्ट वांटेड बदमाशों की लिस्ट तैयार की है। जिसके बाद पुलिस की 12 टीमों ने इसको लेकर एक साथ नूंह जिले में संभावित ठिकानों पर रेड की। रेड के दौरान पुलिस को अहम दस्तावेज मिले।

हालांकि एक भी मोस्ट वांटेड पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पाया। बताया जा रहा है कि हरियाणा पुलिस को सूबे में बड़े गैंगवार होने की आशंका है। इसको देखते हुए पुलिस टीमों को आधुनिक हथियारों के साथ बुलेट प्रूफ जैकेट मुहैया कराई गई थी।

पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि रेड के दौरान मिले महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं जानकारियों के आधार पर शीघ्र अपराधियों को दबोचेगी। बताया जा रहा है कि ये सभी मोस्ट वांटेड काफी दिनों से अपने घरों से फरार हैं।

19 मई को टीमों का हुआ गठन

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एसपी वरुण सिंगला ने 19 मई को जिले में पुलिस की 12 टीमों का गठन किया। नूंह जिला के विभिन्न थानांतगत गांवों में दबिश देकर इन मोस्ट वांटेड को दबोचने के लिए पुलिस की इन सभी टीमों ने दबिश दी । इनमें से पुन्हाना थानांतगत क्षेत्र के 3, रोजकामेव थानांतगत 1, बिछोर थानांतगत 2, नगीना थानांतगत 1, तावडू थानांतगत 2 तथा फिरोजपुर झिरका थानांतगत क्षेत्रों में से 3 मोस्ट वांटेडों को दबोचना था।

कल एनएबी के सामने पेश होंगे इमरान खान

अल कादिर ट्रस्ट केस में पूछताछ होगी, 9 मई को इसी मामले में गिरफ्तारी हुई थी

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 23 मई को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में एनएबी के सामने पूछताछ के लिए पेश होंगे। एनएबी अब तक कई बार इमरान और पत्नी बुशरा को पूछताछ के लिए बुला चुकी है, लेकिन दोनों ही हाजिर नहीं होते। हर बार उनके वकील बहाना बनाकर कोर्ट से राहत हासिल कर लेते हैं।

अल कादिर ट्रस्ट केस में 9 मई को एनएबी ने खान को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी को 8 दिन की रिमांड भी मिली थी, लेकिन इसके पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने खान को रिहा कर दिया। अब उन्हें तमाम केसों में 31 मई तक गिरफ्तारी से राहत दी जा चुकी है।

एनएबी के एक अफसर ने कहा- सुप्रीम कोर्ट ने खान से साफ कहा है कि उन्हें जांच एजेंसी के साथ हर तरह का सहयोग करना होगा। इसका मतलब ये हुआ कि अगर वो पूछताछ के

लिए पेश नहीं हुए तो उनकी परेशानियां बढ़ जाएंगीं।

गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में हुई थी हिंसा

9 मई 2023 को इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से पाक रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था और घसीटते हुए ले गए थे।

इससे भड़के इमरान समर्थकों ने जमकर हिंसा की और आर्मी से जुड़े कई ठिकाने तक जला दिए थे। हिंसा में 8 लोगों की मौत हुई थी। इमरान का दावा था कि पुलिस फायरिंग में 25 लोगों की मौत हुई थी।

क्या है अल-कादिर ट्रस्ट केस

सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। आरोप है कि यह पैसा एक सीक्रेट अकाउंट के जरिए इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के खाते में ट्रांसफर कराई गई। कुल मिलाकर यह घोटाला 60 अरब पाकिस्तानी रुपए का है।

इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले।

होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 60 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं।

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 9 मई को दोपहर करीब 3 बजे गिरफ्तार किया गया था। अल-कादिर ट्रस्ट स्कैम केस में पाकिस्तानी रेंजर्स ने एनएबी (नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो) के आदेश पर ये गिरफ्तारी की। पाकिस्तान के अखबार 'द डॉन' के मुताबिक अल कादिर ट्रस्ट घोटाला करीब 60 अरब पाकिस्तानी रुपए का है और इसका फायदा इमरान, पत्नी बुशरा बीबी और बुशरा की दोस्त फराह गोगी ने उठाया।

केदारनाथ मंदिर पर नया खतरा

9 हेलिपैड से हर 5 मिनट में केदारनाथ के लिए उड़ान, शोर से ग्लेशियर कांपा तो मंदिर खतरे में

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। केदारनाथ यात्रा 25 अप्रैल से 14 नवंबर 2023 तक चलेगी। इन 7 महीने में श्रद्धालुओं की संख्या के सारे रिकॉर्ड टूटेंगे। लेकिन, केदारनाथ घाटी के लिए एक बड़ी चिंता भी है- कंपन पैदा करता हेलिकॉप्टरों का शोर। आपको बता दें कि 2023 में हर 5 मिनट में एक हेलिकॉप्टर केदारनाथ मंदिर क्षेत्र में गड़गड़ाएगा। यही है नया संकट। क्योंकि, विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह पवित्र मंदिर ग्लेशियर को काटकर बनाया गया है। इसलिए शोर से घाटी के दरकने और हेलिकॉप्टरों के धुंए के कार्बन से पूरा इलाका खतरे की जद में है। हमने भगवान तक पहुंचने के इतने सरल व अवैज्ञानिक रास्ते बना दिए कि भगवान पर ही मुसीबत आ गई है। केदारनाथ के लिए 1997-98 तक एक हेलिपैड था। अब 9 बन गए हैं। ये देहरादून से फाटा तक फैले हैं और 9 कंपनियों के लिए उड़ान सुविधा देते हैं। 8 साल पहले तक केदारनाथ के लिए कुल 10-15 उड़ानें थीं। अब केदारनाथ वैली में सुबह 6 से शाम 6 बजे तक हेलिकॉप्टर रोजाना 250 से ज्यादा राउंड लगाते हैं। इनका शोर और इनसे निकलने वाले कार्बन ने ग्लेशियर काटकर बनाए मंदिर और उसकी पूरी घाटी के लिए नया संकट खड़ा कर दिया है। केदानाथ घाटी हिमालय के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में आती है। तेजी से बढ़ रही यात्रियों की संख्या पहले ही चिंतित करने वाली है। उस पर हेलिकॉप्टरों का यह शोर और इनकी बढ़ती संख्या किसी विकराल संकट का रूप न ले ले, यही डर है। केदारनाथ में नीचे उड़ते हेलिकॉप्टर्स से दुर्लभ प्रजातियों के कई जीवों का ब्रीडिंग साइकल बिगड़ा है। उत्तराखंड का राज्य पक्षी मोनाल और राजकीय पशु कस्तूरी मृग इस सेंचुरी में अब नहीं दिखते।

सुएला ब्रेवरमैन की रैश ड्राइविंग पर मचा बवाल, जापान में पीएम से भी पूछा सवाल

इंग्लैंड, 21 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन एक बार फिर चर्चाओं में हैं। दरअसल, इस बार वे अपने किसी बयान के कारण सुर्खियों में नहीं है, बल्कि अपनी एक गलती के कारण वह पछता रही हैं। ब्रेवरमैन की गलती जापान तक पहुंच गई है। पीएम सुनक तक से इस बारे में सवाल तक पूछ लिए गए हैं। रविवार को जारी एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, देश की अटॉर्नी जनरल रहते वक्त पिछले साल उन्हें रैश ड्राइविंग करते पकड़ा गया था। इसके बाद उन्होंने रैश ड्राइविंग के जुर्माने से

बचने का भी प्रयास किया था। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुएला ने अधिकारियों से रैश ड्राइविंग के चालान से बचने में मदद मांगी है। इसलिए, उन्होंने अधिकारियों से एक निजी ड्राइविंग जागरूकता पाठ्यक्रम में पंजीकृत होकर ड्राइविंग लाइसेंस पर अंक देने के लिए कहा है।

यूनाइटेड किंगडम के कानून के अनुसार, रैश ड्राइविंग के मामले में पकड़े जाने के बाद उसके लाइसेंस पर जुर्माना और जुर्माने के अंक दिए जाते हैं, जब तक वह ऑनलाइन जागरूकता पाठ्यक्रम में साइन अप नहीं करते।

गृह सचिव के प्रवक्ता का कहना है कि सुएला अपनी गलती स्वीकार कर रही हैं। पिछले साल रैश ड्राइविंग करने के कारण उन्हें पछतावा है। सुएला ने अपने लाइसेंस पर तीन अंक लिए हैं। पिछले साल सुएला ने जुर्माना भी अदा किया था।

ब्रेवरमैन का मामला जापान तक पहुंच चुका है। बता दें, जापान में जी 7 समिट का आयोजन हो रहा है। यहां इंग्लैंड के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी शामिल हुए हैं। जी 7 समिट में प्रधानमंत्री सुनक से मीडिया ने सुएला के मामले में सवाल पूछा था। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि आपको पता है कि मैं दो-तीन दिन से कहां व्यस्त हूं। मुझे मामले की पूरी जानकारी नहीं है। मैंने इस बारे में उनसे कोई बात भी नहीं की है। लेबर पार्टी के शैडो होम सेक्रेटरी यवेटे कपूर ने मामले को चौंकाने वाला बताया है।

रेसलर्स के सपोर्ट में सर्वखाप महापंचायत का फैसला

23 मई को इंडिया गेट पर कैंडल मार्च, 28 को नए संसद भवन में महिला महापंचायत

रोहतक, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ दिल्ली में धरने पर बैठे पहलवानों के हक में रविवार को हरियाणा में सर्वखाप महापंचायत हुई। रोहतक में महम चौबीसी के ऐतिहासिक चबूतरे पर हुई इस महापंचायत में हरियाणा और यूपी के अलावा अन्य राज्यों के खाप प्रतिनिधि भी पहुंचे। महापंचायत में किसान नेता राकेश टिकैत के अलावा धरने पर बैठे पहलवान भी शामिल हुए। सुबह 11 बजे शुरू हुई महापंचायत शाम 4 बजे तक चली। इसमें सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि पहलवानों के समर्थन में 23 मई को दिल्ली में कैंडल मार्च निकाला जाएगा।

इंडिया गेट पर शाम पांच बजे निकाले जाने वाले इस कैंडल मार्च में देशभर के लोग पहुंचेंगे। 28 मई को नए संसद भवन में खापों की महिला महापंचायत होगी जिसमें देशभर से महिलाओं के अलावा खाप और किसान नेता भी पहुंचेंगी। ये महिला महापंचायत पहलवानों के साथ मिलकर जो भी फैसला लेगी, वह सभी खापों को मंजूर होगा और फैसले के 5 घंटे के अंदर सभी खापों के ज्यादा से ज्यादा लोग दिल्ली पहुंच जाएंगे। रविवार की सर्वखाप महापंचायत में डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह का नार्को टेस्ट कराने की डिमांड भी की गई ताकि लोगों का भ्रम दूर और उसकी गिरफ्तारी की जा सके। इस अवसर पर कमेटी सदस्य जयपाल दहिया, ओमप्रकाश कंडेला, सतीश चेयरमैन, बलवंत फौगाट, रोहतास, राज दलाल, तेजवीर पंजाब, मित्रपाल यूपी, सुरेंद्र दिल्ली, शमशेर पुनिया राजस्थान, सुरेंद्र तोमर यूपी, सतबीर पहलवान खेड़ा खाप समेत चौबीसी खाप की तरफ से प्रधान मेहरसिंह नंबरदार व मास्टर रामफल राठी महासचिव चौबीसी खाप मुख्य तौर पर मौजूद रहे। पंचायत महम चौबीसी के प्रधान मेहर सिंह राठी की अध्यक्षता में की गई और फैसला रामफल राठी ने सुनाया। महम चौबीसी के चबूतरे से ऐतिहासिक फैसले होते रहे हैं और आज की जो खाप पंचायत बुलाई गई थी, इसमें हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से विभिन्न खापों के प्रधान, किसान संगठन और सामाजिक संगठनों ने शिरकत की। किसान नेता राकेश टिकैत भी इस पंचायत में पहुंचे। इसके अलावा दिल्ली जंतर-मंतर पर धरना देकर बैठी पहलवान साक्षी मलिक भी पंचायत में अपना पक्ष रखने पहुंची।

गहलोत सरकार इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार

केंद्रीय मंत्री बोले- चर्चा है कि योजना भवन में जितना कैश दिखाया उससे ज्यादा मिला

लाडनूं, , 21 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में जी-पे का मतलब गहलोत-पे होता है। उन्होंने कहा- इस सरकार ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं। शेखावत शनिवार को नागौर के लाडनूं में बीजेपी वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

बैठक में जयपुर में सचिवालय के ठीक पीछे योजना भवन के बेसमेंट की बंद पड़ी अलमारी से 2.31 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और एक किलो सोना का मुद्दा छाया रहा।

शेखावत ने योजना भवन में नकदी और सोना मिलने पर कहा कि लगातार हम इस बात को कहते रहे हैं कि वर्तमान की गहलोत सरकार इस लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में सर्वाधिक भ्रष्ट सरकार है।

इसकी भ्रष्टता के आरोप केवल भाजपा ने लगाए हों, ऐसा नहीं है। विपक्षी लोगों ने लगाए हों, ऐसा

नहीं है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष से लेकर मंत्री, मुख्यमंत्री तक, एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने की होड़-सी पार्टी में मची हुई है।

शेखावत बोले- इतना भ्रष्टाचार कि पैसा रखकर भूल गए

भ्रष्टाचार से इतनी सारी ब्लैकमनी इकट्ठा की कि दो-चार-पांच करोड़ रुपए और कई किलो सोना कहां रखकर भूल गए हैं, अब इनको भी याद नहीं है।

शेखावत ने कहा कि ये जो पैसा-सोना मिला है वह लोगों के मन में संदेह पैदा करता है। चर्चा है कि शाम 4 बजे इस तरह का कैश बरामद होता है। रात को 11 बजे आकर आनन-फानन में डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं।

डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोई और अधिकारी बात कर रहा होता है। जो विषय सीधा-सीधा पैसे से जुड़ा है, वहां न एंटी करप्शन ब्यूरो को बुलाया जाए।

न इनकम टैक्स को बुलाया जाए। इतना कैश मिलने के बाद भी न ही ईडी को इन्फॉर्म किया जाए। यह अपने आप में कई तरह के संदेह पैदा करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की चर्चा भी चल रही है कि यह जितना डिस्क्लोज किया गया और जितना मिला है, उसमें भी बहुत बड़ा अंतर है।

इससे पहले बैठक में कांग्रेस सरकार की विफलताएं गिनाई गईं और मोदी सरकार की 9 साल की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने को लेकर मंथन किया गया। बैठक में कई राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किए गए।

बैठक में स्वास्थ्य कारणों के चलते पूर्व सीएम वसुंधरा राजे यहां नहीं पहुंचीं। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि वसुंधरा राजे हमारी पार्टी की नेता हैं, व्यक्तिगत कारणों से नहीं आईं। हमारी पार्टी एकजुट है।

सतीश पूनिया ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा लेटर

बोले- राजस्थान में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार योजना भवन मामले की जांच करे केंद्र सरकार

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जयपुर के योजना भवन के बेसमेंट से करोड़ों रुपए की नकदी और सोना बरामद होने के बाद विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने इस पूरे प्रकरण में प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। इसके साथ ही पूनिया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिख इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग भी की है।

पूनियां ने गृह मंत्री अमित शाह भेजें लेटर में लिखा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने पिछले साढ़े 4 सालों में राज्य में भ्रष्टाचार के नए आयाम स्थापित किए हैं। अधिकारी, मंत्री, पुलिस और निजी कंपनियों की मिलीभगत से राज्य की जनता की कमाई भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। भ्रष्टाचार की इसी कड़ी में राज्य में भ्रष्टाचार का हाल-ए-बयां करने

वाली ऐसी घटना शुक्रवार रात जयपुर में हुई।

जहां सचिवालय से कुछ ही कदम दूर योजना भवन के बेसमेंट में एक अलमारी में 2.31 करोड़ रुपए नकद और एक किलो सोने की सिल्ली मिली है। पूनियां ने पत्र के माध्यम से शाह से निवेदन किया है कि इस मामले की जांच केंद्र की एजेंसी को सौंपी जाए ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके एवं घटना में लिप्त दोषियों को सजा मिल सके।

यह घटना कांग्रेस राज में भ्रष्टाचारियों के बुलंद हौंसलों को बयान करती है। अब सरकारी भवनों का ही इस्तेमाल काला धन और अपराध के सबूत छुपाने के लिए हो रहा है। राज्य के मंत्री भी अपनी ही सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि राज्य सरकार इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं करवाएगी और दोषियों को बचाने का प्रयास करेगी।

दरअसल, जयपुर शुक्रवार को सचिवालय के ठीक पीछे योजना भवन के बेसमेंट की बंद पड़ी अलमारी से 2.31 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और एक किलो सोना बरामद हुआ है। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है।

योजना भवन के सात कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अलमारी में रखे ट्रॉली सूटकेस में 2000 और 500 के नोट थे।

इतनी बड़ी तादाद में नकदी और सोना किसने रखा, इसकी जांच की जा रही है। जिसके बाद बीजेपी ने इसी पूरे मामले को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

रंधावा बोले- कांग्रेस किसी को नहीं निकालना चाहती

पायलट को संजीवनी घोटाले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र के खिलाफ कार्रवाई की बात भी उठानी चाहिए

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनने के बाद अब सचिन पायलट की यात्रा और 15 दिन के अल्टीमेटम को लेकर फैसला पैंडिंग रखने के संकेत मिल रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने शनिवार को ऐसे संकेत दिए। हालांकि पायलट पर तंज भी कसा है।

रंधावा ने कहा- कांग्रेस कभी किसी को नहीं निकालना चाहती। उन्होंने संजीवनी घोटाला मामले में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर कार्रवाई की मांग नहीं करने को लेकर भी पायलट पर सवाल उठाए। रंधावा जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पायलट के खिलाफ एक्शन लेने और पार्टी से निकालने की अटकलों के सवाल पर रंधावा ने कहा- कांग्रेस पार्टी तो कभी किसी को नहीं निकालना चाहती। कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जो हर आदमी का सत्कार करती है। जो पुराने हैं, उनको तो कभी भी नहीं छोड़ेगी। कांग्रेस को कोई छोड़ गया, लेकिन

कांग्रेस ने किसी को नहीं छोड़ा। जो छोड़कर गया उसका जो हाल हुआ वह सब जानते हैं।

सचिन की यात्रा पर रंधावा ने कहा- यह उनकी निजी यात्रा थी। इस यात्रा से पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। यात्रा होनी चाहिए, लेकिन पार्टी प्लेटफार्म पर बात होनी चाहिए। पायलट को पार्टी की मीटिंग में बात उठानी चाहिए थी। मीटिंग में बोलना चाहिए था। पार्टी की मीटिंग में बोलते तो वहीं पूरी कांग्रेस के लीडर बैठे रहते, वहीं बात होनी चाहिए। अगर मीटिंग में वहां बात नहीं होती तो फिर हम कहते कि उनकी सुनी नहीं गई। जवाब नहीं दिया गया।

संजीवनी घोटाले में गजेंद्र के खिलाफ कार्रवाई की बात भी करते पायलट

रंधावा ने कहा- यात्रा निकालें, लेकिन कर्नाटक चुनावों की वोटिंग से पहले यात्रा का अनाउंसमेंट किया। कर्नाटक इलेक्शन की वोटिंग से पहले यात्रा निकालना अच्छी बात नहीं है। मैं समझता हूं, करप्शन के खिलाफ गुस्सा जरूर होता है। मैं भी चाहता हूं कि करप्शन के खिलाफ कार्रवाई हो।

उनको यह भी कहना चाहिए कि अभी तक केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के संजीवनी घोटाले में कार्रवाई नहीं हो रही। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समय का करप्शन है तो उसकी भी टाइम बाउंड जांच होनी चाहिए। पायलट को संजीवनी घोटाले में गजेंद्र के खिलाफ कार्रवाई की बात भी करनी चाहिए थी।

पायलट तथ्यों के साथ आरोप लगाते तो मैं उनके समर्थन में आने वाला पहला आदमी होता। मैं भी इनकी टाइम बाउंड जांच की बात कहता। करप्शन के खिलाफ मैं भी हूं। मैं भी चाहता हूं कि एक्शन होना चाहिए, लेकिन साथ ही उनको संजीवनी घोटाले की बात भी करनी चाहिए थी।

पायलट के आंदोलन के अल्टीमेटम पर रंधावा ने कहा- अल्टीमेटम पर तो मुख्यमंत्री जवाब देंगे। मैं यही कहूंगा कि अगर कोई गड़बड़ी की बात है तो सीधे ऐसे कह देना कि इंक्वायरी होना चाहिए, इसकी बजाय पहले फैक्ट्स के साथ आना चाहिए था। जो आरोप लगाए हैं, उनको पब्लिक में लेकर आना चाहिए था। अगर पूरे तथ्य रखकर आरोप लगाते तो सुखजिंदर सिंह पहला आदमी होगा जो मुख्यमंत्री से कहता कि इनकी टाइम बाउंड इंक्वायरी करवाकर फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रायल होना चाहिए।

पायलट मामले में हाईकमान को रिपोर्ट भेजने के सवाल पर रंधावा ने कहा- पार्टी हाईकमान को तो रोज ही रिपोर्ट भेज देता हूं। कौन क्या कह रहा है और क्या कर रहा है? कौन कांग्रेस के लिए काम कर रहा है। कौन कांग्रेस के खिलाफ काम कर रहा है। यह रिपोर्ट रोज ही हाईकमान को भेज देता हूं।

गहलोत और पायलट में दूरियों से चुनावों में नुकसान के सवाल पर रंधावा ने कहा- पॉलिटिक्स में कभी कोई परमानेंट दोस्त नहीं होता, कोई परमानेंट दुश्मन नहीं होता। पायलट से जब बात करेंगे तब सब आपको बताएंगे और आप सबके सामने बात करेंगे।

अपनी ही पार्टी के पार्षदों से घिरी मेयर सौम्या गुर्जर

नगर निगम ग्रेटर की होने वाली बोर्ड बैठक में विपक्ष की भूमिका में दिख सकते है पक्ष के लोग

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में 25 मई को होने वाली बोर्ड बैठक इस बार बड़ी दिलचस्प होगी। इस बैठक में मेयर सौम्या गुर्जर विपक्ष ही नहीं बल्कि अपनी ही पार्टी के पार्षदों से भी घिरी नजर आएगी। इसके संकेत कल कार्यवाहक मेयर शील धाबाई, विधायक अशोक लाहोटी और डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत की ओर से जताए विरोध से देखने को मिल रहे है। मेयर का सरकार के पक्ष में चलना और पार्षदों-चेयरमैन को नजरअंदाज करने की कार्यशैली से पार्षदों में नाराजगी बढ़ गई है।

दरअसल मेयर सौम्या गुर्जर की कार्यशैली से अभी उन्हीं की पार्टी के कई पार्षद खुश नहीं है। बैठक के लिए जो एजेण्डा तैयार किया गया है, उसमें जो प्रस्ताव है वह संबंधित कमेटियों (फाइनेंस या अन्य) समितियां से मंजूर नहीं करवाए गए। इसके अलावा पार्षदों का विरोध डेयरी बूथों के आवंटन की प्रक्रिया को लेकर भी रहा, जिस पर मेयर बिल्कुल खामोश रही। कल जब साधारण सभा का एजेण्डा

सार्वजनिक हुआ तो उसमें वित्त संबंधि प्रस्तावों को देखकर वित्त समिति की चेयरमैन और पूर्व कार्यवाहक मेयर शील धाबाई नाराज हुई। उन्होंने समिति से पास करवाए बिना प्रस्तावों को साधारण सभा में रखने का विरोध जताया और बैठक का बहिष्कार करने की चेतावनी दी।

डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत ने भी कल एक पत्र मेयर को लिखा और उसमें एजेंण्डा में शामिल प्रस्तावों पर अपनी नाराजगी जताई। डिप्टी ने लिखा कि आपने पार्षदों से साधारण सभा के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए थे, जिसमें प्रशासन शहरों के संग अभियान, यूडीटैक्स, सीवरेज, डेयरी बूथ आवंटन, 150 वार्डों की कचरा व्यवस्था को दुरस्त करने संबंधित कई प्रस्ताव आए थे, लेकिन उसके बाद भी इन प्रस्तावों को एजेण्डा में शामिल नहीं किया गया। मेयर सौम्या गुर्जर और पार्षदों के बीच नाराजगी बढ़ने की सबसे बड़ी वजह मेयर की कार्यशैली है। पिछले साल नवंबर में हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने जब पूर्व कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव मामले पर मेयर को अपना पक्ष रखने के लिए कहा तब मेयर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिली और उसके बाद डीएलबी डायरेक्टर को अपना लिखित में पक्ष दिया। उसके बाद से मेयर का सरकार के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर बढ़ गया और सरकार के हर कार्यक्रम में शामिल होने लगी। वहीं सरकार की कार्ययोजनाओं, कानून व्यवस्था या अन्य मुद्दों पर जब पार्षदों और संगठन ने विरोध प्रदर्शन, धरने दिए तो मेयर को खुद को उनसे दूर रखा।

युवक का कटा सिर लेकर मंदिर की ओर भागा था

चश्मदीद बोला- कुल्हाड़ी से किए थे 4 वार; हत्यारे का परिवार गायब हुआ

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जालोर के पादरली गांव में पांच दिन पहले 50 साल के व्यक्ति ने 23 साल के युवक का कुल्हाड़ी से सिर काटकर धड़ से अलग कर दिया। कटा हुआ सिर गांव के मंदिर से 200 मीटर दूर फेंक दिया।

हत्या के बाद आरोपी वहां से भाग गया और पुलिस के सामने जाकर सरेंडर कर दिया। आरोपी का पूरा परिवार घटना के बाद से फरार है। मामले में माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पूरे गांव में पुलिस तैनात कर दी गई। इंटरनेट बंद कर दिया गया।

जिस युवक की हत्या की गई, वह गांव में रहता ही नहीं था। न ही उसकी किसी से कोई दुश्मनी थी। पुलिस का कहना है कि युवक ने आरोपी के पोते को थप्पड़ मार दिया था, जिसका ने के लिए उसने कुल्हाड़ी से उसकी गर्दन काट दी।

वहीं मृतक के परिजनों और चश्मदीदों का दावा है कि मंदिर में

सांकला राम, आरोपी

किशोर सिंह, मृतक

बलि चढ़ाने के लिए युवक का सिर काटा गया। आरोपी कटा हुआ सिर मंदिर में चढ़ाने के लिए लेकर गया। मंदिर में लोगों को बैठे देखा तो कटा हुआ सिर सड़क पर छोड़कर भाग निकला।

पादरली गांव में रहने वाला किशोर सिंह मुंबई में अपने जीजा की दुकान पर काम करता था। 18 मई को वह मुंबई जाने वाला था। इसके लिए 17 मई को उसने अपने सामान की पैकिंग की थी। इसके बाद दोपहर में वह तख्तगढ़ कटिंग करवाने गया था। शाम करीब 6 बजे वह बस से तख्तगढ से गांव लौटा था। जहां आरोपी सांकल राम उसका पहले से ही इंतजार कर रहा था। गांव में आते ही सांकल राम ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर गर्दन काट दी।

पुलिस के अनुसार पादरली गांव में रहने वाले किशोर सिंह (23) पुत्र मोहब्बत सिंह ने किसी बात को लेकर गांव में रहने वाले सांकल राम (50) पुत्र खीमाराम भील के पोते को थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद वह तख्तगढ़ चला गया था। सांकल राम को पता लगा कि उसके पोते को किशोर सिंह ने थप्पड़ मार दिया। सांकल राम ने किशोर सिंह से बदला लेने की ठान ली। सांकल राम उस दिन शराब के नशे में धुत था। किशोर सिंह के तख्तगढ़ से लौटते ही सांकल राम ने कुल्हाड़ी से उसके सिर को धड़ से अलग कर दिया।कुल्हाड़ी को धार दे रहा था : गांव में रहने वाले कानसिंह ने बताया कि सांकल राम उस दिन शराब के नशे में धुत अपने घर के बाहर बैठकर कुल्हाड़ी को धार लगा रहा था। पास बैठे लोगों ने पूछा तो बोला- कुल्हाड़ी के धार लगा रहा हूं। किसी बड़े बकरे को काटना है। कुल्हाड़ी के एक ही वार से गर्दन काट दूंगा। लोगों ने बताया कि गांव में किसी से भी झगड़ा होने पर सांकल राम इसी कुल्हाड़ी से लोगों को डराता था।

आई हेट यू देव... लिखकर युवती ने किया था सुसाइड

डायरी में लिखा था- मैं अब हमेशा के लिए आपकी लाइफ से चली जाऊंगी

चित्तौड़गढ़, 21 मई (एजेंसियां)। अनामिका व्यास सुसाइड केस में एक नया मोड़ आया है। मृतका अनामिका के कमरे से पुलिस को एक डायरी मिली है। इसमें उसने बॉयफ्रेंड के धोखे के बारे में बताया। अनामिका ने लिखा था- 'मैं अब कभी आपकी लाइफ में नहीं रहूंगी। चली जाऊंगी आपकी लाइफ से हमेशा के लिए। आई हेट यू देव'।

पुलिस जब युवक के घर तक पहुंची, तब तक वो भाग चुका था। जांच में सहयोग नहीं मिलने के कारण और आत्महत्या के लिए उकसाने को लेकर पुलिस ने अब एक मामला दर्ज किया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया है। पिता की रिपोर्ट पर की जांच

कोतवाली थाने के एएसआई प्रहलाद सिंह शेखावत की ओर से एक रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि 5 मार्च को अनामिका पुत्री कालिका दत्त व्यास ने फ्लैट पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। अ ना मि का चित्तौड़गढ़ के दुर्गा एसोसिएट के रिकवरी डिपार्टमेंट में डेढ़ साल से काम करती थी। अपने फ्लैट पर अकेली ही रहती थी। अनामिका

2 मार्च को उदयपुर अपने अपने घर वालों से मिलने भी गई थी। 5 मार्च को ही उसने चित्तौड़गढ़ में अपने फ्लैट पर आत्महत्या कर ली थी।

अनामिका ईनाणी रेजीडेंसी के तीसरे फ्लोर के फ्लैट नंबर 314 में रहती थी। युवती जब जॉब पर नहीं पहुंची तो साथी कर्मचारी फ्लैट पर आया था। गेट खटखटाने के बाद भी जब जवाब नहीं आया था तो केयरटेकर अंकल हिमांशु मंगल को जानकारी दी थी। इस पर गेट का लॉक तोड़ा गया था। अनामिका फंदे पर लटकी थी। अनामिका के पिता कालिका दत्त व्यास की रिपोर्ट पर इस मामले की जांच शुरू की गई। उस समय 5 मार्च को सिर्फ शिकायत दर्ज की गई थी।

घर से मिली डायरी, एक युवक द्वारा धोखा देने की बात लिखी

प्रहलाद सिंह शेखावत ने बताया- जब जांच शुरू हुई तो कमरे की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई। अनामिका के रूम की तलाशी भी ली गई। उसके दोनों नंबरों की कॉल डिटेल भी निकाली गई। अनामिका के कमरे में डायरी, लैपटॉप और दो मोबाइल मिले थे। घटनास्थल पर मृतका अनामिका की एक डायरी मिली। इसमें उसने देव नाम के एक युवक से प्यार करने की बात लिखी थी। देव के द्वारा दिए गए बार-बार धोखे के बारे में लिख रखा था।

जांच के दौरान ही मामले से संबंधित एसपी ऑफिस में एक शिकायत पेश की। इसमें कुंभा नगर निवासी देवराज सिंह राणावत से अनामिका परेशान होकर फंदे पर लटक गई, इस बात को लेकर कार्रवाई करने की मांग की गई थी।

आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

सारे तथ्यों के देखने के बाद देव उर्फ देवराज सिंह को जब पूछताछ के लिए बुलाया तो वह अपने घर से फरार हो चुका था। न ही इस जांच में उसका सहयोग मिल पा रहा था। इसके बाद एएसआई प्रहलाद सिंह ने मामले में संदिग्ध आरोपी देवराज सिंह के खिलाफ थाना कोतवाली में जांच में सहयोग नहीं करने और अनामिका को आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए 17 मई को मामला दर्ज किया गया।

6 लोगों को थार जीप ने कुचला: मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

चाकसू, 21 मई (एजेंसियां)। हरिद्वार से अंतिम क्रिया कर लौट रहे परिवार के छह लोगों को जयपुर में थार जीप ने कुचल दिया। हादसे में मृतक की पत्नी-बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, तीन लोग गंभीर घायल हो गए। मामला जयपुर के पास कोटखावदा थाना इलाके का सुबह 11 बजे का है।

जानकारी के अनुसार 17 मई को रामनगर रोड़ पर डोई की ढाणी के रहने वाले मदन पुत्र बद्री की बीमारी से मौत गई थी। दो दिन पहले मदन की पत्नी सुनीता, बेटा गोलू, विक्की व बड़ा भाई सीताराम और उसकी पत्नी हरिद्वार गए थे।

आज सुबह हरिद्वार से लौटने के बाद वे घर से करीब 1 किलोमीटर पहले परिजनों के इंतजार में सड़क के किनारे बैठे थे। इस दौरान रामनगर की तरफ से आई तेज रफ्तार थार जीप ने सभी को कुचल दिया। हादसे में सुनीता (27) पत्नी मदन, उसके बेटे गोलू (15) और जेठ सीताराम (40) पुत्र बद्री की मौके पर मौत हो गई।

कोटखावदा थाने के ASI मदन चौधरी ने बताया कि हादसे में मृतक मदन का छोटा बेटा विक्की (9), सीताराम की पत्नी अनिता (37) व दौसा निवासी मनोहर घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सूचना के मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को चाकसू अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

मां-भाई के शव देखकर बेटी का बुरा हाल

मृतक मदन के परिवार में अब बेटा विक्की और बेटी आरती (11) अकेली रह गई है। पांच दिन के भीतर पिता, मां और एक भाई को खो चुकी आरती का रो-रो कर बुरा हाल है।

आज सुबह जैसे ही आरती ने गाड़ी में रखे मां-भाई के शव देखे वो बेसुध हो गई। पिता की अंतिम क्रिया में वह हरिद्वार नहीं गई थी और घर पर अपनी मां व भाई का इंतजार कर रही थी।

होटल में महिला से रेप: नशीली चाय पिलाकर किया दुष्कर्म, न्यूड वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जयपुर के होटल में महिला से रेप का मामला सामने आया है। नशीली चाय पिलाकर आरोपी परिचित ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बेहोशी की हालत में बनाए न्यूड वीडियो से ब्लैकमेल किया। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर देहशोषण के साथ कैश भी ऐंठ लिया। जवाहर सर्किल थाने में पीड़िता ने आरोपी परिचित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (सुरेंद्र कुमार) कर रहे है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी 28 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। फरवरी-2018 में उसकी मुलाकात अलीगढ़ उत्तर प्रदेश निवासी मुशीर से हुई थी। आस-पास में रहने के कारण अक्सर बातचीत होती थी। पति-पत्नी के झगड़े होने का पता चलने पर आरोपी मुशीर उसे तलाक लेने की कहता था।

कोकापेट में बीआरएस पार्टी को जमीन आवंटन तुरंत वापस ले सरकार : बंडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सीएम को पूछे कई सवाल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद बंडी संजय कुमार ने आज राज्य सरकार से मांग की कि कोकापेट इलाके में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी को जमीन का आवंटन तुरंत वापस लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार ने उनकी मांग पूरी नहीं की तो भाजपा बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगी। इस मुद्दे पर राज्य के सीएम केसीआर पर जमकर बरसे उन्होंने सीएम से सवाल किया कि क्या वह कोकापेट भूमि के जमींदार हैं? उन्होंने आश्चर्य जताया कि कोकपेट इलाके में, जहां एचएमडीएस सरकारी जमीनों को एक लाख रुपये प्रति वर्ग गज की दर से बेच रही है, राज्य सरकार सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी को 7,500 रुपये प्रति गज की दर से कैसे 11 एकड़ जमीन कैसे आवंटित कर सकती है? उन्होंने बीआरएस पार्टी को आवंटित की जा रही जमीन का कुल मूल्य 550 करोड़ रुपये बताते हुए कहा कि इतनी महंगी

जमीन का टुकड़ा सत्ताधारी दल को 40 करोड़ रुपये से कम में कैसे आवंटित किया जा सकता है? उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में कैबिनेट की बैठक जमीन देने के लिए बुलाई गई थी और कहा कि आवटन का विवरण मीडिया को नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि केसीआर पहले ही पार्टी के राज्य कार्यालय सहित 33 जिलों में पार्टी कार्यालय स्थापित करने के लिए जमीन हड़प चुके हैं।

जीओ एमएस नंबर 111 को निरस्त करने पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने इसे लाखों करोड़ का घोटाला करार दिया और कहा कि केसीआर के परिवार और बीआरएस नेताओं ने जीओ का हवाला देकर गरीबों के लिए सस्ती दर पर 100 एकड़ जमीन खरीदी। उन्होंने कहा कि सरकार की जमीन हड़पने का पर्दाफाश करने के लिए वे बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेंगे। भाजपा सांसद सोयम बापुराव के बेटे की शादी में शामिल होने आज आदिलाबाद पहुंचे बंडी संजय ने पार्टी जिलाध्यक्ष पायला शंकर, निर्मल जिला पार्टी अध्यक्ष और पूर्व विधायक इलेटी महेश्वर रेड्डी और रामा राव पटेल के साथ मीडिया से बात की. इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर को गरीबों की याद तभी आती है जब राज्य में चुनाव होते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि धरनी पोर्टल के नाम पर किसानों से ठगी की जा रही है।

राजीव गांधी को सोनिया-राहुल-प्रियंका की श्रद्धांजलि

राहुल ने लिखा- पापा आप प्रेरणा के रूप में, यादों में हमेशा मेरे साथ ही हैं

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 32वीं पुण्यतिथि पर सोनिया, राहुल, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे ने वीर भूमि जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। 32 साल पहले 21 मई, 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की जान चली गई थी। राहुल गांधी अपने पिता को श्रद्धांजलि देने के लिए श्रीपेरंबदूर भी गये।

राहुल गांधी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करके पिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, पापा, आप मेरे साथ ही हैं, एक प्रेरणा के रूप में, यादों में, सदा! इस वीडियो में बताया गया है कि राजीव गांधी ने देश में विकास में क्या-क्या योगदान दिया। इस वीडियो में उनके शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरों से लेकर प्रधानमंत्री रहते हुए देश को लेकर उनकी सोच और उनकी कार्य-शैली की झलक दिखाई गई है।

श्रीपेरंबदूर में राजीव गांधी की याद में बनाया गया है मेमोरियल :

श्रीपेरंबदूर में राजीव गांधी की याद में एक मेमोरियल बनाया गया है। पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत करने से पहले भी राहुल पिता के स्मारक पर गए थे। कांग्रेस हर साल 21 मई को राजीव गांधी के शहादत दिवस के रूप में मनाती है। देशभर में ब्लड डोनेशन कैंप और दूसरे इवेंट्स का आयोजन किया जाता है।

एलटीटीई ने करवाई थी तत्कालीन प्रधानमंत्री की हत्या

राजीव गांधी चुनाव प्रचार के लिए श्रीपेरंबदूर गए थे। इस दौरान एक कार्यक्रम में एलटीटीई की महिला आतंकी धनु माला पहनाने के बहाने उनके पास पहुंची। उसने राजीव के पैर छूए और कमर पर बंधे विस्फोटकों में ब्लास्ट कर दिया। धमाके में राजीव और हमलावर धनु समेत 16 लोगों की मौत हो गई थी।

1,000 से अधिक पुनर्निर्मित सरकारी स्कूलों का उद्घाटन जल्द

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की माना ओरु-मन बडी (मेरी बस्ती-मेरा स्कूल) की पहल के तहत सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं में सुधार किये गये हैं। इसी क्रम में 1,000 से अधिक सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के छात्र एक नए वातावरण में अपने नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत करने के लिए तत्पर हैं।

जबकि इस पहल के तहत 700 से अधिक पुनर्निर्मित स्कूल इस साल फरवरी में शुरू किए गए हैं, 1,000 से अधिक स्कूलों का उद्घाटन संबंधित जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जाएगा, जो 2 जून को शुरू होने वाले राज्य के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में होगा। ये पुनर्निर्मित स्कूल निजी और शिक्षण और बुनियादी ढांचे के मामले में कॉर्पोरेट स्कूल के बराबर होंगे।

इससे पहले, राज्य सरकार ने चरणबद्ध तरीके से 12 घटकों के तहत 26,072 सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में बुनियादी ढांचे में सुधार की पहल की है और पहले चरण के लिए 3,497.62 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 9,123 स्कूलों का चयन किया है। घटकों में बहते पानी की सुविधा के साथ शौचालय, विद्युतीकरण, पेयजल आपूर्ति, फर्नीचर, पूरे विद्यालयों की पेंटिंग, हरा चॉकबोर्ड, जीर्ण-शीर्ण के स्थान पर नई कक्षाएँ और उच्च विद्यालयों में भोजन कक्ष शामिल हैं।

सरकार ने डिजिटल शिक्षा भी प्रदान करने पर जोर दिया और हाई स्कूलों को 13,983 इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल प्रदान किए गए हैं, जो मिनी-कंप्यूटर के रूप में काम करते हैं। शिक्षण, ऑडियो-वीडियो सामग्री की स्क्रीनिंग के लिए एक नियमित ब्लैक बोर्ड के रूप में उपयोग किए जाने के अलावा, इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल का उपयोग विषय विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्रों के लिए भी किया जा सकता है। इसके अलावा, स्कूलों को 20,000 टैबलेट पीसी प्रदान किए गए हैं, जिनका उपयोग आगामी शैक्षणिक वर्ष से छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन को ट्रैक करने के अलावा छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए किया जाएगा। कुल 1,521 सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों को स्कूल परिसर में स्थापित सौर फोटोवोल्टिक ऊर्जा संयंत्रों के साथ बिजली घरों में बदल दिया गया है। सरकार ने डिजिटल शिक्षण की सुविधा के लिए टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के सहयोग से विकासशील पाठ्यक्रम पर भी ध्यान केंद्रित किया और 2,000 स्कूलों में कंप्यूटर लैब स्थापित की जा रही हैं।

सनातन धर्म राष्ट्र उन्नति के लिये महत्वपूर्ण : डॉ. सीमा मिश्र

बटुक ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संस्कार व कन्याओं का वैवाहिक संस्कार संपन्न

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा (रजि.) कानपुर के तत्वावधान में परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में राधा माधव मंदिर, किदवई नगर, कानपुर के प्रांगण में 101 बटुक ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संस्कार एवं 5 कन्याओं का वैवाहिक संस्कार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सिद्धनाथ पीठ, जाजमऊ, कानपुर के महंत आचार्य अरुण पुरी जी महाराज, विशेष अतिथियों में सांसद सत्यदेव पचौरी और विधायक अमिताभ बाजपेई, अरुण पाठक, सदस्य, विधान परिषद, उत्तर प्रदेश, कानपुर के पं. रमेश चंद्र शुक्ला, डॉ. नरेंद्र द्विवेदी, पं. भूपेश अवस्थी, पं.मनोज शुक्ला, पं. सिध्ध कुमार त्रिपाठी, उन्नाव के वयोवृद्ध संत पं. सूर्य प्रसाद त्रिपाठी, आदि उपस्थित रहे। इस भव्य कार्यक्रम में 20 प्रांतों से पधारे महासभा के वरिष्ठ गणों में राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय शुक्ला, (मुंबई), महाराष्ट्र, दक्षिण भारत के भाग्यनगर, हैदराबाद से पधारी साहित्य सेवी लेखिका एवं (महिला प्रकोष्ठ) की राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ. सीमा मिश्रा, महासभा के राष्ट्रीय न्यायिक सलाहकार पं.अशोक कुमार तिवारी, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश महासभा की महामंत्री (महिला प्रकोष्ठ) श्रीमती मिथिलेश शुक्ला, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश से राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती मनीषा त्रिपाठी, सतना, मध्य प्रदेश से राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती शशि अग्निहोत्री, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, श्रीमती. रत्ना मिश्रा, जबलपुर से पं. कमल किशोर तिवारी, पं. गिरीश अवस्थी, पं. सतीश चंद्र अवस्थी, इंदौर से पं. रामचंद्र दुबे, देवास से पं. धर्मेंद्र मिश्रा, ब्राह्मण समाज रायपुर, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पं. अरुण शुक्ला, रायपुर से पं. रज्जन अग्निहोत्री, दार्जिलिंग, कोलकाता से पं. कमल किशोर तिवारी, एवं अन्य प्रांतों से भी सभा के राष्ट्रीय प्रबुद्ध जन पधारें।

अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा ने राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे सभी गणमान्य विशेष अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। जिसकी अध्यक्षता दक्षिण भारत के भाग्यनगर, हैदराबाद से पधारी प्रसिद्ध समाज एवं साहित्य सेवी लेखिका एवं (महिला प्रकोष्ठ) की राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ. सीमा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की रूपरेखा को देख-रेख कर कार्यक्रम को अपनी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा (रजि.) महिला प्रकोष्ठ की विदुषी राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ. सीमा मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहां की सनातन धर्म राष्ट्र उन्नति के लिए महत्वपूर्ण था, है और रहेगा। और यह आयोजन इसका जीवंत उदाहरण है। ब्राह्मण संगठनों का मूल लक्ष्य राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा एवं सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना होना चाहिए और अंत में देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे एवं उपस्थित सभी अतिथियों का विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

सांसारिक और आध्यात्मिक जीवन में सामंजस्य ब्रह्म ज्ञान से संभव : साध्वी साक्षी भारती

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के द्वारा सत्संग, भजन एवं महाप्रसाद का आयोजन आई माता मंदिर, पद्मराव नगर, सिकंदराबाद में किया गया। इस अवसर पर गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सुश्री साक्षी भारती जी ने कहा कि आज मनुष्य अपना सारा जीवन सांसारिक दायित्वों के निर्वाह में बिताने के बाद भी संतुष्ट नहीं होता। कई बार तो इस आपाधापी में आध्यात्मिक यात्रा का आरंभ ही नहीं हो पाता और अगर हो जाए तो वह अधूरी ही रह जाती है। ऐसे में अध्यात्म और गृहस्थ जीवन के बीच आखिर सामंजस्य कैसे स्थापित हो? कैसे सांसारिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए भक्ति की जाए?

स्वामी समर्थ रामदास और छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से उदाहरण देते हुए साध्वी जी ने बताया कि एक समय ऐसा आया जब शिवाजी महाराज ने गुरुदेव से अपनी जिम्मेदारियों को किसी अन्य योग्य व्यक्ति को सौंप सन्यास धारण करने की इच्छा व्यक्त की। स्वामी समर्थ ने शिवाजी से कहा कि आज से मैं तुम्हे ही अपना प्रतिनिधि नियुक्त करता हूँ। तुम स्वामी नहीं बल्कि सेवक भाव से इस कर्तव्य का निर्वहन करो। इतिहास साक्षी है कि फिर शिवाजी ने किस कुशलता से सभी दायित्वों को पूर्ण किया।

इसलिए हम भी अगर सांसारिक और आध्यात्मिक जीवन में सामंजस्य बनाना चाहते हैं तो यह ब्रह्म ज्ञान के माध्यम से संभव है। जब एक पूर्ण संत हमें ब्रम्ह ज्ञान प्रदान करते हैं तब उस ध्यान-साधना के पथ पर चलते हुए हम जान पाते हैं कि दोनो को साथ लेकर जीवन में कैसे चलना है। कार्यक्रम में शिष्यों ने सुंदर भजनों का गायन किया तदुपरांत मंगल आरती हुई और भंडारे का आयोजन किया गया।

भंडारा चौक रिकाबगंज में राम रस सेवा आयोजित

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में भण्डारा चौक-रिकाब गंज मे भक्ति भाव के साथ राम रस सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राम रस गोला (कुल्फी) सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ मां भगवती, देवी अन्नपूर्णा की पूजा अर्चना के साथ लोगों को नगर में बड़ती गर्मी से आराम दिलाने के उद्देश्य से पंकज कुमार अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, राज कमल भट्टड, सुनील, शिवराम, राजेश शर्मा (टेकचन्द शर्मा कुल्फी वाले) व अन्य कार्यकर्त्ताओं की उपस्तिथ में संपन्न हुआ।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह कल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी और गोलकोण्डा दर्पण हैदराबाद (तेलंगाना) के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, 23 मई को सायं ठीक 5.30 बजे से नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न होगा। इस संध्या में डॉ. राधे श्याम मिश्र (सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय गीतकार, कानपुर, उ.प्र.), हरि नारायण तिवारी (सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय साहित्यकार, कानपुर, उ.प्र.) और डॉ. सरिता बाजपेई (शाहजहाँपुर, उ.प्र.) विशेष आमंत्रित कवियों के रूप में भाग लेंगे। कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद करेंगे और संचालन का कवि गोविंद अक्षय सँभालेंगे और संस्थाओं की गतिविधियों के साथ-साथ इससे संबद्ध संस्थाओं के परिचय पर प्रकाश डालेंगे। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री वाई. गैबुवली, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ़ कॉलेज के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. शाश्वत मिश्रा, मिलिंद प्रकाशन के संचालक श्रुतिकांत भारती, सलाहुद् दीन नैयर क्रमश: कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, विशेष अतिथि व सम्माननीय अतिथि रहेंगे।

मोदी समाज के सम्मेलन में बोले अमित शाह

आज पीएम मोदी की बदौतल ही देश में कई सारे मुख्यमंत्री ओबीसी समुदाय से हैं

अहमदाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में मोदी समाज के राष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत की। शाहीबाग में आयोजित इस सम्मेलन के संबोधन में उन्होंने मोदी सरनेम मानहानि केस का नाम लिए बिना कहा कि पूर्णेश भाई ने एक लड़ाई बड़ी मजबूती से लड़ी है।

अगर कोई समाज और देश के व्यक्ति का अपमान करता है तो वह समाज का अपमान होता है पूरे देश का अपमान होता है। पूर्णेश मोदी ने इस लड़ाई को पूरी गंभीरता से लड़ा है। मैं उन्हें बधाई देता हूं। शाह ने हम सभी आप के साथ हैं। पूरा देश आपके साथ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया ओबीसी का सम्मान :

शाह ने कहा कि बीजेपी ने देश को पहला ओबीसी समाज का सबसे पहला प्रधानमंत्री दिया है। शाह ने कहा कि जहां तक ओबीसी समाज का सवाल है। पिछले समाज का सवाल है। आजादी के बाद कांग्रेस ने ओबीसी समाज की अनदेखी की।

प्रताड़ित किया। शाह ने कहा ओबीसी का सम्मान प्रधानमंत्री मोदी ने किया। उन्होंने कहा कि आज पीएम मोदी की बदौतल ही देश में कई सारे मुख्यमंत्री ओबीसी समुदाय से हैं। शाह ने मोदी समाज के सम्मेलन में शामिल होने के लिए देशभर से पहुंचे मोदी समाज के लोगों का अभिनंदन किया।

मोदी समाज ट्रस्ट के प्रमुख हैं पीएम मोदी के बड़े भाई इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन समस्त गुजराती मोढ मोदी समाज ट्रस्ट की ओर से किया गया है। इसके प्रमुख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े भाई सोमाभाई मोदी हैं। इस सम्मेलन में पूर्णेश मोदी भी उपस्थित रहेंगे। पूर्णेश मोदी समस्त गुजराती मोढ मोदी समाज ट्रस्ट के कार्यकारी प्रमुख हैं।

गुजरात दौरे के दूसरे दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज गांधीनगर में राज्य सड़क परिवहन निगम की नई 320 बसों के संचालन की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने अमुल्फेड डेयरी की आधुनिक जैविक परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

रामपल्ली में देवड़ा परिवार द्वारा आयोजित एक शाम आईमाता के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए सोनाराम, छज्जाराम सोलंकी। अवसर पर भजनों व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए आयोजक मोहिनीबाई-अमराराम, महेन्द्र, चेतन देवड़ा, राजस्थानी मित्र मंडल अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, सीरवी समाज पूर्व सचिव पूनाराम हाम्बड़, व समाज बन्धु।

रामकोट स्थित कच्छी भवन में लताबेन दिलीप पदमोशी मोता परिवार द्वारा पूरम पूज्य विजयपूर्णाश्री जी मसा, लक्ष्ययलीलाश्री की निश्रा में आयोजित श्री नवकार महामंत्र जाप अनुष्ठान में भाग लेते हुए भक्तगण।

राहुल बोले- नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करें, पीएम नहीं

कांग्रेस ने कहा- 28 मई को सावरकर जयंती, इस दिन इनॉगरेशन राष्ट्र निर्माताओं का अपमान

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद की नई बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। राहुल गांधी ने इसका विरोध किया है। राहुल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ही कराना चाहिए, प्रधानमंत्री को नहीं।

उधर, तमाम विपक्षी दल और कांग्रेस ने नई बिल्डिंग के इनॉगरेशन की तारीख पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा, 28 मई को हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की जयंती है, ऐसे में इसी दिन नए संसद भवन का उद्घाटन करना राष्ट्र निर्माताओं का अपमान है। 18 मई को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने प्रधानमंत्री को नए भवन का उद्घाटन करने का निमंत्रण दिया था।

862 करोड़ रुपये में बने नए संसद भवन का काम पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री ने 10 दिसंबर 2020 को इसकी आधारशिला रखी थी। नए संसद भवन का निर्माण 15 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। इस बिल्डिंग को पिछले साल नवंबर में पूरा हो जाना था। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनी ये बिल्डिंग प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे 28 महीने में बनाया गया।

4 मंजिला बिल्डिंग, भूकंप का असर नहीं

पुराना संसद भवन 47 हजार 500 वर्गमीटर में है, जबकि नई बिल्डिंग 64 हजार 500 वर्ग मीटर में बनाई गई है। यानी पुराने से नया भवन 17 हजार वर्ग मीटर बड़ा है। नया संसद भवन 4 मंजिला है। इसमें 3 दरवाजे हैं, इन्हें ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार नाम दिया गया है। सांसदों और वीआईपी के लिए अलग एंट्री है। इस पर भूकंप का असर नहीं होगा। इसका डिजाइन एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने तैयार किया है। इसके आर्किटेक्ट बिमल पटेल हैं।

गांधीजी के सिद्धांतों से मानवीय मूल्यों में परिवर्तन संभव : मुहम्मद सेंजिक

चवाकुल रामकृष्ण राव ने की अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह में शिरकत

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय एवं पुस्तकालय (नई दिल्ली) गांधी स्मृति संग्रहालय, राजघाट नई दिल्ली में अंतराष्ट्रीय संग्रहालय एवं पुस्तकालय दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोसनिया एवं हरजसगोविना के भारत में राजदूत मुहम्मद सेंजिक उपस्थित रहे। उन्होंने महात्मा गांधी के सिद्धातों को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय एवं पुस्तकालय दिवस में गांधीजी के विचारों पर प्रकाश डाला। गांधीजी के सिद्धांतों से मानवीय मूल्यों में भी परिवर्तन हो रहा है। किसी भी देश, काल में लिखा गया संग्रालय एवं पुस्ताकालय समाज को दिशा-दशा, सोच, आचार, विचार रहेन-सहेन, खान-पान, वेशभूषा आदि को समग्रतः प्रकाशित करता है। भारतीयों में धार्मिक मर्यादा तथा संस्कृति, सभ्यता झलकती है।

संग्रहालय मानव जीवन को ज्ञान विज्ञान देती है। उन्होंने श्रीमती अनिता दुबे को प्रशांसा की। श्रीमती अनिता दुबे ने कहा नव-युवकों को गांधीजी का महत्व, अनुशासन, अंहिसा, शांति, सत्य आदि सिद्धांतों पर चलने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि रोबिन हिबु ने राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय संग्रहालय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय एवं पुस्तकालय दिवस पर उन्होंने गांधी जी भावों को अभिन्यक्ति किया है। कई प्रांतों में खूद जमीन की पुस्तकालय को दान दिया है। अरूणाचल प्रदेश राज्य में विद्यार्थियों के लिए खूद जमिन देकर आवास बनवाया।

नितिन शर्मा ने अपने भाषण में कहा कि गांधी जी अनेक आन्दोलनों से स्वतंत्रता प्राप्त हुई। संग्रहालय एक देवालय है। उन्होंने श्रीमती अनिता दुबे को प्रशांसा की। हैदराबाद से हिंदी प्रेमी मंडली की ओर से अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह में भाग लिये चवाकुल रामकृष्ण राव ने अपने भाषण में महात्मा गांधी की बडी प्रतिमा यमुना नदी, अगारा में स्थापित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि गांधी जी राष्ट्रपिता है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने हिंदी प्रेमी मंडली की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम के आयोजन में श्रीमती भास्वति राय चौधरी, अंसार अली का भी विशेष सहयाग रहा।

श्री गीता भवन, जनरल बजार, सिकंदराबाद में आयोजित निःशुलक लाइफ स्टाइन डिसआर्डर स्क्रीनिंग कैंप में भाग लेते हुए श्री गीता आचार्य टी. विश्वेश्वर राव, समाजसेवी गोपाल बल्दवा। इस दौरान श्री बल्दवा ने अपना स्वास्थ्य का परीक्षण भी कराया।

मुंबई इंडियंस ने सनराइज़र्स हैदराबाद को 8 विकटों से हराया

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 69वें लीग मैच में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया। टीम ने 201 रन का टारगेट 18 ओवर में चेज कर लिया। कैमरून ग्रीन ने आईपीएल करियर का पहला शतक लगाया। पहली पारी में आकाश मधवाल ने 4 विकेट लिए।

वानखेड़े स्टेडियम में SRH ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

पावरप्ले में किशन का विकेट गिरने के बाद मुंबई से कैमरून ग्रीन नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने शुरुआती ओवरों से ही बड़े-बड़े शॉट्स लगाए और कप्तान रोहित शर्मा के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। उन्होंने फिर 20 ही गेंद पर सीजन में अपना तीसरा अर्धशतक भी बना लिया।

मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरी पारी में 34वां रन लेने के साथ ही मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के लिए 5000 रन पूरे कर लिए। उनके आईपीएल में 6100 से ज्यादा रन हैं। लेकिन बाकी रन उन्होंने डेक्कन चार्जर्स फ्रेंचाइजी के लिए बनाए हैं। रोहित ने 33 बॉल पर अपनी फिफ्टी भी पूरी की, जो इस सीजन उनकी दूसरी फिफ्टी है। वह 56 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित शर्मा और कैमरून ग्रीन ने 65 बॉल पर 128 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी में रोहित ने 50 और ग्रीन ने 73 रन जोड़े। रोहित के विकेट के साथ ये पार्टनरशिप टूटी।

201 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मुंबई ने तीसरे ही ओवर में ईशान किशन का विकेट गंवा दिया। उनके बाद उतरे कैमरून ग्रीन ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी संभाली। दोनों ने 6 ओवर में टीम का स्कोर 60 तक पहुंचा दिया।

पहली पारी में एसआरएच के ओपनर्स मयंक अग्रवाल और विव्रांत शर्मा ने 140 रन की पार्टनरशिप की। मयंक ने 83 और विव्रांत ने 69 रन बनाए। एसआरएच से हेनरिक क्लासेन ने 13 बॉल पर 18, ग्लेन फिलिप्स ने 4 बॉल एक, सनवीर सिंह ने 3 बॉल पर 4 और ऐडन मार्करम ने 7 बॉल पर 13 रन बनाए। हैरी ब्रूक गोल्डन डक पर आउट हुए। मुंबई से मधवाल ने 4 विकेट लिए, वहीं क्रिस जॉर्डन को एक विकेट मिला।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने नया ओपनिंग कॉम्बिनेशन ट्राई किया। टीम ने विव्रांत शर्मा के साथ मयंक अग्रवाल को पारी की शुरुआत करने भेजा। दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और 6 ओवर में बगैर विकेट गंवाए 53 रन जोड़ लिए।

एसआरएच से सीजन का चौथा ही मैच खेल रहे विव्रांत शर्मा ने 36 बॉल में फिफ्टी लगा दी। यह उनके आईपीएल करियर की पहली ही फिफ्टी है। 47 बॉल पर 69 रन की पारी में विव्रांत ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए।

विव्रांत ने पावरप्ले में मयंक अग्रवाल के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप करने के बाद सीजन में टीम की पहली 100 प्लस रन की ओपनिंग पार्टनरशिप भी की। दोनों ने 83 बॉल पर 140 रन जोड़े। विव्रांत के विकेट के साथ दोनों की पार्टनरशिप टूटी।

अल-सल्वाडोर में फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़, 12 की मौत

स्टेडियम के एंट्री गेट के पास भीड़ ने कुचला,90 लोग घायल; 500 को बचाया गया

सल्वाडोर, 21 मई (एजेंसियां)। सेंट्रल अमेरिका के अल सल्वाडोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ मच गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक 90 से ज्यादा लोग घायल हैं, इनमें दो की हालत गंभीर है। 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अल सल्वाडोर में लोकल टीम का मैच था। इसी दौरान यह घटना हुई।

मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में एलियांज़ा और सेंटा एना की एफएएस सबसे लोकप्रिय फुटबॉल टीमों में शामिल हैं। इनके मैच को देखने के लिए स्टेडियम के गेट पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। जानकारी के मुताबिक कुछ लोग जबरन स्टेडियम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान भगदड़ मची।

पुलिस ने घायलों की संख्या 500 से ज्यादा बताई

अमेरिका की नेशनल सिविल पुलिस ने ट्विटर पर पोस्ट कर 9 लोगों के मरने की पुष्टि की है। सुरक्षा एजेंसी की ओर से कहा गया है कि 2 लोगों की हालत गंभीर है। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं रेस्क्यू कमांडो कार्लोस फ्यूएंटेस ने कहा कि १नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, इनमें सात पुरुष और दो महिलाएं हैं। हमने 500 लोगों को रेस्क्यू किया और 100 से ज्यादा लोगों को अस्पतालों भर्ती किया गया है। उनमें से कुछ गंभीर थे। मैच शुरू होने के लगभग 16 मिनट बाद यह हादसा हुआ, जिसके कारण खेल को रद्द कर दिया गया।१

अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने हादसे के बाद कहा कि इस घटना की पुलिस विस्तृत जांच करेगी। उन्होंने कहा अपराधी जो भी होंगे वे बख्शे नहीं जाएंगे।

सल्वाडोर के हेल्थ मिनिस्टर फ्रांसिस्को अलबी ने कहा कि स्टेडियम के बाहर आपातकालीन टीमों को तैनात किया गया है और घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

2017 में सेनेगल में भी फुटबॉल मैच के दौरान 8 लोगों की हो गई थी मौत

2017 में सेनेगल में डकार में फुटबॉल लीग कप के फाइनल मे दौरान स्टेडियम में भगदड़ मचने से 8 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

7 चौके, 2 छक्के.., जिम्बाब्वे के 11वें नंबर के बल्लेबाज ने पाकिस्तान को रुलाया, 24 गेंद में ठोक दी फिफ्टी

खेल डेस्क, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ए टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है। अनऑफिशियल वनडे सीरीज खेली जा रही है। दोनों टीमों के बीच 6 वनडे मैच खेले जाएंगे।

पाकिस्तान ए टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है। अनऑफिशियल वनडे सीरीज खेली जा रही है। दोनों टीमों के बीच 6 वनडे मैच खेले जाएंगे। सीरीज के दो मैच जिम्बाब्वे ने जीत लिए हैं। पहले मैच में 24 और दूसरे मैच में 80 रनों के बड़े अंतर से पाकिस्तान को हराया। वेलिंगटन मसाकाद्जा की कप्तानी वाली जिम्बाब्वे ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 236 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ए की टीम सिर्फ 156 रनों पर ही ऑल आउट हो गई।

11वें नंबर के बल्लेबाज ने मचाया तूफान

पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रेगुलर अंतराल पर विकेट गिरते रहे। 169 के स्कोर पर टीम ने 9 विकेट खो दिये। लेकिन 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए ब्लेसिंग मुजारबानी ने मैच का रुख बदल दिया। मुजारबानी ने 50 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने 24 गेंदों में फिफ्टी जड़ा। अपनी पारी में 7 चौके और 2 छक्के ठोके। मुजारबानी के पारी के बदौलत जिम्बाब्वे ए 236 रनों तक पहुंचा।

फ्लॉप हुए पाकिस्तान के बल्लेबाज

टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान को पहली गेंद पर झटका लग गया।

पीएसएल के स्टार सइम आयूब खाता नहीं खेल सके। दूसरे विकेट के लिए इमरान बट्ट और मोहम्मद हुरैरा के बीच 44 रनों की साझेदारी हुई। लेकिन हुरैरा 33 के आउट होने के दो गेंद बाद ही कमरान गुलाम भी खाता खोले बिना आउट हो गए। कप्तान बट्टा ने 45 रनों की पारी खेली। निचले क्रम में मुबसिर खान ने 44 रन बनाए लेकिन उनके अलावा कोई बल्लेबाज पिच पर नहीं टिक पाया। पाकिस्तान की पूरी टीम 38 ओवर में 156 पर ऑलआउट हो गई।

बता दें कि जिम्बाब्वे ए की टीम में लिए क्रेग इरविन और सीन विलियम्स जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। पाकिस्तान ए की टीम में सैम आयूब, शहनवाज दहानी और इमरान बट्ट जैसे इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं।

अब्दुल रज्जाक ने पाकिस्तान की टीम में चुना ये ऑलराउंडर

खेल डेस्क, 21 मई (एजेंसियां)। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जगह के लिए अब्दुल रज्जाक ने फहीम अशरफ और मोहम्मद वसीम जूनियर के बीच फहीम का चयन किया।

इस साल भारत में होने वनडे वर्ल्ड कप को लेकर कई टीमें कमर कस चुकी हैं। ऐसे में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और दिग्गज ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक ने 2023 विश्व कप के लिए पाकिस्तान के ऑलराउंडरों के चयन पर अपनी राय बताई है। मेगा इवेंट के लिए पाकिस्तान टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जगह के लिए रज्जाक ने फहीम अशरफ और मोहम्मद वसीम जूनियर के बीच फहीम का चयन किया। रज्जाक का मानना है कि फहीम अशरफ का अनुभव पाकिस्तान टीम के लिए वेल्यूएबल प्लेयर बनाता है।

वसीम जूनियर को बहुत जल्दी चुना गया था

रज्जाक ने एक स्थानीय टीवी चैनल पर कहा- अगर हम अनुभव के आधार पर आंकते हैं, तो फहीम अशरफ को विश्व कप के लिए जाना चाहिए। हालांकि रज्जाक ने नेशनल टीम में ऑलराउंडर वसीम जूनियर के चयन के बारे में भी अपनी चिंता व्यक्त की। रज्जाक का मानना है कि वसीम जूनियर को घरेलू क्रिकेट में पर्याप्त अनुभव के बिना बहुत जल्दी पाकिस्तान टीम में लाया गया था। उन्होंने कहा- अगर मोहम्मद वसीम जूनियर की बात करें तो हम उन्हें खैबर पख्तूनख्वा से लाए थे। मुझे लगता है कि उन्हें पाकिस्तान टीम के लिए बहुत जल्दी चुना गया था।

कभी भी इस तरह के खिलाड़ी को तैयार नहीं कर सकते

रज्जाक ने आगे कहा- वसीम जूनियर को और अधिक घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए था। उन्हें चुने जाने से पहले लंबे स्पैल फेंकने थे। अब वह पाकिस्तान के लिए कुछ मैच खेलता है और फिर बाकी मैचों में बाहर बैठता है। आप कभी भी इस तरह के खिलाड़ी को तैयार नहीं कर सकते।

बीसीसीआई की एसजीएम 27 मई को

वनडे वर्ल्ड कप के शेड्यूल पर होगी चर्चा, डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए 3 बैचों में रवाना होगी टीम इंडिया

खेल डेस्क, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को लेकर स्पेशल जनरल मीटिंग बुलाई है। यह मीटिंग इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल से पहले 27 मई को अहमदाबाद में होगी। ऐसी संभावना है कि मीटिंग के बाद वर्ल्ड कप को लेकर खास घोषणा हो सकती है।

बीसीसीआई इन मुद्दों पर चर्चा कर सकता है

वर्ल्ड कप का पूरा शेड्यूल जारी किया जा सकता है

रिपोर्ट के अनुसार, एसजीएम एजेंडे में से एक, आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के लिए कार्य समूह का गठन है। चर्चा है कि मीटिंग के बाद अक्टूबर-नवंबर में होने वर्ल्ड कप टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल जारी किया जा सकता है। साथ ही आयोजन समिति के सदस्यों की भी घोषणा हो सकती है।

आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड कप की तारीखों और वेन्यू की घोषणा अभी तक नहीं की गई है, लेकिन ऐसी अटकलें हैं कि टूर्नामेंट 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा। इसे देश के 12 शहरों में खेला जाएगा। अहमदाबाद फाइनल की मेजबानी करेगा। लेकिन, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि कार्यक्रम की घोषणा भी होगी या नहीं।

महिला प्रीमियर लीग और यौन उत्पीड़न नीति

रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई महिला प्रीमियर लीग के लिए एक समिति के गठन की घोषणा करेगा। डब्ल्यूपीएल का पहला सीजन इस साल मार्च में आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था। अब बीसीसीआई महिला लीग के लिए एक अलग निकाय का गठन कर सकता है।

27 मई की इस बैठक में राज्य टीमों में फिजियोथेरेपिस्ट और प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए दिशानिर्देश दिए जा सकते हैं। इस बैठक में यौन उत्पीड़न नीति की पुष्टि जैसे मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ी 3 बैचों में रवाना होगा

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया के सदस्य तीन बैच में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। IPL के लीग स्टेज के खत्म होने के तुरंत बाद पहला बैच 23 मई को उड़ान भरेगा। दूसरा बैच 23 और 24 मई को पहले दो प्ले-ऑफ मैचों के बाद जाएगा।

आखिरी बैच 28 मई के फाइनल के बाद 30 मई को रवाना होगा। इसके अलावा बीसीसीआई इंग्लैंड में टीम के लिए एक प्रैक्टिस मैच आयोजित कराने की योजना बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल 7 से 12 जून तक ओवल में खेला जाएगा।

फरीदाबाद के दीपेश मोर का एशियन गेम में चयन

नेशनल वेट लिफ्टिंग में गोल्ड समेत जीते 4 पदक; लोगों ने किया जोरदार स्वागत

फरीदाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद के दीपेश मोर ने तमिलनाडु में हुई नेशनल वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 461 किलोग्राम का वजन उठाकर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया है। उसने इसी प्रतियोगिता में 3 सिल्वर मेडल भी जीते हैं। दीपेश के बेहतर प्रदर्शन चलते अब उसका सिलेक्शन एशियन गेम के लिए हो गया है, जो चीन में होंगे।

फरीदाबाद के सेक्टर 55 में दीपेश मोर के घर आज उन्हें फूल माला और बुके देकर बधाई देने वाले लोगों का ताता लगा रहा। मात्र 17 साल की उम्र में दीपेश ने फरीदाबाद में जिलास्तरीय प्रतियोगिता में तीन गोल्ड मेडल, राज्यस्तरीय मुकाबलों में हरियाणा में 3 गोल्ड मेडल और पिछले दिनों तमिलनाडु में हुई नेशनल वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 1 गोल्ड मेडल व 3 सिल्वर मेडल हासिल किए हैं।

नेशनल में 461 किलो का भार उठाकर अकेले गोल्ड पर कब्जा जमाने वाले दीपेश का सिलेक्शन अब एशियन गेम्स के लिए हो गया है। दीपेश ने बताया कि के परिवार तथा उसकी कोच की बदौलत ही वह इस बुलंदी को हासिल कर सकता है। उसका अगला टारगेट एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल लेना रहेगा।

तमिलनाडु गाड़ा जीत का झंडा

गौरतलब है कि 12 से 17 मई के बीच तमिलनाडु के तनकाशी जिले के कुट्रालम में आयोजित जूनियर व सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में बॉडिवेट गेम व इक्विपमेंट्स पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 1 गोल्ड व 3 सिल्वर मेडल जीते हैं। इसमें डेड लिफ्ट में गोल्ड, बेंच प्रेस में सिल्वर, स्क्वार्ट में सिल्वर सहित ओवरऑल सिल्वर पदक हासिल किया है। दीपेश ने कुल 461.5 किलोग्राम वजन उठाकर यह मेडल अपने नाम किए। अब दीपेश ने एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई कर दिया है।

पुलिस में हैं दीपेश पिता

दीपेश के पिता प्रदीप मोर हरियाणा पुलिस में एसआई हैं। इस समय वे फरीदाबाद में अग्रसेन पुलिस चौकी के प्रभारी हैं। दीपेश की उपलब्धि का पता पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा को चला तो उन्होंने बाप-बेटे को कार्यालय में बुलाया। उन्होंने दीपेश को गीता भेंट कर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

धोनी को फैन ने गिफ्ट किया चेपॉक स्टेडियम का मिनिएचर-मॉडल

इससे पहले माही ने दर्शकों में बांटी थी जर्सी और टेनिस बॉल

खेल डेस्क, 21 मई (एजेंसियां)। एक फैन ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी को चेपॉक स्टेडियम का मिनिएचर मॉडल गिफ्ट किया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जहां एक फैन चेपॉक स्टेडियम का एक छोटा मॉडल धोनी को गिफ्ट में देते हुए नजर आ रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है, इस मॉडल को एक टेबल के ऊपर रखा गया है, और धोनी मुस्कुराते हुए इसके पास खड़े होकर इसे देख रहे हैं। धोनी ने अपने उस फैन के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई हैं। इस मॉडल को 'मिनिएचर वर्ल्ड मॉडल मेकर्स' नाम के इस्टाग्राम पेज से शेयर किया गया है। बता दें, धोनी की कप्तानी में CSK चार बार चैंपियन बनी है।

धोनी की सीएसके इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में प्लेऑफ में प्रवेश कर चुकी है। टीम ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को उसी के होमग्राउंड पर 77 रनों से हराया। अरुण जेटली मैदान पर चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 223 रन बनाए। जवाब में दिल्ली के बल्लेबाज 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन ही बना सके।

4 साल बाद वनडे में वापसी कर सकते हैं फाफ डु प्लेसिस

दिनेश कार्तिक ने वनडे वर्ल्ड कप के लिए कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस इन दिनों आईपीएल में तूफान मचाते नजर आ रहे हैं। इस सीजन अब तक हुए 13 मैचों में डु प्लेसिस ने 58.50 के औसत और 153.94 के स्ट्राइक-रेट से 702 रन बनाए हैं। डु प्लेसिस ने आठ अर्धशतक बनाकर बैंगलोर को कई मौकों पर ठोस शुरुआत दिलाने में मदद की है। डु प्लेसिस ने लगभग चार साल से वनडे नहीं खेला है। उन्होंने 2021 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने संकेत दिया है कि वह व्हाइट-बॉल क्रिकेट में फिर से प्रोटियाज के लिए खेलने को तैयार हैं। वहीं भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने फाफ डु प्लेसिस की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने का समर्थन किया है। उनका मानना है कि अगर दक्षिण अफ्रीका इस साल के क्रिकेट विश्व कप के लिए अनुभवी खिलाड़ी का चयन नहीं करता है तो वह एक 'ट्रिक' से चूक जाएगा। डु प्लेसिस ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग करते समय गजब की कंसिस्टेंसी दिखाई है। भारत के मैदानों पर उनका बल्ला बोल रहा है। आरसीबी में डु प्लेसिस के साथी कार्तिक दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान की कंसिस्टेंसी से आश्चर्यचकित नहीं हुए। वह मानते हैं कि 38 वर्षीय खिलाड़ी के पास अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाने को बहुत कुछ है। आईसीसी रिव्यू के लेटेस्ट एडिशन पर बात करते हुए कार्तिक ने कहा- मैं फाफ की फॉर्म से जरा भी हैरान नहीं हूं क्योंकि मुझे लगता है कि वह शानदार खिलाड़ी हैं। वह बहुत अच्छे लीडर भी हैं। आईपीएल के पिछले चार- पांच वर्षों में वह बहुत कंसिस्टेंट रहे हैं। उनके पास अभी एक और वर्ष है, जहां वह और भी अधिक सुसंगत, प्रभावी, शक्तिशाली साबित हो सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज का भारत में एकदिवसीय मैचों में शानदार रिकॉर्ड है। उन्होंने 10 मैचों में 65 से अधिक के औसत से 394 रन बनाए हैं। कार्तिक का मानना है कि टूर्नामेंट में उनका अनुभव टीम के काम आएगा। कार्तिक ने कहा- मुझे लगता है कि अगर दक्षिण अफ्रीका उसे विश्व कप में नहीं ले जाता है तो वह एक 'चाल' खो देगा। वह इसके लिए तैयार है।

ग्राम स्वराज को बर्बाद करने के लिए केसीआर जिम्मेदार : भट्टी

विक्रमार्क ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश में ग्राम स्वराज की नींव रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ग्राम स्वराज को कमजोर कर रहे हैं। वह जडचेर्ला विधानसभा क्षेत्र के नवाबपेट मंडल के तहत रुक्कमपल्ली गांव में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी चल रही जन मार्च पदयात्रा के मौके पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

टीपीसीसी के उपाध्यक्ष मल्लू रवि, जो इस अवसर पर उपस्थित थे, ने कहा कि देश में स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों को राजीव गांधी को याद रखना चाहिए, जिन्होंने ग्राम स्वराज लाने के उद्देश्य से भारतीय संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के माध्यम से संस्थानों पंचायती राज को मजबूत करने के लिए, केंद्र से सीधे ग्राम पंचायतों को धन भेजने की व्यवस्था शुरू की थी। उन्होंने ग्राम स्वराज की नींव रखने वाले महान व्यक्ति राजीव गांधी के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए स्थानीय निकायों से आग्रह किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ग्राम स्वराज को नष्ट कर रहे हैं और कहा कि गांवों के लिए धन नहीं दिया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केंद्र सरकार से सीधे जारी किए गए फंड को ग्राम पंचायतों को डायवर्ट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई गांव के सरपंच आत्महत्या कर रहे हैं क्योंकि वे धन जारी नहीं होने के कारण अपने गांवों को विकसित करने के लिए लिए गए ऋण का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पीएम ग्राम स्वराज और संघवाद की भावना को भी कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीएम देश के राज्यों की शक्तियों को भी कम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से देश के लोकतंत्र और ग्राम स्वराज को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर आगे आने का आह्वान किया। विक्रमार्क ने कहा कि राजीव गांधी को देश के शासन में युवाओं को शामिल करने के लिए 18 साल तक वोट देने का अधिकार देने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने युवाओं से महान राजीव गांधी के मार्ग और विचारों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करने को कहा, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने कहा कि राजीव गांधी लोगों को 21वीं सदी में ले जाने के श्रेय के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आईटी के क्षेत्र में दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर किया और कहा कि पूर्व पीएम की असामयिक मृत्यु देश के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की महत्वाकांक्षाओं और विचारों को आगे बढ़ाकर राजीव गांधी के सपनों को साकार करने के लिए कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के शीर्ष नेता कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी को देश में ग्राम स्वराज लाने के लिए स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का श्रेय दिया जाता है।

जनजातीय मंत्री ने राज्य स्थापना समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने आगामी दसवें राज्य गठन दिवस पर पिछले नौ वर्षों के दौरान उनके विभागों में हुए विकास को प्रदर्शित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। मंत्री ने शनिवार को यहां डॉ. बी आर अंबेडकर सचिवालय में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और जून से शुरू होने वाले 21 दिनों तक राज्य के दसवें वर्षगांठ समारोह के लिए आदिवासी, महिला और बाल कल्याण विभागों के संबंध में प्रस्तावित व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सत्यवती राठौड़ ने अधिकारियों से गिरि विकासम और मुख्यमंत्री एसटी उद्यमिता और नवाचार योजना सहित विकास कार्यक्रमों के बारे में वीडियो दस्तावेज बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि वीडियो को थंडास और अन्य स्थानों पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए ताकि लोग यह जान सकें कि पिछले नौ वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य कैसे बदल गया है।

सरकार से समर्थन नहीं मिलने से तेलंगाना के किसान परेशान : किशन रेड्डी

केसीआर के रैतु बंधु से केंद्र की उर्वरक सब्सिडी को अधिक बताया

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि किसानों को उर्वरक सब्सिडी के रूप में केंद्र सरकार की सहायता तेलंगाना सरकार द्वारा रैतु बंधु प्रोत्साहन के नाम पर दी जाने वाली सहायता से अधिक है। उन्होंने कहा कि केंद्र देश में किसानों को उर्वरक सब्सिडी के रूप में 18,254 रुपये प्रति एकड़ प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। जब तक फसल आती है, तब तक बेमौसम बारिश से किसानों को नुकसान हो रहा है। उन्हें राज्य सरकार से कोई समर्थन नहीं मिल रहा है। इससे किसानों को गंभीर परेशानी हुई है। आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों में इसी तरह की प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में राज्य बीमा योजना के माध्यम से उनकी मदद की जा रही है, लेकिन तेलंगाना में फसल बीमा योजना लागू नहीं होने के कारण किसानों को परेशानी हो रही है।

राज्य सरकार से समर्थन नहीं मिलने से किसान परेशान हैं। फसल बीमा योजना देश भर के सभी राज्यों में प्रभावी ढंग से लागू की जा रही है। तेलंगाना में कुछ किसान अपनी मर्जी से बीमा योजना लेकर गुजारा कर रहे हैं। तेलंगाना सरकार को फसल बीमा योजना लागू करनी चाहिए।

उन्होंने मजाक उड़ाया कि सीएम की महाराष्ट्र में उनकी बीआरएस पार्टी की शाखा है। यह कहते हुए कि उन्हें सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के विस्तार पर कोई समस्या नहीं है, उन्होंने सीएम से पूछा कि अगर उन्होंने अपना ध्यान महाराष्ट्र पर केंद्रित किया तो तेलंगाना का क्या होगा? उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम अपने राज्य की अनदेखी करते हुए खुद को देश का नेता मान रहे हैं।

केसीआर के इस बयान का जिक्र करते हुए कि बीआरएस के सत्ता में आने के बाद तेलंगाना में किसानों की जीवनशैली बदल गई है, उन्होंने कहा कि वे शेखी बघार रहे हैं कि वे रायथु बंधु के नाम पर किसान को प्रति एकड़ 10,000 रुपये दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र यूरिया की चार बोरी पर 8,568 रुपये की सब्सिडी दे रहा है। इसी तरह केंद्र भी डीएपी की चार बोरी के लिए 9,680 रुपए की सब्सिडी दे रहा है, जबकि अकेले उर्वरकों पर केंद्र द्वारा कुल मिलाकर 18,254 सब्सिडी दी जा रही है।

केसीआर ने किसान, बेरोजगार, नौकरी, बेरोजगारी भत्ता, डबल बेडरूम, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्राम पंचायतों के विकास, नगर पालिकाओं के विकास जैसे किसी भी मुद्दे पर अपनी बात नहीं रखी। अब वे महाराष्ट्र जा रहे हैं और मोदी की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में डिजिटल लेन-देन में पहले स्थान पर है और कहा कि पहले ऐसा कोई नियम नहीं था कि किसान अपनी उपज उस जिले और उस राज्य में बेचें। उन्होंने कहा कि किसान अब देश में कहीं भी अपनी उपज बेच सकते हैं और कहा कि यह सुविधा मोदी सरकार द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने एमएसपी भी बढ़ाया है।

वारंगल मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के कार्यों में तेजी लाएं : वेमुला

मंत्री ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को वारंगल मल्टी सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल के चल रहे कार्यों में तेजी लाने और उन्हें निर्धारित अवधि में पूरा करने का निर्देश दिया है। आर एंड बी कार्यालय, एर्रमंजिल में, रविवार को यहां, मंत्री प्रशांत रेड्डी ने अधिकारियों, अनुबंध एजेंसियों के प्रतिनिधियों और आर्किटेक्ट्स के साथ एक समीक्षा बैठक की, जो वारंगल मल्टी सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल और तीन तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निष्पादन में शामिल हैं। एंड रिसर्च (टीआईएमएस) ने हैदराबाद में एलबी नगर, अलवाल और सनत नगर में की और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

सबसे पहले, मंत्री ने वारंगल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की प्रगति के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों से कार्यों में तेजी लाने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव कॉरपोरेट अस्पतालों की तर्ज पर गरीबों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य उपचार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मुख्यमंत्री इन कार्यों को निर्धारित अवधि में पूरा करना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि उन्होंने कुछ समय पहले ही वारंगल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का दौरा किया था और वह 22 जून को फिर से साइट का दौरा करेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि टिम्स के कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि वह 26 मई को टीआईएमएस एलबी नगर और 29 मई को अलवाल और सनत नगर अस्पतालों का दौरा करेंगे।

देश के विकास में पूर्व पीएम राजीव गांधी का योगदान अविस्मरणीय : वीएच

पुण्यतिथि पर राजीव गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष वी. हनुमंत राव द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व पीएम राजीव गांधी की 32वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी और अन्य लोगों द्वारा सोमाजीगुड़ा राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए वीएच ने भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री के रूप में विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, पंचायतीराज, महिला आरक्षण के लिए किए गए संशोधनों और मतदान की आयु को 18 वर्ष तक कम करने में राजीव गांधी की सेवाओं को याद किया और कहा कि भारत ने बहुत कम उम्र के एक शक्तिशाली नेता खो दिया।

रोहित चौधरी ने कहा कि राजीव गांधी आज के नेताओं के लिए आइकन के रूप में खड़े हुए और प्रधानमंत्री के रूप में और एआईसीसी अध्यक्ष के रूप में उनकी सेवाओं को हमेशा याद किया जाता है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से 2 जून 2023 तेलंगाना स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाली राजीव गांधी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का नामांकन ऑनलाइन करने को कहा।

इस अवसर पर टीपीसीसी के पदाधिकारियों, स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आरसी पुरम में बदमाशों ने 5 बाइक व कार में आग लगा दी

संगारेड्डी, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आरसी पुरम मंडल की बॉम्बे कॉलोनी में शनिवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने पांच दोपहिया वाहनों और एक कार में आग लगा दी। रविवार को लोगों की नींद खुली तो उन्होंने अपने वाहनों को जलता देखा। शिकायत के बाद आरसी पुरम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस बदमाशों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

लापरवाही के लिए जीएचएमसी कुत्ता पकड़ने वाली इकाई के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा पुलिस ने जीएचएमसी डॉग कैचिंग यूनिट के खिलाफ आवारा कुत्तों से निपटने में लापरवाही बरतने के आरोप में मामला दर्ज किया है, जिसके परिणामस्वरूप एक कुत्ते की मौत हो गई। एक पशु कार्यकर्ता और अधिवक्ता, पी वर्धनम्मा ने आरोप लगाया है कि 11 मई को नागार्जुन नगर अमीरपेट से जीएचएमसीके डॉग कैचर द्वारा दो कुत्तों को उठाया गया था। पांच दिनों के बाद, कुत्तों को पास के इलाके में छोड़ दिया गया और यह कथित रूप से पाया गया कि कुत्ते न खाना खा पाते थे और न ठीक से चल पाते थे। मैंने एक पशु चिकित्सक को फोन किया और उसकी सलाह पर दोनों कुत्तों को इलाज के लिए एक निजी पशु चिकित्सालय में स्थानांतरित कर दिया। इलाज के दौरान एक कुत्ते की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। जब तक जीएचएमसी डॉग कैचर्स ने उन्हें नहीं उठाया तब तक कुत्ते स्वस्थ थे। उनकी मौत जानवरों के साथ की गई क्रूरता का परिणाम थी, वर्धनम्मा ने अपनी शिकायत में कहा। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन की।

कर्नाटक विधान सौध के पास सब-वे में पानी में फंसा हैदराबाद का परिवार, बचाया गया

बेंगलुरु/हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को भारी बारिश के बीच एक कार में यात्रा कर रहे हैदराबाद के छह लोगों का एक परिवार केआर सर्कल अंडरपास पर गले तक गहरे पानी में फंस गया, जो राज्य सरकार की विधान सौध से सिर्फ एक सीट पत्थर की दूरी पर है और उसे आग और आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों द्वारा बचाया गया। कार में सवार एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे नजदीकी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, कार के चालक ने वहां पानी की गहराई को महसूस किए बिना, ज़ूम करने की कोशिश की, लेकिन जब वाहन अंडरपास के बीच में पहुंचा तो वाहन लगभग जलमग्न हो गया। उन्मत्त चालक और यात्रियों ने खुद को डूबती हुई गाड़ी से बाहर निकाला, लेकिन भारी बारिश के कारण पानी का स्तर बढ़ने लगा। जैसे ही हैदराबाद परिवार मदद के लिए चिल्लाने लगा, राहगीरों ने उन्हें बचाने के लिए दौड़ लगा दी। उन्होंने परिवार को बचाए रखने में मदद करने के लिए साड़ी और रस्सियाँ फेंक दीं। फंसे हुए लोगों ने ऊंची जमीन पर चढ़ने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। जबकि उनमें से दो को आपातकालीन सेवा कर्मियों के तैराकों द्वारा खींच लिया गया, अन्य को सीढ़ी का उपयोग करके बाहर लाया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

लोगों में 26 मई को घर के पट्टे वितरित करेंगे एपी सीएम

अमरावती, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी 26 मई को वेंकटपालेम गांव के पास अमरावती के राजधानी क्षेत्र में विजयवाड़ा शहर के लाभार्थियों के लिए घर के पट्टे वितरित करेंगे। एनटीआर के जिला कलेक्टर, एस. दिली राव ने कहा कि जिला प्रशासन 21 मई को लाभार्थियों के नामों की सूची तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा शहर के 24,600 लाभार्थियों में से 19,240 को आवास स्थल पट्टा प्राप्त करने के लिए चुना गया था। उन्होंने कहा कि शेष लाभुकों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की सीमाओं के अंदर 2,100 लोगों, केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र की सीमा के भीतर 1500 लोगों और पूर्वी निर्वाचन क्षेत्र की सीमा के भीतर 1,600 लोगों का सत्यापन कार्य अभी भी प्रगति पर है।

गृह स्थल वितरण कार्यक्रम विजयवाड़ा और गुंटूर जिलों से 60,000 निवासियों को आकर्षित करेगा, और वाईएस जगन मोहन रेड्डी जनसभा को संबोधित करेंगे। वेंकटपलेम गांव में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के बाहर एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की जाएगी, जहां लाभार्थियों को गृहस्थल के पट्टे प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों की सुविधा के लिए विजयवाड़ा शहर से लगभग 500 बसों की व्यवस्था की जाएगी। दिल्ली राव ने अधिकारियों को जनसभा स्थल पर ही हितग्राहियों को भोजन, पानी, छाछ व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को कलेक्टर ने जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

चंद्रबाबू द्वारा गरीबों को दी गई जगह की तुलना शमशान घाट से करना बहुत ही शर्मनाक : रोजा

अमरावती, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री रोजा ने कहा कि तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू द्वारा गरीबों को दी गई जगह की तुलना शमशान घाट से करना ते है जोकि बहुत ही शर्मनाक बात है। इस बारे में राज्य मंत्री रोजा ने तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की कडी आलोचना करते हुए कहा कि, सरकार ध्दारा गरीबों को दिए गए स्थानों की तुलना की शमशान घाट करना बहुत ही शर्मनाक बात है। इस मामले में राज्य मंत्री रोजा ने तिरुपति एसवी विश्वविद्यालय में आयोजित स्वयंसेवकों के समापन कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री रोजा ने गरीबों को दिए गए जगहों की तुलना कब्र से करने की आलोचना की। उन्होंने विश्वास जताया कि वाईसीपी अगले विधानसभा चुनाव में राज्य में 175 सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरे वर्ष स्वयंसेवी अभिनंदन कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। इसके बाद तत्संबंधित कार्यक्रम में कई स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। राज्य मंत्री ने सराहना की कि स्वयंसेवक कल्याण सेवक हैं और अमूल्य सेवाएं प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी व्यवस्था से नया बदलाव लाने का पूरा श्रेय सीएम वाईएस जगन को जाता है। स्वयंसेवक व्यवस्था की सभी लोग सराहना कर रहे हैं तो तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू ही इस पर भी गंदी राजनीति कर रहे हैं, जोकि बिलकुल अनुचित है।

तिरुपति-गुंटूर एक्सप्रेस में बढते चोरी के मामले से दहशत

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति-गुंटूर एक्सप्रेस में चोरों द्वारा चोरियों की घटना से भय का माहौल बना हुआ है। इस बारे में रेलवे पुलिस ने विस्तार से बताया कि, तिरुपति से गुंटूर जा रही ट्रेन में शुक्रवार की आधी रात को चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। कई कोचों में खिड़कियों के पास महिला यात्रियों के गले से सोने के गहने तक उतार दिए गए। यह तिरुपति-गुंटूर एक्सप्रेस के कडप्पा जिले के कमलापुरम रेलवे स्टेशन से गुजरने के बाद रात करीब 11.30 बजे एर्रगुंटीपाडु रेलवे स्टेशन के पास हुआ। ट्रेन रुकते ही करीब 20 से 25 लुटेरों ने कोच एस1 से एस6 में महिला यात्रियों को निशाना बनाया। हालांकि कई लोगों ने विरोध किया, लेकिन ऐसा लगता है कि लुटेरों ने हमला किया। पता नहीं कितना सोना लूटा गया। इस डकैती के बारे में प्रोड्डूटूर रेलवे स्टेशन पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। आमतौर पर यह ट्रेन एर्रगुंटला से गुंटूर तक सुरक्षित है। इससे प्रतीत होता है कि येर्रागुंटला के आने से पहले लुटेरों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। रेलवे पुलिस ने मौका मुआयना किया। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.